ठाणे - मुंबई से प्रकाशित

बुधवार, 02 सितंबर 2026

वर्ष - 19, अंक-258

मुल्य-2, पृष्ठ-8+4

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

www.tarunmitra.in

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

संपादक- स्वतंत्र कुमार

e-mail-tarun.thana@gmail.com

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार से प्रकाशित

आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा: पीएम

एजेंसी। बिश्केक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक और एकजुट कार्रवाई का आह्वान करते हुए कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने वाले पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना होगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड की कोई जगह नहीं हो सकती और जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं, उन्हें स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि आतंकवाद किसी के लिए रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री ने एससीओ के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 26वें शिखर सम्मेलन में कहा कि पिछले 25 वर्षों में संगठन ने यूरेशिया के विशाल भूभाग में संवाद और सहयोग की मजबूत परंपरा विकसित की है तथा मानवता के विकास और अपने लोगों की भलाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब अगले 25 वर्षों में इस सहयोग को ठोस परिणामों में बदलना एससीओ का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जब दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, साझा भूगोल को साझा अवसरों में बदलने और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। मोदी ने एससीओ के संदर्भ में भारत की सोच के तीन स्तंभों- सुरक्षा, संपर्क और अवसर का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इन तीनों स्तंभों को दृष्टिकोण से आगे बढ़ाकर ठोस परिणामों में बदलने का समय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति और सुरक्षा इस दिशा में पहली आवश्यकता है। आतंकवाद आज भी पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसके खिलाफ लड़ाई को केवल कार्रवाई-प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रखा जा सकता। आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित पनाहगाहों के पूरे तंत्र को खत्म करना होगा। जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं और आतंकियों को पनाह तथा समर्थन देते हैं, उन्हें कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। मोदी ने कहा कि शांत और सुरक्षित यूरेशिया की साझा आकांक्षा अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता से भी जुड़ी है। भारत अफगानिस्तान के लोगों के विकास और मानवीय सहायता में योगदान देता रहा है और आगे भी देता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में सुरक्षा की परिधि और व्यापक हो गई है।

65 वर्षीय परिवहन चालकों को सीएम करेंगे सम्मानित

एजेंसी। मुंबई

विगत कई वर्षों से हाशिए पर चल रहे सालों से सड़कों पर सेवा दे रहे, यात्रियों की सुरक्षित यात्रा की ज़िम्मेदारी उठा रहे यात्री परिवहन चालकों की अब सुध ली गई है इसलिए उनके योगदान को अब सम्मान दिया जाएगा। 65 साल पूरे कर चुके पैसेंजर ट्रांसपोर्ट ड्राइवरों के लिए सम्मान निधि वितरण समारोह गुरुवार, 3 सितंबर को रात 8.30 बजे गडकरी रंगायतन में आयोजित किया गया है। यह समारोह धर्मवीर आनंद दिघे साहेब महाराष्ट्र पैसेंजर ट्रांसपोर्ट ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड की 'निवृत्ति सम्मान योजना' के तहत होगा। यह खास समारोह महाराष्ट्र सरकार के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के साथ मिलकर उन ड्राइवरों की लंबी सेवा को पहचानने के लिए आयोजित किया गया है जो महाराष्ट्र के पैसेंजर ट्रांसपोर्ट सिस्टम की रीढ़ हैं। यह उन ड्राइवरों के प्रति आभार जताने की एक कोशिश है, जिन्होंने कई सालों से धूप हो या बारिश, दिन हो या रात, यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनकी मनचाही जगह तक पहुंचाया है। यह प्रोग्राम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में होगा और इसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार शामिल होंगे। वन मंत्री गणेश नाइक, परिवहन मंत्री और कल्याण बोर्ड के चेयरमैन प्रताप सरनाइक, राज्य मंत्री मधुरिताई मिसाल मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। महाराष्ट्र राज्य साहित्य और संस्कृति बोर्ड के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. प्रो. प्रदीप धवल भी मौजूद रहेंगे। इस मौके पर लोकसभा सदस्य डॉ. श्रीकांत शिंदे, नरेश गणपत म्हास्के और सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे (बाल्या मामा) के साथ-साथ विधान परिषद और विधानसभा के सदस्य, ट्रांसपोर्ट विभाग के सीनियर अधिकारी और अलग-अलग क्षेत्रों के गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। 65 साल की सर्विस पूरी कर चुके परिवहन यात्री चालकों को सम्मानित किया जाएगा और उन्हें सम्मान निधि दी जाएगी। ड्राइवरों की सामाजिक और आर्थिक हिफाजत के लिए यह प्रोग्राम 'निवृत्ति सम्मान योजना' के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन प्रताप सरनाईक की निर्देशन में होगा।

पूर्व नक्सली कमांडर भूपति का नया रोल, गोंडवाना यूनिवर्सिटी में बने खास प्रोग्राम के कोर्डिनेटर

नागपुर : एक साल पहले सरेंडर करने वाले नक्सली कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति अब गोंडवानी यूनिवर्सिटी से जुड़ गए हैं। नक्सल लीडर रहे भूपति नए रोल में आदिवासी ग्रामीणों को उनके संवैधानिक अधिकार दिलाने में मदद करेंगे। गढ़चिरौली की गोंडवाना यूनिवर्सिटी (GU) ने पूर्व नक्सली लीडर को अपने प्रोग्राम में प्रशासनिक काम के लिए कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। यूनिवर्सिटी ने यह प्रोग्राम ग्राम सभाओं और ग्रामीणों को पंचायत अधिनियम (PESA) और वन

अधिकार अधिनियम (FRA) के बारे में जानकारी देने के साथ मदद करने के लिए चलाया है। यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर प्रशांत बोकारे ने बताया कि शनिवार को मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति को नियुक्ति पत्र जारी किया गया। उन्होंने बताया कि यह रेग्युलर जॉब नहीं बल्कि कॉन्ट्रैक्ट वाली पोस्ट है। भूपति एकल प्रोग्राम के तहत तीन कोऑर्डिनेटर्स में से एक के तौर पर काम करेंगे। गोंडवाना यूनिवर्सिटी के मुताबिक, कोर्डिनेटर के नए रोल में भूपति को हर महीने 30,000 रुपये मिलेंगे और कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा। यह नियुक्ति तीन महीने की अवधि के लिए है। उनके कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ाने पर फैसला लेने से पहले उनके काम की समीक्षा की जाएगी। बता दें कि यह पहला मौका है जब किसी राज्य यूनिवर्सिटी ने सरेंडर करने वाले माओवादी को कोई काम सौंपा है।

कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर महंगा कीमतों में 11.50 रुपये तक बढ़ोतरी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में 19 किलो का सिलिंडर 2,747.50 रुपये हुआ, कोलकाता में सबसे ज्यादा 11.50 रुपये बढ़े; पटना में दाम 3,029 रुपये

महीने की शुरुआत के साथ ही कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। तेल विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम में 11.50 रुपये तक की वृद्धि की है। नए दाम 1 सितंबर 2026 से लागू हो गए हैं। कीमत बढ़ने से होटल, रेस्तरां, ढाबे और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की रसोई का खर्च बढ़ सकता है। तेल विपणन कंपनियां आमतौर पर हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलिंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। इसी प्रक्रिया के तहत सितंबर के लिए कमर्शियल गैस के नए दाम जारी किए गए हैं।

दिल्ली, मुंबई और चेन्नई में कितना हुआ दाम? : नए रेट के मुताबिक दिल्ली में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमत 2,738 रुपये से बढ़कर 2,747.50 रुपये हो गई है। मुंबई में इसकी कीमत 9.50 रुपये बढ़कर 2,701 रुपये प्रति सिलिंडर हो गई है। चेन्नई में कमर्शियल सिलिंडर का दाम 2,906 रुपये से बढ़कर 2,916.50 रुपये हो गया है। वहीं, कोलकाता में सबसे अधिक 11.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है और यहां कीमत 2,884 रुपये प्रति सिलिंडर हो गई है।

इन शहरों में भी बढ़े दाम : तिरुवनंतपुरम और बेंगलुरु में 19 किलो वाले सिलिंडर की कीमत में 10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। यहां अब कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर क्रमशः 2,784 रुपये और 2,831 रुपये में मिलेगा। भुवनेश्वर में कीमत 11 रुपये बढ़कर 2,919 रुपये, जबकि हैदराबाद में 11 रुपये की बढ़ोतरी के बाद 2,996 रुपये प्रति सिलिंडर हो गई है।

पटना में 3,000 रुपये के पार कीमत : कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की सबसे अधिक कीमत पटना में बनी हुई है। यहां 19 किलो वाले सिलिंडर का दाम 3,029 रुपये प्रति सिलिंडर है, जो 3,000 रुपये के स्तर को पार कर चुका है। कमर्शियल एलपीजी के दाम बढ़ने का सीधा असर उन कारोबारों पर पड़ सकता है, जहां खाना पकाने के लिए बड़े सिलिंडरों का नियमित इस्तेमाल होता है।

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो फ्लाइट का हवा में इंजन हुआ फेल, 14 हजार फीट पर मचा हड़कंप; पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

पणजी। गोवा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट में मंगलवार सुबह हवा में

अचानक इंजन फेल होने से हड़कंप मच गया। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विमान के एक इंजन में गंभीर तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) ने गोवा एयरपोर्ट पर तुरंत 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी। पायलटों की सूझबूझ से विमान को सुरक्षित वापस गोवा एयरपोर्ट पर लैंड करा लिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की उड़ान 6E 2102 ने सुबह 9:16 बजे दिल्ली के लिए गोवा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। एविएशन ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म 'Flightradar24' के डेटा के मुताबिक, जब विमान दक्षिण महाराष्ट्र के तटीय इलाके के ऊपर लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई पर था, तभी उसके एक इंजन में खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए एटीसी को आपातकालीन संदेश भेजा। एटीसी ने सुबह करीब 9:30 बजे फुल इमरजेंसी घोषित करते हुए विमान को प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग की अनुमति दी। पायलटों ने संयम बरतते हुए सुबह 9:51 बजे विमान को गोवा एयरपोर्ट के रनवे 28 पर सुरक्षित उतार लिया। इसके बाद सुबह 10:03 बजे एटीसी ने स्थिति पूरी तरह सामान्य होने पर फुल इमरजेंसी समाप्त की। विमान के बे नंबर 6 पर पार्क होने के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें एयरपोर्ट के बोर्डिंग लाउंज में ठहराया गया।

ठाणे सिविल ऑनलाइन ओडीपी 17माह में 4500 रुग्ण लाभांवित

मुंबई। बीमारी के दर्द के साथ-साथ हॉस्पिटल पहुँचने की जल्दी भी कई लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है; ऐसे समय में तकनीकी तंत्र का सहारा और मेडिकल सर्विस का इंसानी स्पर्श मरीज़ों के लिए राहत बन रहा है। ठाणे सिविल हॉस्पिटल की टेली-कंसल्टेशन सर्विस घर बैठे ऑनलाइन मेडिकल सलाह देती है, और अप्रैल 2025 से अब तक 4,500 मरीज़ इस सर्विस का फ़ायदा उठा चुके हैं। इस सर्विस के तहत, बुखार, उल्टी, जोड़ों का दर्द, ऑस्टियोआर्थराइटिस, सर्दी, सिरदर्द, चोट, एलर्जी, आँखों में जलन, जी मिचलाना, एसिडिटी, डायरिया, कब्ज़, पेट दर्द और कमज़ोरी जैसी कई आम बीमारियों पर ऑनलाइन मेडिकल सलाह दी गई। ठाणे जिला सिविल अस्पताल में सर्जन डॉ. कैलास पवार तथा अतिरिक्त जिला सिविल अस्पताल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े के मुताबिक, यह सेवा वरिष्ठ नागरिकों, दूर से आने वाले मरीज़ों और जिन्हें आने-जाने में दिक्कत होती है, उनके लिए फायदेमंद साबित हो रही है। 'कोई भी इलाज से वंचित न रहे' की भावना के साथ, डिजिटल माध्यम से उनके घरों तक मेडिकल सर्विस पहुंचाने की सिविल हॉस्पिटल की यह पहल सेहत देख -भाल में लोगों के लिए एक अहम कदम बन रही है। टेली-कंसल्टेशन समय, आने-जाने का खर्च और हॉस्पिटल में इंतज़ार की परेशानी को कम करने में मदद कर रहा है। एक्सपर्ट प्राइमरी शिकायतों पर गाइडेंस देते हैं, जिससे मरीज़ों को उनकी ज़रूरत के हिसाब से आगे के इलाज के लिए सही दिशा मिलती है।

अन्ना हजारे की तबीयत बिगड़ी बॉम्बे अस्पताल में भर्ती

मुंबई। वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के बॉम्बे अस्पताल के अतिदक्षता विभाग (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की विशेष टीम उनकी निगरानी कर रही है और उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। अन्ना हजारे का इलाज प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. गौतम भंसाली और उनकी टीम की निगरानी में किया जा रहा है। डॉक्टरों द्वारा उनकी विभिन्न चिकित्सकीय जांचें की जा रही हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे के उपचार की दिशा तय की जाएगी। पिछले कुछ दिनों से अन्ना हजारे अस्वस्थ चल रहे थे। उन्हें तेज खांसी, बुखार, कमजोरी और शरीर में पानी की कमी जैसी समस्याएं हो रही थीं। स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने और कमजोरी बढ़ने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल मुंबई ले जाने का निर्णय लिया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है, हालांकि कमजोरी के कारण उन्हें आईसीयू में विशेष निगरानी में रखा गया है। सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अन्ना हजारे की तबीयत खराब होने की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि अन्ना हजारे की हालत फिलहाल स्थिर है। उनके अनुसार, डिहाइड्रेशन और वायरल संक्रमण के चलते उनका उपचार किया जा रहा है। अन्ना हजारे देश के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं में गिने जाते हैं।

नवी मुंबई में खाद्य पदार्थों की समाप्ति तिथि में हेरफेर का भंडाफोड़, 75 लाख रुपये से अधिक का माल जब्त

एजेंसी। नवी मुंबई

मैगी, लेज, कुरकुरे समेत बड़ी मात्रा में पैकेटबंद खाद्य सामग्री बरामद; निर्माण और समाप्ति तिथि बदलकर दोबारा बिक्री का आरोप

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन और मुंबई अपराध शाखा पुलिस ने पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की निर्माण एवं समाप्ति तिथि में कथित रूप से हेरफेर करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। 24 से 29 अगस्त के बीच चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान अधिकारियों ने मैगी, लेज, कुरकुरे सहित 75.21 लाख रुपये से अधिक मूल्य के खाद्य उत्पाद जब्त किए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को पता चला कि पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर अंकित निर्माण तिथि और समाप्ति तिथि में बदलाव किया जा रहा था। आरोप है कि इस हेरफेर के जरिए खाद्य उत्पादों को उनकी निर्धारित उपयोग अवधि समाप्त होने के बाद भी बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा रहा था। अधिकारियों ने पाया कि खाद्य पदार्थों के पैकेट से सामग्री की सूची और पोषण संबंधी जानकारी वाले मूल लेबल हटाकर उनकी जगह नए स्टिकर चिपकाए जा रहे थे। इसके बाद उत्पादों को दोबारा पैक कर बिक्री के लिए तैयार किया जा रहा था। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार, कार्रवाई के दौरान 10 निर्यातक कंपनियों से जुड़े 8,442 कार्टन जब्त किए गए। इनकी कुल कीमत 75,21,269 रुपये बताई गई है। इसके अतिरिक्त करीब 30,600 रुपये मूल्य का बिना लेबल वाला स्टॉक और समाप्ति तिथि पार कर चुके खाद्य उत्पाद भी बरामद किए गए। जब्त खाद्य सामग्री में लेज और फन फ्लिप्स जैसे आलू के चिप्स, मैगी मसाला, कुरकुरे के विभिन्न स्वाद, आटा नूडल्स, खाने के लिए तैयार तथा पकाने के लिए तैयार खाद्य उत्पाद शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान मौके से स्याही छापने वाला मुद्रक, पतला करने वाला रसायन और विशेष रूप से तैयार किए गए स्टिकर भी बरामद किए गए। इन सामानों के मिलने से अधिकारियों को खाद्य उत्पादों की पैकेजिंग और तिथि में हेरफेर किए जाने के आरोपों को बल मिला है।

सीजीपीएससी घोटाला: ईडी का छत्तीसगढ़ में सात स्थानों पर छापा, भूपेश बघेल के पीए के ठिकाने भी शामिल

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) में कथित घोटाले से जुड़े मामले में

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज छत्तीसगढ़ में सात स्थानों पर पर छापा मारा है। ईडी के अनुसार, रायपुर जोन की टीम ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के तत्कालीन निजी सहायक (पीए) केके चंद्राकर के आवास पर भी तलाशी ली। इसके अलावा एजेंसी की टीमें राज्य में छह अन्य ठिकानों पर पहुंची हैं। कार्रवाई सीजीपीएससी में कथित अनियमितताओं और भर्ती प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच के तहत की जा रही है। ईडी की कार्रवाई का उद्देश्य मामले से जुड़े दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री को जुटाना तथा कथित अनियमितताओं से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच करना है। तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जा सकती है। मामले में ईडी की जांच जारी है।

नेपाल बाढ़ पीड़ितों के शवों की पहचान और सौंपने की प्रक्रिया के लिए भारतीय दूतावास ने जारी किया परामर्श

नई दिल्ली/काठमांडू। नेपाल में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बाद जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों और भारतीय पीड़ितों के शवों की पहचान और उन्हें परिजनों को सौंपने की प्रक्रियाओं को लेकर काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने एक विस्तृत परामर्श जारी किया है। भारतीय दूतावास की विज्ञप्ति में नेपाली अधिकारियों द्वारा निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों की पूरी जानकारी दी गई है। नेपाल सरकार के अनुसार विदेशी नागरिकों के शवों को सौंपने के लिए 9 चरणों का पालन अनिवार्य होगा। इनमें शव से संबंधित आवश्यक दस्तावेज, शव की रिकॉर्ड की गई तस्वीरें और विवरण, पोस्टमार्टम जांच, मौत के कारण का सत्यापन तक की कार्यवाही नेपाली अधिकारियों द्वारा पूरी की जाएगी। इसके अलावा अन्य पांच में औपचारिक रूप से पहचान स्थापित करना, फिंगरप्रिंट, डीएनए एवं फोरेंसिक नमूना संग्रह, मृतक का पासपोर्ट या आईडी सत्यापन, दूतावास व कांसुलर समन्वय पूरा करना और हैंडओवर रिलीज़ मेमो, रसीद पूरी करना, मृतक के परिजन को स्वयं करनी होगी। यदि मृतक के रिश्तेदार नेपाल पुलिस की आधिकारिक पोर्टल (udb. nepalpolice.gov.np) पर उपलब्ध तस्वीरों और विवरणों के माध्यम से पहचान कर लेते हैं, तो भारतीय दूतावास शवों को परिजनों को सौंपने और उन्हें स्वदेश भेजने में स्थानीय प्रशासन के साथ पूर्ण समन्वय करेगा।

आरआरपी डिफेंस भारत का इजरायली कंपनी से करार

एजेंसी। मुंबई

भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र को नई मजबूती देने की दिशा में आरआरपी डिफेंस लिमिटेड ने इजरायल की इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ऑब्जर्वेशन सिस्टम डेवलपर ईएससी बीएजेड के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत ईएससी बीएजेड की उन्नत 'डायमंड - यूनिक ऑब्जर्वेशन सिस्टम' को भारतीय बाजार में लाने और आगे भारत में इसके निर्माण की दिशा में काम किया जाएगा। आरआरपी डिफेंस लिमिटेड के प्रवक्ता ने बताया कि 'डायमंड' एक नेक्स्ट-जेनरेशन एआई संचालित इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सर्विलांस सिस्टम है। यह प्रणाली बेहद कम रोशनी और अंधेरे परिस्थितियों में भी स्पष्ट दृश्य उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन की गई है। इस तकनीक से हाई-रिजॉल्यूशन के साथ वाइड-एंगल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से संभावित खतरों और घुसपैठ की पहचान में मदद, अलग-अलग मौसम और रोशनी की परिस्थितियों में निगरानी के लिए उपयोग और सीमा सुरक्षा, सैन्य प्रतिष्ठानों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और निगरानी टावरों पर इस्तेमाल की संभावना है। वैश्विक मिलिट्री ईओ/आईआर सर्विलांस टेक्नोलॉजी बाजार का आकार 2025 तक करीब 11.1 अरब डॉलर आंका गया है। भारत में भी इस क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा प्रणालियों की मांग लगातार बढ़ रही है।

कंपनी का मानना है कि 'डायमंड' तकनीक उसके नए बिजनेस सेगमेंट के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और भविष्य में इसमें करीब 30 फीसदी राजस्व योगदान की संभावना है।

74.50 लाख मतदाताओं में 45.90 लाख सर्वे फॉर्म डिजिटाइज

एजेंसी। मुंबई

भारतीय चुनाव आयोग (इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया)और मुख्य चुनाव अधिकारी, महाराष्ट्र स्टेट के निर्देशों के मुताबिक, 1 अक्टूबर, 2026 की क्वालिफाइंग तारीख के आधार पर मतदाता सूची की विस्तृत समीक्षा (वोटर लिस्ट का स्पेशल इन-डेप्थ रिव्यू) (SIR) को लागू किया जा रहा है। इस मुहिम के तहत, चुनाव पंजीयन अधिकारी (ERO) लेवल पर उन वोटर्स के लिए सुनवाई और नोटिस फेज़ लागू किया जा रहा है जिनकी विस्तृत जानकारी पुराने डेटाबेस से मैच नहीं करती हैं। इस बारे में आज जिलाधिकारी और जिला चुनाव अधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में अलग-अलग राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की एक मीटिंग हुई। इन प्रतिनिधियों को कई निर्देश दिए गए। इस मौके पर उप जिला चुनाव अधिकारी वैशाली माने, तहसीलदार प्रदीप कुडाल समेत अलग-अलग राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। ठाणे जिले की 18 विधानसभा सीटों के कुल 74 लाख 50 हज़ार 515 वोटर्स में से 45 लाख 90 हज़ार 249 (61.61%) वोटर्स सर्वे फॉर्म (EFS) डिजिटाइज़ हो चुके हैं। बाकी 28 लाख 60 हज़ार 266 (38.39%) रिकॉर्ड में वे लोग शामिल हैं जो माइग्रेट कर चुके हैं (7.35 लाख), जिनकी मौत हो गई है (2.22 लाख) और जो अनअवेलेबल/अनट्रेसेबल हैं (17.08 लाख)। साथ ही, जिले के 6 हज़ार 894 पोलिंग स्टेशनों को स्ट्रीमलाइन करके 6 हज़ार 831 पोलिंग स्टेशन तय किए गए हैं। इस प्रोसेस में पॉलिटिकल पार्टियों के 17 हज़ार 670 बूथ लेवल एजेंट (BLA) भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि चुनाव पंजीयन अधिकारी (ERO) उन वोटर्स को ऑफिशियल हियरिंग नोटिस दे रहा है जिनकी एन्यूमरेशन फॉर्म में भरी गई जानकारी पिछली 2002 SIR वोटर लिस्ट में नहीं है या डेटाबेस से मैच नहीं करती है। नोटिस मिलने के बाद, वोटर्स को उम्र सीमा के हिसाब से ये सबूत जमा करने होंगे:01 जुलाई 1987 से पहले भारत में पैदा हुए नागरिक:सरकार द्वारा अप्रूव्ड लिस्ट में से कोई भी एक डॉक्यूमेंट जो उनकी जन्मतिथि और/या जन्मस्थान को साबित करे।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के आश्वासन पर सीजेपी ने वापस लिया 5 सितंबर का 'दिल्ली मार्च'

नई दिल्ली। काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 5 सितंबर के अपने प्रस्तावित प्रदर्शन को वापस लेने का फैसला लिया

है। आज काकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रदर्शन वापस लेने की घोषणा की। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अगर दोनों पक्ष तैयार हैं, तो किसी भी मामले का हल हो सकता है। केंद्र सरकार ने आज सुनवाई के दौरान विरोध प्रदर्शन करने वालों पर दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग की। सरकार की अर्जी पर सुनवाई के दौरान ही सौरव दास ने ये घोषणा की। उल्लेखनीय है कि सीजेपी ने दिल्ली में इंडिया गेट से जय सिंह मार्ग स्थित पुलिस मुख्यालय, जंतर-मंतर के पास तक मार्च निकालने का ऐलान किया था। इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने सभी प्रमुख स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। हालांकि पुलिस के मुताबिक सीजेपी के 5 सितंबर के प्रस्तावित मार्च के लिए अब तक पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी। पुलिस ने कहा था कि प्रदर्शन के संबंध में सीजेपी की ओर से अनुमति मांगने वाला कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

राष्ट्रपति से मिले भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की। भेंट के बाद नितिन नवीन ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु का सहज स्वभाव और राष्ट्र के प्रति उनका अटूट सेवाभाव सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का मार्गदर्शन देश और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। नितिन नवीन ने राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनसे मिलना उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी अनुभव रहा।

प्रेरणा उत्सव 2026 में अकाल अकादमी की छात्रा जैस्मीन कौर का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

वडनगर से विशेष प्रशिक्षण लेकर लौटी जैस्मीन का अकाल अकादमी स्टाफ व विद्यार्थियों ने किया भव्य स्वागत

तरुणमित्र
अमित मेहता ब्यूरो चीफ हरियाणा

अकाल अकादमी बड़ागुढ़ा की कक्षा 10 वीं की मेधावी छात्रा कुमारी जैस्मीन कौर घुक्कांवाली ने "प्रेरणा उत्सव 2026" के तहत राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर पूरे सिरसा जिले और हरियाणा का नाम रोशन किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा चयनित जैस्मीन गुजरात के वडनगर में 23 से 29 अगस्त तक आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेकर विद्यालय लौटी।वडनगर से लौटने पर अकाल अकादमी में उसके सम्मान में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्टाफ और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया, जैस्मीन को सम्मानित किया गया और मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई।प्रधानाचार्य परमजीत कौर ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए हर्ष और गर्व का विषय है। जैस्मीन ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और लगन से न केवल अकादमी बल्कि सिरसा जिले और हरियाणा का नाम रोशन किया है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध करवाने वाली ऐसी पहल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाती है और उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती है।उन्होंने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जनवरी 2026 में "प्रेरणा उत्सव" के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसकी जिम्मेदारी ज.न.वि. ओढ़ा को सौंपी गई थी। इसमें सिरसा के सरकारी व गैर-सरकारी स्कूलों के करीब 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विषय था - "मेरे सपनों का भारत 2047 में कैसा होगा"। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा सिरसा जिले से केवल दो विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन किया गया, जिनमें जैस्मीन भी शामिल रही।

इस मौके पर घुक्कांवाली से आए जैस्मीन के पिता लखवीर सिंह नंबरदार व माता सुखविंद्र कौर ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि आज गुणवत्तायुक्त शिक्षा पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि अच्छे समाज का निर्माण हो सके।जैस्मीन कौर ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वडनगर शिविर में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला और यह जीवन का यादगार अनुभव रहा। मेहनत, लगन और प्रतिभा से ही सफलता मिलती है।

बाबा रामदेव की पदयात्रा बनी एकता की मिसाल; मौरखा से रामदेवरा के लिए 23वीं पैदल यात्रा संघ रवाना

- बाबा जी के भजनों के साथ हुआ रवाना
- यात्रा की विशेष बात यह है; कि इसमें महिला एवं पुरुषों के साथ सर्व समाज के लोग आपसी भाईचारा और एकता के साथ शामिल हुए है

कर्मपालसिंह सवाली

पाली देसूरी। बाबा रामदेव जी के दर्शन के लिए मौरखा से 23वीं पैदल यात्रा संघ श्रद्धा और उत्साह के साथ रामदेवरा के लिए रवाना हुई। यात्रा में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं सहित करीब 50 लोग शामिल हैं। यात्रा संघ के अध्यक्ष पेमाराम चौधरी एवं प्रचार मंत्री चंदन चौधरी के नेतृत्व में श्रद्धालु रामदेवरा की ओर पैदल रवाना हुए। यात्रा में कार्यकर्ता रमेश चौधरी, घीसुलाल चौधरी, कीकाराम चौधरी, पकाराम चौधरी, भबुतलाल चौधरी, अमृतलाल चौधरी, जोधाराम चौधरी, संजय चौधरी, प्रवीण चौधरी, छेलसिंह चम्पावत, बाबुलाल सुथार, श्रवण सिंह, मोडाराम मेघवाल, दिनेश मेघवाल, जतनों देवी, शीतल कुमारी, ममता कुमारी, हंजा देवी, हुली देवी, दुर्गा कुमारी, ओटीबाई एवं सुगना कुमारी सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रा की विशेष बात यह है कि इसमें महिला एवं पुरुषों के साथ सभी जाति एवं समाज के लोग आपसी भाईचारे और एकता के साथ शामिल हुए हैं। श्रद्धालु बाबा रामदेव जी के जयकारों के साथ पैदल यात्रा कर रहे हैं। यात्रा को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव जी से क्षेत्र में सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की।

मौरखा से रामदेवरा 23 वीं पैदल यात्रा संघ हुई रवाना जिसमें अध्यक्ष पेमाराम चौधरी , प्रचारमंत्री चंदन चौधरी, कार्यकर्ता रमेश चौधरी , घीसुलाल चौधरी , कीकाराम चौधरी , पकाराम चौधरी , भबुतलाल चौधरी , अमृतलाल चौधरी, जोधाराम चौधरी , संजय चौधरी , प्रवीण चोधरी , छेलसिह चम्पावत , बाबुलाल सुथार , श्रवण सिंह ,मोडाराम मेघवाल , दिनेश मेघवाल , जतनों देवी , शितल कुमारी, ममता कुमारी, हंजा देवी , हुली देवी , दुर्गा कुमारी , ओटीबाई , सुगना कुमारी करीब 50 लोग शामिल है यात्रा में । जिसमें पुरुष महिला इसमें सर्व समाज के लोग शामिल होकर बाबा रामदेव जी की इस पदयात्रा बनी एकता की मिसाल

सिरसा मे लाखों रूपए की 28 किलो 100 ग्राम चूरा पोस्त के साथ राजस्थान के दो नशा तस्कर गिरफ्तार

अमित मेहता ब्यूरो चीफ हरियाणा

सिरसा। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए स्टाफ सिरसा पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए बाइक सवार राजस्थान के दो युवकों को लाखों रूपए की 28 किलो 100 ग्राम चूरा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सदर सिरसा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन के निर्देश पर नशा तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए सीआईए स्टाफ लगातार अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में सीआईए प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार की टीम के नेतृत्व में एसआई राधा कृष्ण अपनी टीम के साथ बरनाला रोड पर केसीएम रिसॉर्ट के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गांव पनिहारी की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर दोनों युवकों ने मोटरसाइकिल वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। शक होने पर पुलिस कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को मौके पर ही काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर उनके कब्जे से प्लास्टिक के कट्टे में 28 किलो 100 ग्राम चूरा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने नशे की खेप और मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमशेर सिंह पुत्र किशन सिंह निवासी सुरेवाला, थाना टिब्बी, राजस्थान और संदीप सिंह पुत्र पंजा सिंह निवासी सुरेवाला, थाना टिब्बी, राजस्थान के रूप में हुई है।सीआईए प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के दौरान नशे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे आगे किसे सप्लाई किया जाना था, इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की संभावना है। सिरसा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करी या किसी अन्य अपराध से संबंधित जानकारी तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। पुलिस का उद्देश्य सामूहिक प्रयासों से समाज को नशामुक्त और सुरक्षित बनाना है।

नशे के खिलाफ डबवाली पुलिस की कड़ा रूख

सीआईए स्टाफ डबवाली व चौकी देसूजोधा पुलिस ने अलग- अलग स्थानों पर दबिश देकर 03 नशा तस्कर किए काबू

अमित मेहता ब्यूरो चीफ हरियाणा

नशे के सौदागरों के खिलाफ डबवाली पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है । पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर आईपीएस के नेतृत्व में डबवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से युद्धस्तर पर कार्रवाई की जा रही है । इसी दौरान बीते दिवस 31 अगस्त को सीआईए डबवाली व चौकी देसूजोधा पुलिस टीम ने क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 03 नशा तस्करों को काबू कर उनके कब्जे से 06.480 ग्राम हेरोइन, 50 प्रतिबंधित व नशे में प्रयुक्त होने वाली 2,700 गोलियां व 1,200 कैप्सूल बरामद किए गए हैं । पुलिस प्रवक्ता उप निरीक्षक आनन्द कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए स्टाफ डबवाली प्रभारी उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार की टीम ने गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर गांव मुन्नावाली से एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को काबू किया । जो कोई नशीला पदार्थ होने के शक पर उक्त शख्स की नियमानुसार तलाशी ली गई । जो तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 50 गोलियां प्रतिबंधित बूप्रेनोरफिन, 2,700 नशे में प्रयुक्त होने वाली गोलियां टेम्पेन्टाडोल व 1,200 प्रेगाबलीन कैप्सूल बरामद हुए । जिस संबंध में बरामद गोलियों व मोटरसाइकिल को कब्जा पुलिस में लेकर काबू किए गए आरोपी रामकिशन के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना सदर डबवाली में अभियोग दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई है ।

इसी क्रम में चौकी देसूजोधा प्रभारी एएसआई जयवीर सिंह की टीम ने गांव देसूजोधा में गश्त पड़ताल एवं निगरानी अभियान के दौरान संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को काबू कर तलाशी ली । जो नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 06.480 ग्राम हेरोइन बरामद हुई । जो बरामद हेरोइन को कब्जा पुलिस में लेकर काबू किए गए आरोपी जगमेल सिंह के खिलाफ थाना शहर डबवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई । जो गहन छानबीन करते हुए उनकी टीम ने आरोपी जगमेल सिंह से की गई प्रारंभिक पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर इस मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू की । जो पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए इस मामले के मुख्य तस्कर आरोपी हमीद को भी काबू कर लिया। काबू किए गए आरोपियों को आज माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। डबवाली पुलिस की नशा विरोधी मुहिम पूरी मजबूती के साथ जारी है। नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में भी यह अभियान और अधिक प्रभावी ढंग से जारी रहेगा। समाज और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से ही नशा मुक्त वातावरण का निर्माण संभव है। आमजन नशा तस्करी संबंधी किसी भी सूचना को बिना संकोच पुलिस के साथ साझा करें, सूचना देने के लिए मानस पोर्टल, हेल्पलाइन न. 1933, डबवाली पुलिस के मो. न. 9138999748 या अपने नजदीकी थाना, चौकी में दें । सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

सब्जी मंडी ऐलनाबाद क्षेत्र में बाइक चोरी करने वाले दो दबोचे, पुलिस देख भागने की फिराक में

अमित मेहता ब्यूरो चीफ हरियाणा

सिरसा। जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एबीवीटी स्टाफ सिरसा ने बाइक चोरी की वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपियों को चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित काबू किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को आगामी कार्रवाई के लिए ऐलनाबाद थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है और अन्य चोरी की वारदातों में उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। एबीवीटी स्टाफ प्रभारी ने बताया कि गांव अमृतसर खुर्द निवासी बुधराम पुत्र नागर सिंह ने ऐलनाबाद थाना में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया कि वह 29 अगस्त की शाम सब्जी मंडी ऐलनाबाद में अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर किसी काम से चला गया था। अगले दिन सुबह वापस लौटकर देखा तो मोटरसाइकिल वहां से गायब थी। आसपास तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। शिकायत के आधार पर ऐलनाबाद थाना में चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।जांच के दौरान एबीवीटी स्टाफ की टीम ऐलनाबाद क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को सामने से बाइक पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस की गाड़ी को देखते ही दोनों युवकों ने बाइक वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को काबू कर लिया।पूछताछ में दोनों युवक बाइक के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और न ही बाइक के दस्तावेज व अपना ड्राइविंग लाइसेंस पेश कर सके। जांच में पता चला कि मोटरसाइकिल 29 अगस्त की रात सब्जी मंडी ऐलनाबाद से चोरी हुई थी।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चंद सिंह उर्फ चंदू पुत्र गुरमेल सिंह निवासी करीवाला तथा सुखदेव उर्फ सुखा पुत्र जग्गा राम निवासी धर्मपुरा के रूप में हुई है। दोनों को चोरीशुदा बाइक सहित पकड़कर ऐलनाबाद थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

श्रीगंगानगर नगर परिषद चुनावः भाजपा ने 65 वार्डों में प्रत्याशी घोषित किए, कांग्रेस और निर्दलीय पृष्ठभूमि के नेताओं को भी मिला मौका

तरुणमित्र
अमित मेहता ब्यूरो चीफ राजस्थान

भारतीय जनता पार्टी ने श्रीगंगानगर नगर परिषद चुनाव के लिए सभी 65 वार्डों में अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। भाजपा जिलाध्यक्ष और चुनाव समिति द्वारा जारी सूची में सामाजिक समीकरण, युवा चेहरे और अनुभवी कार्यकर्ताओं का संतुलन रखा गया है। खास बात यह है कि इस बार भाजपा ने कई ऐसे नेताओं को भी टिकट दिया है जो पहले कांग्रेस और निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ चुके हैं और हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं। पार्टी का दावा है कि इससे नगर परिषद में इस बार स्पष्ट बहुमत के साथ भाजपा बोर्ड बनाएगी। सूत्रों के अनुसार 65 वार्डों में से लगभग 15-20 टिकट नए चेहरों, महिला और युवा कार्यकर्ताओं को दिए गए हैं। सर्व समाज को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। पार्टी ने सभी 65 प्रत्याशियों से एकजुट होकर चुनाव लड़ने और शहर के विकास के मुद्दे पर जनता के बीच जाने का आह्वान किया है।

रायसिंहनगर में चुनावी घमासान तेजः 35 में से बीजेपी ने उतारे 33, कांग्रेस ने 24 उम्मीदवार मैदान में, दोनों विधायकों ने रिटर्निंग अधिकारी को सौंपी सिंबल लिस्ट

अमित मेहता ब्यूरो चीफ राजस्थान

नगरपालिका चुनाव को लेकर रायसिंहनगर में सियासी पारा चढ़ गया है। 35 वार्डों वाले इस नगरपालिका चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा ने 35 में से 33 वार्डों में अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, जबकि कांग्रेस ने 24 वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारे हैं। दोनों पार्टियों की ओर से विधायकों ने आज रिटर्निंग अधिकारी को अधिकृत सिंबल की सूची सौंप दी है, जिसके बाद अब चुनावी मुकाबला पूरी तरह से साफ हो गया है। भाजपा की ओर से स्थानीय विधायक और पार्टी पदाधिकारियों की मौजूदगी में अधिकृत सूची रिटर्निंग अधिकारी को दी गई। भाजपा ने इस बार सभी वर्गों को साधते हुए युवाओं और महिलाओं को भी बड़ी संख्या में टिकट दिया है। 2 वार्डों में भाजपा ने फ्रेंडली फाइट या निर्दलीय समर्थन की रणनीति अपनाई है। वहीं कांग्रेस खेमे में भी हलचल तेज है। कांग्रेस विधायक द्वारा 24 वार्डों की अधिकृत सूची रिटर्निंग अधिकारी को सौंपी गई है। कांग्रेस ने भी अनुभवी और नए चेहरों का मिश्रण उतारा है। बताया जा रहा है कि बाकी वार्डों में कांग्रेस समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में रहेंगे। सुबह से ही रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ लगी रही। सिंबल लिस्ट जमा करने के दौरान भाजपा और कांग्रेस दोनों ही खेमों में जोश देखने को मिला। दोनों पार्टियों के विधायकों ने दावा किया है कि नगरपालिका बोर्ड इस बार उन्हीं का बनेगा। 35 वार्डों के इस चुनाव में अब तस्वीर लगभग साफ हो गई है। भाजपा 33 वार्डों में सिम्बल पर लड़ेगी तो कांग्रेस 24 वार्डों में पंजे के निशान पर। कई वार्डों में बागी और निर्दलीय प्रत्याशी भी मुकाबले को रोचक बनाएंगे। राजनीतिक जानकारों के अनुसार इस बार रायसिंहनगर नगरपालिका चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

आदिवासियों का पारंपरिक लोक नृत्य गवरी का खेल प्रारम्भ

आदिदेव महादेव का मंचन होता है गवरी नृत्य में फिर भील हिन्दू नहीं है तो फिर क्या है यह एक विचारणीय बिन्दु।

कर्मपालसिंह सवाली/ ब्यूरो चीफ
किशन पालीवाल

राजसमन्द। राजस्थान भील समाज विकास समिति जिला शाखा राजसमन्द के प्रदेश मीडिया प्रभारी गुलाबचंद भील ने बताया कि राजस्थान राज्य का लोक प्रसिद्ध नृत्य गवरी हैं इसके अलावा भवाई नृत्य,घूमर नृत्य,कच्ची घोड़ी नृत्य , कालबेलिया नृत्य, कठपुतली नृत्य, तेराताली जैसे कई और नृत्य होते हुए भी ये गवरी नृत्य अन्य नृत्यों से भी विशेष प्रसिद्ध माना जाता है क्योंकि इसमें माता गौरी ओर भगवान शंकर का प्रमुख नृत्य होता है। वो भी एक ही जाति भील जाति के द्वारा ही इसका मंचन किया जाता हैं किसी अन्य विशेष जाति के द्वारा नहीं किया जाता हैं और अन्य दूसरे नृत्य तो रात को होता है पर ये एक मात्र गवरी नृत्य ही ऐसा है जो दिन में होता है वो भी गाँव के मुख्य चौराहा के किसी धार्मिक स्थल माता जी मन्दिर , शिव मन्दिर जैसे पवित्र स्थल पर होता है अन्य खेल कहीं पर हो सकता है। इसका प्रमुख कारण इस नृत्य की एक निश्चित समयावधि निश्चित होती है। और वो होती है साल के एक मात्र महीना भाद्रपद महीने में ही होता है। उसी महीने में ये गवरी नृत्य का आयोजन होता है । जो भगवान शिव पार्वती को समर्पित होता है। इस नृत्य के नियम कायदे कानून भी अजीब होते हैं । जो भील समाज के प्रत्येक गवरी नृत्य करने वाले कलाकारों के साथ साथ उनके परिवार के सदस्यों को भी मानना परम आवश्यक होता है। जैसे एक महीने तक स्नान न करना,हरी सब्जियां का सेवन न करना, पांवों में जूते नहीं पहनना, रात्रि विश्राम किसी धार्मिक स्थल पर करना,अपने घर पर नहीं जाना, स्त्री सहवास न करना, शराब सेवन न करना, शुद्ध शाकाहारी रहने, एक माह तक एक समय का ही खाना खाना अर्थात उपवास रखा जाता है। इस तरह की भक्ति भाव से खेला जाने वाला एक मात्र खेल गवरी नृत्य ही होता है। अन्य खेलों में ऐसा कोई भक्तिभाव, नियम कायदे कानून नही होता है।इस गवरी नृत्य में शिव जी द्वारा भस्मासूर वध, माता पीपलाज द्वारा धरती पर प्रकट हो कर राजा को श्राप मुक्त करना (जो आज खमनौर के उनवास में माता पीपलाज का मन्दिर आज भी मौजूद है) महाराणा प्रताप का चित्तौड़ किले को फतह करने हेतू माता जलदेवी सांसेरा रेलमगरा में भी बादशाह अकबर की मूंछें , बेगम का चोटला मां कालिका द्वारा काटने का प्रसंग , राधा कृष्ण का प्रसंग, जैसे कई भक्तिभाव वाले नाट्य प्रसंग कई सदियों से करते आए जाने के कारण भील समाज आदिदेव महादेव की सन्तान मानी जाती है और मानी जाती रहेगी। सदियों से सभी देवी देवताओं की पूजा अर्चना करने से ही प्रतीत होता है कि आदिवासी भील समाज आदिवासी होने के साथ साथ हिन्दू भी है और सनातन धर्म संस्कृति के परिचायक भी है। इन्हे आजकल गुमराह करके अपनी मूल संस्कृति से भटकाने की कोशिश की जा रही है जो सरासर ग़लत है इनका शुरु से ही अभिवादन जयराम की सा, राम राम सा, जय गुरूदेव की सा, जय माता दी सा जैसे अभिवादन शुरू से ही करते आ रहे है । पर आजकल भील समाज को तोड़ने की साजिश रची जा रही है जिसमें उन्हें भील से नकली मीणा बनाना, भील जाति हिन्दू नहीं है, भील समाज की महिला मांग मे सिन्दूर नहीं भरे ,मंगल सूत्र नहीं पहने तथा झारखंड की भाषा का संबोधन करने को जबरदस्ती थोपा जा रहा है। जो सरासर ग़लत है जो भील समाज इसे बर्दास्त नहीं करेगा। गवरी नृत्य द्वारा अनेक देवी देवताओं की पूजा अर्चना, कठोर नियम कायदे कानून से भी वास्तविकता प्रतीत होती है कि वास्तव में भील शुद्ध हिन्दू संस्कृति का परिचायक हैं। इतिहास गवाह है कि भील जाति हिन्दू संस्कृति का पूर्ण हिस्सा है ।

सिरोही भाजपा जिला प्रमुख अर्जुन राजपुरोहित के 5 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर स्नेह मिलन एवं प्रीतिभोज 2 सितंबर को

कर्मपालसिंह सवाली

सिरोही। भारतीय जनता पार्टी के सिरोही जिला प्रमुख अर्जुन राजपुरोहित के पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्नेह मिलन एवं प्रीतिभोज कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम 2 सितंबर 2026, बुधवार को श्री अमर टेकरी, हनुमानजी मंदिर, हालीवाड़ा में आयोजित होगा। कार्यक्रम का समय सुबह 10 बजे से आगंतुकों के आगमन तक रखा गया है। आयोजकों की ओर से भाजपा के सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसकी शोभा बढ़ाने का आग्रह किया गया है। आमंत्रण में कहा गया है कि यह अवसर आपसी स्नेह, आत्मीयता एवं संगठनात्मक एकजुटता को और मजबूत करने का माध्यम बनेगा। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी, सिरोही के सौजन्य से किया जा रहा है।

एक्सपायरी डेट मिटाकर बाजार में परोस रहे थे धीमा जहर

- नवी मुंबई में एफडीए और क्राइम ब्रांच का बड़ा भंडाफोड़, 75 लाख का माल जब्त

तरुणमित्र/ब्यूरों

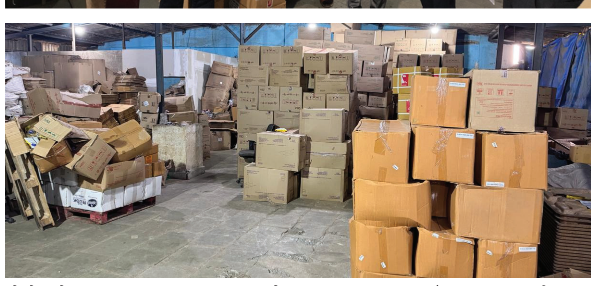

नवी मुंबई। आम जनता की सेहत और जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले एक बेहद खतरनाक गोरखधंधे का पर्दाफाश करते हुए अन्न एवं औषधि प्रशासन और नवी मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने तुर्भे एमआईडीसी स्थित साधना एंटरप्राइजेस के गोदाम पर बड़ी छापेमारी की है. इस गोदाम से करीब 4 हजार 942 कार्टन माल जब्त किया गया है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 75 लाख 21 हजार 269 रुपये है. मामले में साधना एंटरप्राइजेस के संचालक जयप्रकाश सिंह सहित उसके दो साझेदारों और 11 निर्यातक कंपनियों समेत कुल 13 आरोपियों के खिलाफ तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई गई है, साथ ही एफडीए ने संबंधित स्टोरेज का लाइसेंस भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

डमी ग्राहक भेजकर बिछाया जाल, रंगेहाथ पकड़े गए गोरखधंधे के सूत्रधार : क्राइम ब्रांच के एसीपी भाऊसाहेब ढोले ने बताया कि पुलिस को गोपनीय जानकारी मिली थी कि तुर्भे एमआईडीसी के सी-449 स्थित साधना एंटरप्राइजेस के किराए के गोदाम में खाद्य पदार्थों की पुरानी एक्सपायरी डेट को मिटाकर नई तारीखें छापने का गैरकानूनी काम चल रहा है. सूचना की पुष्टि करने के लिए पुलिस टीम ने पहले डमी ग्राहक भेजकर मामले की पड़ताल की. पुष्टि होते ही एफडीए अधिकारियों के साथ मिलकर सुनियोजित ढंग से गोदाम पर छापा मारा गया, जहाँ मजदूर खुलेआम थिनर लगाकर पैकेट्स से पुरानी एक्सपायरी मिटा रहे थे और मशीनों के जरिए नई तारीखें डाल रहे थे. गोदाम में करीब ढाई करोड़ रुपये का कुल माल मौजूद था, जिसमें से हेरफेर किए गए 75 लाख 21 हजार रुपये के संदिग्ध माल को अधिकारियों ने सीज किया।

केमिकल से तारीखें मिटाकर लेजर मशीनों से छापी जा रही थी फर्जी एक्सपायरी : छापेमारी के दौरान सामने आया कि आरोपी थिनर और एसीटोन जैसे केमिकल्स की मदद से खाद्य पदार्थों के पैकेट्स पर छपी मूल उत्पादन तिथि (मैन्युफैक्चरिंग डेट) और एक्सपायरी डेट को साफ कर देते थे. इसके बाद आधुनिक लेजर इंकजेट प्रिंटिंग मशीन के जरिए उन पर नई तारीखें प्रिंट कर दी जाती थीं. चौंकाने वाली बात यह रही कि सितंबर माह में चल रही इस हेराफेरी के दौरान पैकेट्स पर आने वाले महीने यानी अक्टूबर की निर्माण तिथि तक प्रिंट की जा रही थी. गोदाम से आलू चिप्स, कॉर्न स्नैक्स, कुरकुरे, मैगी नूडल्स, टैंग, रेडी-टू-ईट पनीर टिक्का, दम आलू, दाल मखनी, पनीर भुर्जी, मेयोनीज और कोल्ड ड्रिंक्स सहित विभिन्न ब्रांड्स के उत्पाद बरामद किए गए।

सघन छानबीन और 114 सैंपल जब्त, पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी टीमें : एफडीए ठाणे डिवीजन के जॉइंट कमिश्नर सचिन जाधव ने बताया कि अधिकारियों की टीम ने लगातार छह दिनों तक दिन-रात करीब 200 मैन-अवर्स मेहनत करके अस्त-व्यस्त पड़े पूरे स्टॉक की छंटनी और पंचनामा पूरा किया. एफडीए ने मौके से 114 विभिन्न खाद्य उत्पादों और तारीखें मिटाने में प्रयुक्त थिनर केमिकल के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि फूड सेफ्टी कमिश्नर तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में 'सेफ फूड, सेफ ड्रग और सेफ महाराष्ट्र' अभियान के तहत यह सख्त कार्रवाई की गई है. पुलिस और एफडीए अब इस पूरे नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पड़ताल कर रहे हैं ताकि यह पता चल सके कि यह एक्सपायरी माल किन अधिकृत एजेंसियों से आया था और इसे घरेलू बाजार में खपाया जाना था या विदेशों में निर्यात किया जाना था।

ठाणे में एसआईआर को लेकर कांग्रेस का गंभीर आरोप, 24 लाख मतदाताओं के नाम हटाने का दावा

- पत्नी और नायब तहसीलदार की 80 वर्षीय मां का नाम भी मतदाता सूची से गायब
- नाम बहाल नहीं हुए तो जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर आमरण अनशन की चेतावनी

तरुणमित्र युसुफ पुरी

ठाणे : चुनाव आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर ठाणे में कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के पूर्व ठाणे जिला अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण ने दावा किया है कि ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में करीब 24 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर अभियान को पारदर्शी तरीके से लागू नहीं किया गया और कई स्थानों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने घर-घर जाकर सत्यापन करने के बजाय घर बैठे ही सर्वेक्षण पूरा कर दिया। सोमवार को आयोजित पत्रकार परिषद में विक्रांत चव्हाण ने कहा कि ओवला-माजीवाडा विधानसभा क्षेत्र में करीब साढ़े तीन लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जबकि कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से गायब हैं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल ने एसआईआर अभियान को 80 प्रतिशत सफल बताया है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। चव्हाण ने इसे 80 प्रतिशत विफल अभियान करार दिया।

चव्हाण ने अपने आरोप को मजबूती देने के लिए दो उदाहरण भी सामने रखे। उनके मुताबिक, ठाणे के निवासी नायब तहसीलदार दिनेश पैठणकर की 80 वर्षीय मां वत्सला बाबूलाल पैठणकर ने आवेदन भरने के बावजूद उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची से हटा दिया गया। इसी तरह चव्हाण की पत्नी अरुणा विक्रांत चव्हाण, जिनका नाम कई दशकों से मतदाता सूची में था, उनका नाम भी एसआईआर प्रक्रिया के बाद सूची से गायब होने का उन्होंने दावा किया। विक्रांत चव्हाण ने कहा कि यदि प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों के नाम ही इस तरह हटाए जा सकते हैं, तो आम मतदाताओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता होने का आरोप लगाते हुए चुनाव विभाग और जिला प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की। चव्हाण ने मांग की कि एसआईआर के दौरान हटाए गए सभी पात्र मतदाताओं के नाम तत्काल बहाल किए जाएं तथा पूरी प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मतदाताओं के नाम पूर्ववत नहीं किए गए तो जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर आमरण अनशन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ठाणे में एसआईआर अभियान को दोबारा चलाने की मांग भी की।

बेहतर मांग और सीमित व बिकवाली से गेहूं के भाव और मजबूत, निर्यात नीति में ढील से बाजार को सहारा: सुरेशभाई ठक्कर

तरुणमित्र, ब्यूरो

ठाणे। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट के उपाध्यक्ष एवं ठाणे जिला होलसेल व्यापारी वेलफेयर महासंघ के अध्यक्ष सुरेश भाई ठक्कर ने बताया कि मंडियों में सोमवार को गेहूं के भाव मजबूत रहे और कीमतों में 5–30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खरीदारी में सुधार के बीच विक्रेता निचले स्तरों पर स्टॉक बेचने से हिचक रहे हैं।गेहूं और गेहूं उत्पादों के निर्यात नियमों में सरकार द्वारा ढील दिए जाने से बाजार धारणा को अतिरिक्त मजबूती मिली।दिल्ली में गेहूं के भाव 5 रुपये बढ़कर 2,895– 2,900 रुपये प्रति क्विंटल हो गए। दक्षिण भारत की मंडियों में कीमतों में करीब 20 रुपये की बढ़ोतरी हुई और भाव 3,020–3,030 रुपये प्रति क्विंटल रहे। निर्यात मांग बढ़ने की उम्मीद से कोलकाता में भाव 30 रुपये बढ़कर करीब 2,890 रुपये प्रति क्विंटल हो गए। सरकार द्वारा गेहूं और गेहूं उत्पादों के निर्यात की तत्काल प्रभाव से अनुमति दिए जाने के बाद बाजार धारणा को महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। इस नीतिगत बदलाव से खासकर पड़ोसी बांग्लादेश से निर्यात मांग बढ़ने की उम्मीद है और इसे घरेलू गेहूं बाजार के लिए सकारात्मक माना जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी अधिसूचनाओं के अनुसार, गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों, जिसमें आटा, मैदा और सूजी शामिल हैं, को तत्काल प्रभाव से 'प्रतिबंधित' श्रेणी से हटाकर 'मुक्त' श्रेणी में डाल दिया गया है। इससे पहले सरकार ने फरवरी में निर्धारित शर्तों के तहत सीमित मात्रा में गेहूं निर्यात की अनुमति दी थी। संशोधित नीति से निर्यात अनुमति से जुड़ी पाबंदियां कम होने के कारण निर्यात प्रक्रिया आसान होने की उम्मीद है। इससे निर्यातकों को गेहूं और गेहूं उत्पादों की खेप अधिक स्वतंत्रता से भेजने में मदद मिल सकती है और क्षेत्रीय बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बेहतर हो सकती है। नीति घोषणा के बाद बांग्लादेश से गेहूं के नए निर्यात पूछताछ सामने आए हैं। यदि ये पूछताछ वास्तविक निर्यात सौदों में बदलती हैं, तो आने वाले सप्ताहों में मजबूत निर्यात मांग घरेलू गेहूं कीमतों को अतिरिक्त समर्थन दे सकती है। मौसम भी बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण सहायक कारक बन रहा है। भारत में मानसून का प्रदर्शन करीब दो दशकों के सबसे कमजोर स्तरों में रहने की संभावना है और मौसमी बारिश दीर्घकालिक औसत से करीब 15 प्रतिशत कम रहने का अनुमान है। यदि यह अनुमान सही रहता है, तो 2026 में 2009 के बाद सबसे कमजोर मानसून दर्ज हो सकता है। हालांकि, कम बारिश का तत्काल असर मुख्य रूप से खरीफ फसलों पर पड़ रहा है, लेकिन सितंबर में भी बारिश कमजोर रहने पर रबी फसलों की बुवाई से पहले मिट्टी में नमी की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। इससे गेहूं और सरसों समेत रबी फसलों की बुवाई तथा शुरुआती विकास पर असर पड़ने की आशंका है। इसलिए आने वाले सप्ताहों में बारिश की स्थिति बाजार के लिए महत्वपूर्ण बनी रहेगी। इस बीच, घरेलू खरीदार मौजूदा भावों पर अधिक सक्रिय हुए हैं, जबकि विक्रेता निचले स्तरों पर स्टॉक निकालने से बच रहे हैं। बेहतर निर्यात संभावनाओं, मौसम संबंधी अनिश्चितता, घरेलू खरीदारी में सुधार और सीमित बिकवाली ने मिलकर बाजार को मजबूती दी है। बाजार आउटलुकः निकट अवधि में गेहूं के भाव मजबूत से तेजी के रुख में रहने की संभावना है। यदि बांग्लादेश से निर्यात मांग गति पकड़ती है और बिकवाली सीमित बनी रहती है, तो आने वाले सत्रों में कीमतों में और तेजी आ सकती है तथा भाव नए ऊपरी स्तरों का परीक्षण कर सकते हैं।

रक्षाबंधन समारोह में 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महा अभियान का ग्रैंड फिनाले संपन्न

तरुणमित्र, ब्यूरो

उल्हासनगर। रक्षाबंधन के पर्व के निमित्त प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से उल्हासनगर स्थित शिवदर्शन धाम, हेमराज डेयरी के सामने भव्य रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का मुख्य विषय "रिश्तों की रक्षा का उत्सव" रहा। इस अवसर पर दादी प्रकाशमणिजी के 19वें स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए "10 करोड़ नशा-मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान" का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया गया। उपस्थित नागरिकों ने दादी प्रकाशमणिजी को समर्पित नशामुक्ति प्रतिज्ञा लेकर समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विधायक कुमार आयलानी, महापौर अश्विनी निकम, उद्योगपती महेश आग्रवाल ,उद्धव रूपचंदानी सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। मान्यवरों ने रक्षाबंधन के सामाजिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए नशामुक्त समाज निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने संदेश दिया कि राखी केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज को बुराइयों से बचाने और एक-दूसरे की रक्षा करने का संकल्प भी है। नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर स्वस्थ, संस्कारी एवं सकारात्मक जीवन जीने का आह्वान इस अभियान के माध्यम से किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता करते हुए नशामुक्त जीवन जीने तथा अपने परिवार और समाज को नशे से बचाने का संकल्प लिया। 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के माध्यम से समाज में जागरूकता निर्माण और युवाओं को नशे से दूर रखने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा किया गया। समारोह का समापन दादी प्रकाशमणिजी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए प्रेम, भाईचारा, सद्भावना और नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प लेने के साथ हुआ।

बोगस आदिवासी प्रमाणपत्र मामले में सुलेखा चव्हाण को अयोग्य घोषित करने की मांग

लकी जाधव के नेतृत्व में आदिवासी समाज का ठाणे महानगरपालिका मुख्यालय पर मोर्चा

तरुणमित्र युसुफ पुरी

ठाणे : अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीट से निर्वाचित नगरसेविका सुलेखा चव्हाण का नगरसेवक पद रद्द कर उन्हें अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर आदिवासी नेता लकी जाधव के नेतृत्व में आदिवासी समाज के लोगों ने ठाणे महानगर पालिका मुख्यालय पर मोर्चा निकाला। आंदोलनकारियों का आरोप है कि सुलेखा चव्हाण द्वारा प्रस्तुत किया गया आदिवासी जाति प्रमाणपत्र अवैध पाया गया है। इसी आधार पर उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करते हुए चव्हाण को नगरसेवक पद से अयोग्य घोषित करने की मांग की।

मोर्चे के दौरान प्रदर्शनकारियों ने "बोगस आदिवासियों को हटाओ, असली आदिवासियों को न्याय दो" जैसे नारे लगाते हुए प्रशासन का ध्यान इस मामले की ओर आकर्षित किया। लकी जाधव ने मांग की कि जाति प्रमाणपत्र से जुड़े इस मामले में ठाणे महानगर पालिका और जिला प्रशासन को बिना किसी देरी के उचित निर्णय लेना चाहिए। आंदोलनकारियों का कहना है कि आरक्षित सीटों पर वास्तविक आदिवासी समाज के लोगों का अधिकार सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। वहीं, जाति प्रमाणपत्र जांच समिति के निर्णय के बाद अब सुलेखा चव्हाण के नगरसेवक पद को लेकर आगे की प्रशासनिक कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं। जाति प्रमाणपत्र के मुद्दे को लेकर ठाणे में एक बार फिर राजनीतिक माहौल गरमा गया है और आदिवासी संगठनों ने आंदोलन को और तेज करने के संकेत दिए हैं।

नवी मुंबई एसीबी का बड़ा एक्शन

रिक्शा परमिट ट्रांसफर के नाम पर रिश्वत लेते खारघर का आरटीओ एजेंट गिरफ्तार

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। एसीबी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए खारघर क्षेत्र में सक्रिय एक निजी आरटीओ एजेंट को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ धर दबोचा. आरोपी की पहचान न्यू पनवेल निवासी 62 वर्षीय विलास गणपती सनगर के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता को अपने ऑटो रिक्शा का परमिट ट्रांसफर करवाना था. इस काम को कराने की एवज में एजेंट विलास सनगर ने आरटीओ के सरकारी अधिकारियों के नाम पर शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी. शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने के बजाय तुरंत इसकी शिकायत नवी मुंबई एसीबी यूनिट से कर दी.

मामले की पुष्टि होने के बाद एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से मंगलवार को जाल बिछाया. जैसे ही आरोपी एजेंट ने शिकायतकर्ता से साढ़े 4 हजार रुपये की रिश्वत की रकम अपने हाथ में ली, घात लगाकर बैठी एसीबी टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया. एसीबी ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से आरटीओ कार्यालय के आसपास सक्रिय बिचौलियों में हड़कंप मच गया है।

रिंग मेट्रो के विरोध में ठाणे में लगे पोस्टर, पर्यावरण और विस्थापन पर उठाए सवाल

'गेम-चेंजर या सफेद हाथी?' से लेकर 'पहले मेट्रो-4 पूरा करो' तक, नागरिकों में जनजागरूकता अभियान तेज

तरुणमित्र सारा पुरी

ठाणे : शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रस्तावित वर्तुळाकार (रिंग) मेट्रो परियोजना को लेकर विरोध तेज होता जा रहा है। 'सिटिझन्स फॉर सस्टेनेबल ट्रान्सपोर्ट ठाणे' संस्था की ओर से शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर रिंग मेट्रो के विरोध में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों के जरिए परियोजना की उपयोगिता, पर्यावरणीय प्रभाव, भारी खर्च और नागरिकों के संभावित विस्थापन जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। पोस्टरों पर 'वर्तुलाकार मेट्रो, गेम-चेंजर या सफेद हाथी?', 'पहले पूरा करो मेट्रो-4, फिर करो रिंग रेल का विचार', 'किसलिए हो रही रिंग

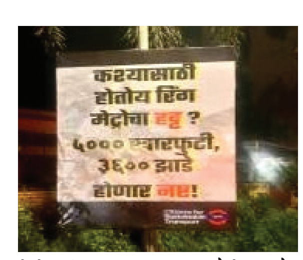

मेट्रो की जिद, 5 हजार मैंग्रोव और 3 हजार 600 पेड़ हो रहे नष्ट' तथा 'रिंग मेट्रो परियोजना होगी बेकार, सुनिए ठाणेकरों की शिकायत' जैसे सवाल और संदेश लिखे गए हैं। इनके माध्यम से संस्था ने परियोजना की आवश्यकता और उससे होने वाले पर्यावरणीय नुकसान पर नागरिकों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है। ठाणे शहर के आंतरिक मार्गों पर बढ़ती यातायात भीड़ को कम करने के उद्देश्य से रिंग मेट्रो परियोजना की योजना बनाई गई है और परियोजना का काम भी शुरू हो चुका है। हालांकि, परियोजना को लेकर सामाजिक संस्थाओं और कुछ नागरिकों की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पिछले दो दिनों से शहर के अलग-अलग हिस्सों में विरोधी पोस्टर लगाए जा रहे हैं। मुलुंड चेकनाका, उपवन, शिवाईनगर, हिरानंदानी मीडोज, वसंत विहार चौक, डॉ. काशीनाथ घाणेकर चौक, खेवरा चौक, ब्रह्मांड, ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर, तीन हाथ नाका, हिरानंदानी इस्टेट और वागले आगार सहित कई स्थानों पर लगाए गए पोस्टर नागरिकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

ठाणेकरों में जनजागरूकता का प्रयास : संस्था के अनुसार, रिंग मेट्रो परियोजना के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को लेकर ठाणेकरों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से यह पोस्टर अभियान चलाया गया है। संस्था ने इसे रिंग मेट्रो के खिलाफ चल रहे व्यापक आंदोलन का हिस्सा बताया है।

श्री राम चरित मानस मास परायण के 30वें वर्ष का विश्रांति समारोह संपन्न

तरुणमित्र, ब्यूरो

ठाणे। सांस्कृतिक विकास मंच के संस्थापक एवं पूर्व भाजपा नगरसेवक स्व. श्री दीना नाथ दुबे की छत्रछाया एवं प्रेरणा से संस्था के अध्यक्ष श्रीकांत दुबे के मार्गदर्शन में इस वर्ष श्रावण मास में चलने वाले श्रीरामचरित मानस मास पारायण के 30वें वर्ष का विश्रांति समारोह पावन यज्ञीय वातावरण" में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे भक्तों और अतिथियों को रामायण ग्रंथ, सुंदरकाण्ड, आरती संग्रह, हनुमान चालीसा और रामनामी शाल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न विद्यालयों

के उच्चांक प्राप्त विद्यार्थियो को ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवक एवं उद्योगपति पंकज मिश्र,भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश उत्तर भारतीय मोर्चा प्रभारी आर डी यादव, डॉ ओ. के. मिश्र (प्रबंधक मेट्रो हॉस्पिटल मानपाड़ा ठाणे), डॉ. प्रदीप त्रिपाठी (सर्जन एवं प्रबंधक-साईं, टाईटन एंव टाइटैनेक्स हॉस्पिटल ठाणे), विक्रम भोईर (महासचिव भाजपा ठाणे जिला), डॉ. अशोक तिवारी (अध्यक्ष : डॉक्टर फेडरेशन ठाणे), योगेश जानकर (नगरसेवक), अमित सरैया (नगरसेवक), सौ. अनीता दयाशंकर यादव (नगरसेविका - ठामपा एवं महासचिव भाजपा भांडुप), इसी तरह अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवक के. पी. मिश्रा, के. आर. सिंह (उपाध्यक्ष भाजपा महाराष्ट्र उत्तर भारतीय मोर्चा), विजय सिंह (कोषाध्यक्ष : भाजपा महाराष्ट्र उत्तर भारतीय मोर्चा), दयाशंकर यादव (मा. अध्यक्ष भाजपा इंदिरानगर मंडल), सुरेंद्र पाण्डेय, सुरेंद्र चौबे, वशिष्ठ नारायण मिश्र,कमलेश मिश्र, संतोष मिश्रा,सौ. रीना सिंह, सौ. पूजा दूबे सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, अधिकारी एवं भक्त गण मौजूद रहे। पूरे श्रावण मास तक चलने वाले इस अनुष्ठान को सफल बनाने में श्रीकांत दूबे (अध्यक्ष सांस्कृतिक विकास मंच, व सदस्य :भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश, मा.प्रवक्ता : भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश उत्तर भारतीय मोर्चा), मनोज पाण्डेय (महासचिव), दारासिंग नेगी (महासचिव), फूलचंद जयसवाल (कोषाध्यक्ष), प्रकाश (मुन्नू) तिवारी, नवीन कुमार शर्मा, शशिकांत (रिंकू) दूबे, दिनेश पाण्डेय, चन्द्रनाथ दूबे, विजय कुमार दूबे, अखिलेश सिंह, मनोज विश्वकर्मा, राकेश मिश्र, चंद प्रकाश उपाध्याय, शैलेश उपाध्याय, ब्रिजेश जयसवाल, इंद्रमणी ठाकुर, अजय मिश्र, अनिल मिश्र, बिहारीलाल उपाध्याय, रामसेवक पाण्डेय, सुभाष शर्मा, रमेश चतुर्वेदी, सतीष सिंह, अरबिंद पाण्डेय, अशोक पाण्डेय, खुशी गुप्ता, रमाशंकर उपाध्याय, गंगा प्रसाद यादव, सुभाष तिवारी, सुबोध पाण्डेय, रामबीर कटारिया, योगेश दूबे, हरिराम गुप्ता, रंजीत यादव, ने अथक प्रयास किया। पं. ओमप्रकाश उपाध्याय (पुरोहित), पं. आलोक तिवारी (आचार्य),पं. ओमकार तिवारी (व्यास), शिव कुमार सिंह (वाद्य वादक) आदि ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

उलवे में बिल्डर की मनमानी पड़ी भारी

2 साल की मासूम के सिर पर गिरी भारी लोहे की फ्रेम, हालत गंभीर

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। उलवे में निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी और प्रशासन की ढिलाई के चलते भवन निर्माता बेखौफ होकर मनमानी कर रहे हैं, जिसका शिकार अब एक दो साल की मासूम बच्ची हो गई है। सेक्टर 25A प्लॉट क्र. 307 स्थित अनुसूया अपार्टमेंट की निर्माणाधीन साइट पर सोमवार की दोपहर यह दर्दनाक हादसा हुआ. निर्माण स्थल की लॉबी में एक कॉलम पर काउंटर वेट लोहे की भारी फ्रेम को बिना किसी उचित सहारे के बेहद खतरनाक और लापरवाह तरीके से खड़ा करके रखा गया था. अचानक संतुलन बिगड़ने से यह लोहे की फ्रेम सीधे 2 वर्षीय मासूम के सिर पर जा गिरी, जिससे बच्ची को सिर में गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान होकर अचेत हो गई. हादसे के बाद घायल बच्ची को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है. पीड़ित परिवार की शिकायत पर उलवे पुलिस थाने में आरोपी विशाल पार्टे व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा सख्त निगरानी न होने के कारण उलवे में बिल्डर लगातार सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

कपूर के धार्मिक और पारंपरिक उपयोग

भारतीय पूजा-पद्धति में कपूर का विशेष स्थान है। मंदिरों से लेकर घरों में होने वाली आरती तक कपूर का इस्तेमाल आमतौर पर किया जाता है। कपूर जलाने की परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कई लोक और पारंपरिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं। कपूर जलने के बाद लगभग पूरी तरह समाप्त हो जाता है, इसलिए इसे अहंकार और नकारात्मकता के त्याग का प्रतीक भी माना जाता है। हिंदू धर्म में भगवान की आरती के दौरान कपूर जलाने की परंपरा है। मान्यता है कि कपूर की लौ से वातावरण में पवित्रता आती है और पूजा का समापन सकारात्मक भाव के साथ होता है। आरती के दौरान कपूर की लौ को भगवान के सामने घुमाया जाता है और इसके बाद श्रद्धालु हाथों से उसकी ऊष्मा लेकर अपने चेहरे और सिर तक लगाते हैं। कपूर का उपयोग कई धार्मिक अनुष्ठानों और हवन में भी किया जाता है। पूजा सामग्री में कपूर को अग्नि प्रज्वलित करने के लिए उपयोगी माना जाता है। कुछ परंपराओं में इसे विशेष पूजा या आरती की सामग्री के रूप में शामिल किया जाता है।लोकमान्यताओं में कपूर को नकारात्मक ऊर्जा दूर करने वाला माना जाता है। इसी वजह से कई परिवार शाम के समय पूजा स्थल पर कपूर जलाते हैं। वास्तु और पारंपरिक मान्यताओं में भी कपूर को घर के वातावरण को सकारात्मक बनाने से जोड़ा जाता है। हालांकि इन दावों को धार्मिक या लोकविश्वास के रूप में ही देखना चाहिए, इन्हें वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तथ्य नहीं माना जा सकता।

कपूर का प्रतीकात्मक अर्थः धार्मिक दृष्टि से कपूर का पूरी तरह जलकर समाप्त हो जाना व्यक्ति को यह संदेश देता है कि जीवन में अहंकार और स्वार्थ का त्याग कर ईश्वर के प्रति समर्पण की भावना रखनी चाहिए। यही वजह है कि आरती में कपूर को केवल पूजा सामग्री नहीं, बल्कि आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है।

बेटी बचाओ पर भारी पड़ रहे हैं सिरफिरे शोहदे!

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या किसी बेगुनाह लड़की की प्यार के इजहार को स्वीकार नही करने पर जान लेना प्यार हो सकता है? यह तो निरी जबरदस्ती और निहायत दादागिरी का अराजक व्यवहार है। आए दिन शोहदे अपने इजहार को इंकार मिलने पर मासूम लड़कियों का कत्ल कर रहे हैं देश की राजधानी नई दिल्ली में ही जहां कानून व्यवस्था सख्त मानी जाती है पिछले कुछ समय में दर्जनों ऐसी वारदात हुई है आखिर यह सब क्या है? एकतरफा प्यार, शादी से इनकार या ब्रेकअप के बाद लड़कियों युवतियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और हत्याएं एक गंभीर सामाजिक समस्या हैं, जिसे केवल आशिकी या दीवानगी का नाम देकर कम नहीं आंका जा सकता है। इस प्रकार के अपराधों के पीछे गहरी मानसिक विकृति, हिंसक मानसिकता और सामाजिक कमियां जिम्मेदार होती हैं।हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं जो इस गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं।हाल ही में इसी तरह की एक रूह कपां देने वाली वारदात को अंजाम दिया गया है। दिल्ली तिलक नगर अगस्त 2026 में 21 वर्षीय मॉडल मुस्कान की एक जिम ट्रेनर इमरान द्वारा उसके घर में घुसकर चाकू से हत्या कर दी गई, क्योंकि वह एकतरफा प्यार में उसे परेशान कर रहा था। कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या की एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था।शुरुआती जांच के अनुसार, इमरान पिछले डेढ़ साल से मुस्कान को परेशान कर रहा था और उस पर शादी का दबाव बना रहा था। मुस्कान ने उससे दूरी बना ली थी और जिम जाना भी छोड़ दिया था।ये तो सिर्फ बानगी है देश के अधिकांश जिलों में कहीं न कहीं इस तरह की वारदातें सामने आ चुकीं हैं। इसे पितृसत्तात्मक समाज की लैंगिक असमानता भरी परवरिश से पैदा खूनी हनक करार दिया जाए या युवा शोहदों में पैदा हो रहा जुनून भरा अनैतिक और दमनकारी दुराचरण जिसके चलते शोहदे यदि मेरी नहीं होगी तो किसी की नहीं होगी की जिद्दी नफरत पाल रहे हैं । दरअसल समाज और कानून का खत्म होता खौफ भी इसके लिए जिम्मेदार है। लम्बी कानूनी प्रक्रिया गवाहों को सुरक्षा न मिलना मुलजिमों को जमानत मिल जाना और कई साल की सुनवाई के बाद बरी हो जाना ऐसे अपराधिक प्रवृति वाले शोहदों के लिए दुष्प्रेरणा का आधार बना है। आपको हाल की वारदातों की गंभीरता से अवगत कराने का प्रयास करते हैं इसी अगस्त माह में ही फरीदाबाद में अमित नाम का एक 21 वर्षीय युवक बिना नंबर की बाइक से एक स्कूल परिसर में घुसा। उसने खुद को संध्या नाम की लड़की का पति बताकर उसे क्लास से बाहर बुलाया और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी।

कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या की एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था।हरियाणा के मोहाली में जून 2026 में डिंपल नामक युवती की उसके पूर्व प्रेमी ने ब्रेकअप से परेशान होकर उसके ऑफिस के अंदर चाकू मारकर हत्या कर दी। केंद्र शासित राज्य चंडीगढ़ में भी फरवरी 2026 में 23 वर्षीय युवती द्वारा शादी से इनकार करने पर उसके गले पर चाकू मारकर बेरहमी से मर्डर कर दिया गया। बीती 30 जुलाई को दिल्ली के केशव पुरम इलाके में गोलियों की आवाज से सनसनी मच गई। एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद युवक फरार हो गया। पुलिस ने खून से लथपथ शव बरामद किया। 17 जुलाई को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बांटवाल इलाके में एक युवती की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक युवती की पहचान काव्यापाडावु के पास कोडंगे की रहने वाली 21 साल की लावण्या के तौर पर हुई है, लावण्या और चेतन दूर के रिश्तेदार बताए जाते हैं और ऐसा कहा जा रहा है कि चेतन, लावण्या से एक तरफा प्यार करता था। लावण्या ने उसका प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया, जिससे चेतन बेहद नाराज हो गया। फिर, कुछ देर बाद चेतन ने अपने बैग से बड़ा चाकू निकाल जबरदस्त हमला कर दिया उसपर जानलेवा वार किए। उसकी मौत हो गई। 3 जुलाई हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की जिंदा जलाकर हत्या कर दी। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसे अपने प्रेमी के शादीशुदा होने का सच पता चल गया था। जून माह में मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक सनकी प्रेमी ने कंप्यूटर ऑपरेटर युवती को बीच रास्ते में रोका और मात्र 13 सेकंड के भीतर उस पर चाकू से 15 बार वार किए। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था 6 जून उत्तर प्रदेश कि राजधानी लखनऊ में बीते दिनों एक बीटेक छात्रा की हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी. इसके बाद छात्रा का शव जंगल से बरामद किया गया। 12 जून शिवपुरी जिले से जुड़े एक सनसनीखेज घटनाक्रम में पुलिस द्वारा प्रेमी युगल को गुजरात से बरामद कर वापस लाते समय एक होटल में युवती के सिरफिरे आशिक ने पुलिस अभिरक्षा में ही प्रेमिका की हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद उसने सुसाइड की भी कोशिश की। 12 मई को यूपी के कानपुर में सिरफिरे आशिक का आतंक देखने को मिला. आरोपी ने पहले प्रेमिका का गला काट कर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद खुद फांसी लगा ली. जनवरी 2026 में झांसी में एक बेहद खौफनाक ब्लू बॉक्स मर्डर केस सामने आया. यहाँ पहले से शादीशुदा एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। उसने सबूत मिटाने के लिए प्रेमिका के शव के टुकड़े किए और उन्हें कई दिनों तक घर के अंदर ही जलाता रहा। बची हुई हड्डियों की राख को एक नीले बक्से में भरकर नदी में बहाने की कोशिश के दौरान पुलिस ने उसे दबोच लिया। जून 2025 में दिल्ली की जहांगीरपुरी इलाके की रहने वाली 18 वर्षीय महक जैन की उसके दोस्त हसप्रीत ने संजय वन के सुनसान इलाके में ले जाकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी लड़की के फोन और निजी जीवन पर अत्यधिक नियंत्रण रखता था। आपको बता दें कि अक्सर अपराधी महिलाओं को अपनी संपत्ति या वस्तु समझने की भूल कर बैठते हैं। जब महिलाएं अपनी सहमति नहीं देतीं या रिश्ता खत्म ब्रेकअप करना चाहती हैं, तो अपराधी इसे अपने अहंकार पर चोट मान लेते हैं और बदले की भावना से हिंसा का रास्ता चुनते हैं।वही कुछ सिरफिरे मानसिक विकृति और हिंसक सनक ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले लोग गंभीर मानसिक असुरक्षा और सनक से ग्रस्त होते है। वे प्यार और जबरदस्ती के बीच का अंतर नहीं समझते। उनके लिए जिसे वे प्यार कहते हैं, वह असल में नियंत्रण और मालिकाना हक जताने की सनक होती है। सामाजिक और पारिवारिक परवरिश में कमी समाज और परिवारों में अक्सर लड़कों को भावनाओं को सही तरीके से संभालना, हार या रिजेक्शन को स्वीकार करना और महिलाओं के फैसलों का सम्मान करना नहीं सिखाया जाता। भावनात्मक बुद्धिमत्ता की कमी युवाओं को बातचीत के बजाय हिंसा की ओर धकेलती है। कड़े कानूनों के बावजूद जागरूकता और सुरक्षा का अभाव हालांकि ऐसे मामलों में पुलिस तुरंत कानूनी कार्रवाई करती है, लेकिन सुरक्षात्मक उपायों, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और सामाजिक जागरूकता की कमी के कारण महिलाएं अक्सर अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती हैं। सरकार को बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के स्लोगन को सार्थक करने के लिए ऐसी वारदातों पर गंभीर अध्ययन शोध कर कानूनी सख्ती करनी चाहिए ताकि ऐसी अपराधिक मानसिकता से ग्रस्त शोहदे किसी वारदात को अंजाम देने से पहले सौ बार सोचें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

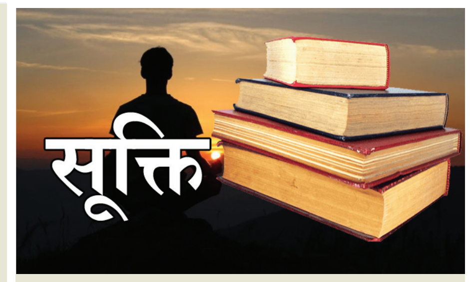

"यदि तुम उड़ नहीं सकते तो दौड़ो, यदि दौड़ नहीं सकते तो चलो, यदि चल भी नहीं सकते तो रेंगते हुए आगे बढ़ो; लेकिन चाहे जो भी हो, तुम्हें आगे बढ़ते रहना है।" -मार्टिन लूथर किंग जूनियर

"सफलता अंतिम नहीं है, असफलता घातक नहीं हैः आगे बढ़ते रहने का साहस ही सबसे ज़्यादा मायने रखता है।" -विंस्टन चर्चिल

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथिः सुबह 06:12 - 06:13 AM तक, षष्ठी तिथि (हरछठ / ललई छठ): सुबह 06:13 AM से शुरू होकर अगले दिन (3 सितंबर) सुबह 04:26 AM तक, अमृत काल (विशेष शुभ समय): रात 09:06 PM से 10:38 PM तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

मंगल की राशि (मेष) में जन्म होने के कारण बच्चा निडर, आत्मविश्वासी और नेतृत्व क्षमता से भरपूर होगा। यह बच्चा प्रशासनिक सेवाओं, मैनेजमेंट, मीडिया, कला, व्यवसाय, इंजीनियरिंग या मेडिकल के क्षेत्र में बेहतरीन सफलता प्राप्त कर सकता है।

मेष राशिः आज ऑफिस में बॉस आपको किसी प्रोजेक्ट पर काम करने को बोल सकते हैं।

वृष राशिः आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ अच्छी आदतों को शामिल करेंगे।

मिथुन राशिः आज बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर कर सकते हैं, उन्हें उचित मार्गदर्शन की जरूरत रहेगी।

कर्क राशिः संतान को सफलता से मन प्रसन्न होगा करीबियों के साथ सेलिब्रेट करेंगे।

सिंह राशिः आज आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाए रखने की जरूरत है।

कन्या राशिः लंबे समय बाद कॉलेज के किसी दोस्त से मिलने का मौका मिलेगा।

तुला राशिः ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में आपको बढ़िया धन लाभ कमाने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी, अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं।

धनु राशिः आज रोचक साहित्य को पढऩे में भी कुछ समय व्यतीत करने से मानसिक सुकून और शांति रहेगी।

मकर राशिःनए कार्य की शुरुआत करने से पहले सलाह-मशविरा लेना उचित रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपको खास मित्र से महंगा उपहार मिलेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

मीन राशिःअन्यथा आपके हाथ से महत्वपूर्ण डील निकल सकती है।

फरक्का के पार गंगा का सवाल

कुमार कृष्णन

फरक्का बैराज पर बहस अक्सर वहीं जाकर रुक जाती है जहां से उसे आगे बढ़ना चाहिए। फरक्का रहे या हटे, पानी किसे कितना मिले, भारत और बांग्लादेश के बीच समझौते की शर्तें क्या हों—ये जरूरी सवाल हैं। लेकिन इनके पीछे छिपा बड़ा सवाल इससे कहीं ज्यादा असुविधाजनक है : क्या हमने गंगा को नदी मानना बंद कर दिया है? अगर गंगा सिर्फ पानी होती तो उसका हिसाब लगाया जा सकता था। अगर वह केवल सिंचाई और नौवहन का साधन होती तो बैराज, तटबंध और नहरों से उसकी नियति तय की जा सकती थी। लेकिन गंगा एक जीवित नदी है। उसका अपना प्रवाह है, अपना भूगोल है, अपना पारिस्थितिक तंत्र है। उसके किनारे बसे समाजों की स्मृतियां और आजीविका हैं। उसके साथ करोड़ों लोगों का जीवन जुड़ा है। इसलिए गंगा के पानी का सवाल अंततः नदी के अधिकार और मनुष्य के न्याय का सवाल है। फरक्का इसी बड़े संकट का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 1975 में मुर्शिदाबाद के पास फरक्का बैराज शुरू हुआ। उद्देश्य था हुगली में पानी का प्रवाह बढ़ाकर कोलकाता बंदरगाह को गाद से बचाना। उस समय विकास की भाषा में नदी एक संसाधन थी और इंजीनियरिंग उसका समाधान। लेकिन पांच दशक बाद नदी ने इस विकास-दृष्टि की कीमत का हिसाब मांगना शुरू कर दिया है।

फरक्का के ऊपर और नीचे बदलता नदी-तंत्र, गाद का असामान्य व्यवहार, तट कटाव, मछलियों की आवाजाही में बाधा, डॉल्फिन का संकट और बाढ़ की बदलती प्रकृति—इन सबको अलग-अलग समस्याएं मानना सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से यह नदी के साथ हुए व्यापक हस्तक्षेप का हिस्सा है। बिहार में इसका असर सबसे ज्यादा दिखाई देता है। यह कैसी विडंबना है कि गंगा के किनारे रहने वाला बिहार बाढ़ में डूबता है और फिर पानी के लिए तरसता भी है। गांव कटते हैं, खेत नदी में समा जाते हैं, परिवार विस्थापित होते हैं और सरकारी आंकड़ों में यह सब हर साल की प्राकृतिक आपदा बन जाता है। सवाल यह है कि जिसे हम हर वर्ष 'प्राकृतिक' कहकर भूल जाते हैं, उसमें कितना हिस्सा हमारी नीतियों का पैदा किया हुआ है? नदी के कटाव को सिर्फ नदी की मनमर्जी बताकर सरकारें अपने दायित्व से बच नहीं सकतीं। गंगा मुक्ति आंदोलन और नदी से जुड़े जन आंदोलनों ने वर्षों पहले यह सवाल उठाया था कि नदी को सिर्फ जल संसाधन मानने की नीति बदलनी होगी। नदी के साथ रहने वाले समुदायों की आवाज सुनी जानी चाहिए। लेकिन आज भी निर्णय नदी किनारे खड़े आदमी से दूर, राजधानी के दफ्तरों में लिए जाते हैं। मछुआरा नदी में उतरता है, किसान नदी के बदलते मिजाज से खेती बचाता है, नाविक धारा को पढ़ता है और कटाव से उजड़ा परिवार नदी के किनारे फिर घर बनाने को मजबूर होता है। लेकिन नदी पर नीति बनाने वाली बैठकों में इन लोगों की जगह कहां है? यही लोकतंत्र का असली सवाल है। गंगा के पानी का बंटवारा केवल दिल्ली, पटना, कोलकाता और ढाका के बीच बैठकर तय नहीं किया जा सकता। इसमें उन लोगों की हिस्सेदारी भी होनी चाहिए जिनका जीवन प्रतिदिन नदी के साथ तय होता है। भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 की गंगा जल संधि की समीक्षा दिसंबर 2026 में होनी है। यह समीक्षा महज कूटनीतिक औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। अगर दोनों देश पुराने आंकड़ों और पुराने दृष्टिकोण के साथ फिर वही गणित दोहराते हैं तो इससे नदी का भविष्य नहीं बदलेगा।

अनमोल वाणी

"""मन"

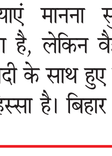

प्रा जितेन्द्र शंकर पाण्डेय
प्रबंध संपादक, तरुणमित्र थाणे

मन जब कमजोर होता है
परिस्थितियां समस्या बन जाती हैं,
मन जब स्थिर होता है तब
परिस्थितियां चुनौती बन जाती हैं।
मन जब मजबूत होता है तो
परिस्थितियां अवसर बन जाती हैं,
चुनाव हमें ही करना है।।

बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कांतिलाल मांडोत

बालमन की सुरक्षा को लेकर अमरीका का बड़ा फैसला, भारत को भी सीख लेने की जरूरत

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है।

मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए रोजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी।

इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी।

यह फैसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वॉशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अटॉर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ।

इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों को 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंसेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है। भारत में इस मुद्दे पर सरकार, विद्यालयों और अभिभावकों को मिलकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल प्रतिबंध लगा देना हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और गलत उपयोग के बारे में समझाना भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और यह समझना होगा कि वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, किस तरह की सामग्री से प्रभावित हो रहे हैं और सोशल मीडिया उनके समय तथा व्यवहार को किस तरह बदल रहा है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय संस्कृति को आज आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती हुई संस्कृति समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसमें सदियों से संयम, समय का सदुपयोग, परिवार के साथ संवाद और संतुलित जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आज पश्चिमी देशों में भी डिजिटल जीवन की सीमाएं तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिम की हर व्यवस्था गलत है या भारत को हर चीज का विरोध करना चाहिए। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि आधुनिक तकनीक का लाभ तभी है जब उसका उपयोग मनुष्य के नियंत्रण में रहे, न कि मनुष्य स्वयं तकनीक के नियंत्रण में आ जाए। भारत को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता तैयार करना चाहिए। बच्चों के लिए निश्चित डिजिटल समय, रात में उपकरणों से दूरी, विद्यालयों में डिजिटल अनुशासन और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों को भी बच्चों की उम्र की पहचान, संवेदनशील सामग्री पर नियंत्रण और नाबालिगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

अमरीका का फैसला भारत के लिए चेतावनी से अधिक एक अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि तकनीक बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगी या उनका बचपन ही डिजिटल स्क्रीन में सिमट जाएगा। विकास का अर्थ केवल तेज इंटरनेट और अत्याधुनिक तकनीक नहीं है। वास्तविक विकास तब होगा जब तकनीक के साथ बच्चों का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक विकास भी सुरक्षित रहे। यदि पश्चिमी देश अब बच्चों को रात में सोशल मीडिया से दूर रखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो भारत को भी अपने बच्चों के हित में समय रहते ठोस और संतुलित कदम उठाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

दुनिया के लिए चिंता का विषय बना अलनीनो

सौरभ वार्ष्णेय

धरती का बदलता मिजाज अब केवल वैज्ञानिकों के शोध और मौसम विशेषज्ञों की रिपोर्ट तक सीमित विषय नहीं रह गया है। इसका असर आम आदमी के जीवन से लेकर कृषि, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कहीं आसमान से बरसती आग लोगों को बेहाल कर रही है, तो कहीं कुछ ही घंटों में होने वाली मूसलाधार बारिश शहरों को जलमग्न कर रही है। कहीं किसान बारिश का इंतजार करते-करते परेशान हैं, तो कहीं अत्यधिक वर्षा उनकी महीनों की मेहनत को बहा ले जा रही है। मौसम के इस बदलते और असामान्य स्वरूप के बीच अल नीनो एक बार फिर दुनिया के लिए चिंता का विषय बनकर सामने आता है।

अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्री सतह के तापमान के सामान्य से अधिक गर्म होने से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, वर्षा और हवाओं के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। यह घटना प्राकृतिक जलवायु चक्र का हिस्सा है और हजारों वर्षों से पृथ्वी की जलवायु व्यवस्था में इसका अस्तित्व रहा है। लेकिन आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अल नीनो और बढ़ते वैश्विक तापमान का मेल मौसम की चरम स्थितियों को और अधिक गंभीर बना सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अल नीनो को लेकर इतनी चिंता क्यों है? इसका उत्तर इसके व्यापक प्रभावों में छिपा है। अल नीनो के दौरान दुनिया के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और आज भी खेती का एक बड़ा हिस्सा मानसूनी बारिश पर आधारित है। यदि बारिश सामान्य से कम होती है या उसका वितरण असमान रहता है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है। धान, मक्का, दालें, तिलहन और अन्य फसलों की पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्पादन में कमी का असर केवल किसान तक सीमित नहीं रहता। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर दबाव पैदा हो सकता है। पहले से ही महंगाई और रोजगार जैसी चुनौतियों से जूझ रहे आम परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़—दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं।

भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढऩे से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश की कुल मात्रा देखना पर्याप्त नहीं है; **बारिश कब, कितनी तेजी से और किस क्षेत्र में होती है**, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अल नीनो का असर समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी पर भी पड़ सकता है। समुद्र का तापमान बढऩे से समुद्री जीव-जंतुओं और मछली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। समुद्र दुनिया की जलवायु प्रणाली का महत्वपूर्ण नियामक है।

स्वामी-स्व. कैलाशनाथ प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक स्वतंत्र कुमार द्वारा नवभारत प्रेस लिमिटेड, नवभारत भवन प्लाट नंबर-13 सेक्टर 8 सानपाडा (पूर्व) नवी मुंबई : 470709 से मुद्रित एवं पत्रकार सदन लोकमान्य नगर नं. 4 ठाणे- 400606 महाराष्ट्र से प्रकाशित।
RNI No. MAHHIN/2008/27046 संपादक- स्वतंत्र कुमार सिटी कार्यालय- गाला नं. 61 दादोजी कोंडदेव स्टेडियम खारटन रोड, ठाणे(वेस्ट) महाराष्ट्र, मोबाः 09415287970, 7400223777, 9892789606,
ईमेल tarun.thana@gmail.com, www.tarunmitra.in * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं उत्पन्न समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के अधीन होंगे।

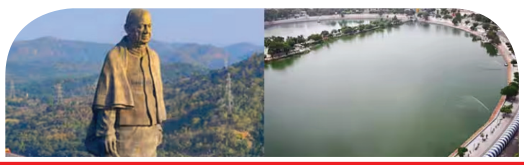

मनोरी-गोराई में प्रस्तावित डीसैलिनेशन प्लांट का मछुआरों ने किया विरोध

भूमिपुत्रों ने कहा- परियोजना तत्काल रद्द करें, समुद्री जैव विविधता और मछुआरों की रोजी-रोटी पर पड़ेगा असर

तरुणमित्र /हंसराज कनौजिया

मुंबई, सितंबर। मनोरी-गोराई समुद्र तट पर प्रस्तावित खारे पानी को मीठे पानी में बदलने वाले डीसैलिनेशन प्लांट को लेकर मछुआरों, किसानों और स्थानीय भूमिपुत्रों में भारी नाराजगी है। सोमवार को आर-मध्य विभाग, बोरीवली क्षेत्र के मनोरी स्थित बाण डोंगर में परियोजना के सर्वेक्षण एवं प्रस्तावित निर्माण को लेकर आयोजित बैठक में सैकड़ों मछुआरों और भूमिपुत्रों ने परियोजना का तीव्र विरोध करते हुए इसे स्थायी रूप से रद्द करने की मांग की।

बैठक की अध्यक्षता बीएमसी के उप प्रमुख अभियंता (जलापूर्ति) पुरुषोत्तम मालमते ने की। बैठक की शुरुआत में अधिवक्ता गॉडफ्री पिमेंटो ने आरोप लगाया कि मनपा द्वारा एमआरटीपी प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में तैयार किए गए रिपोर्ट और एनओसी पर भी सवाल उठते हैं।

समाजसेविका स्वीट सी ने कहा कि मनपा को करीब 4,000 करोड़ रुपये की प्रस्तावित परियोजना पर खर्च करने के बजाय पहले पानी की लीकेज रोकने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पानी की बर्बादी रोकने से बड़ी मात्रा में पानी बचाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि डीसैलिनेशन को लेकर जिन देशों के उदाहरण दिए जाते हैं, उनकी भौगोलिक परिस्थितियां भारत से अलग हैं।

उप प्रमुख अभियंता पुरुषोत्तम मालमते ने बैठक में कहा कि परियोजना से मछुआरों और भूमिपुत्रों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा तथा उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। हालांकि, उनके इस बयान के बाद सभागृह में मौजूद लोगों ने 'हमें परियोजना नहीं चाहिए' के नारे लगाते हुए जोरदार विरोध किया। महाराष्ट्र मच्छीमार कृती समिति के महासचिव किरण कोली ने कहा कि डीसैलिनेशन प्लांट से समुद्री पर्यावरण और मछुआरों की आजीविका पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मछली पकड़ने का बड़ा हिस्सा तटीय क्षेत्र में होता है और इस क्षेत्र पर निर्भर हजारों परिवारों की रोजी-रोटी इससे जुड़ी है। उनके अनुसार, मछली उत्पादन से जुड़े परिवहन, बर्फ उत्पादन, डीजल आपूर्ति, किराना दुकानों सहित अनेक छोटे व्यवसाय भी मछली पकड़ने के कारोबार पर निर्भर हैं।

किरण कोली ने आरोप लगाया कि मनपा का प्रस्ताव भले ही फिलहाल 200 एमएलडी क्षमता का हो, लेकिन भविष्य में इसे 400 एमएलडी तक बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी मात्रा में अत्यधिक खारा पानी वापस समुद्र में छोड़े जाने से समुद्री जैव विविधता, मछलियों के प्रजनन क्षेत्र और मत्स्य संपदा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे अधिक असर छोटे और गैर-मशीनीकृत नावों से मछली पकड़ने वाले मछुआरों पर पड़ेगा।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि परियोजना का काम आगे बढ़ाया गया तो मनोरी, गोराई, उत्तन, मालवणी, मार्वे, भाटी, मढ़, वर्सोवा, जुहू, खारदांडा, चिंबई, वर्ली और कोलाबा तक के मछुआरे आंदोलन तेज करेंगे। मढ़ मच्छीमार सर्वोदय के अध्यक्ष जगन्नाथ कोली ने भी परियोजना को लेकर नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया कि क्या सरकार कोलीवाड़ों में इस तरह की परियोजनाएं लाकर कोली समाज को समुद्र तट से हटाने की योजना बना रही है। बैठक के अंत में मछुआरों के आक्रोश को देखते हुए उप प्रमुख अभियंता पुरुषोत्तम मालमते ने कहा कि वे वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर आगे की जानकारी देंगे। हालांकि, उपस्थित मछुआरों ने परियोजना को तत्काल रद्द करने की मांग दोहराई। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों का निवेदन स्वीकार किया और बिना किसी अंतिम निर्णय के बैठक समाप्त हुई। बैठक में महाराष्ट्र मच्छीमार कृती समिति के महासचिव किरण कोली, अधिवक्ता गॉडफ्री पिमेंटो, नगरसेवक शिवानंद शेट्टी, समाजसेविका स्वीट सी, समाजसेवक राजू, मढ़-गोराई मच्छीमार संघर्ष समिति के सचिव हेमंत कोली सहित विभिन्न मछुआरा संस्थाओं के पदाधिकारी, कोली समाज के प्रतिनिधि, भूमिपुत्र तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

घर से निकला साढ़े 3 साल का मासूम लापता, भोईवाड़ा पुलिस की मुस्तैदी से 2 घंटे में सकुशल बरामद

तरुणमित्र/ अनिल वर्मा

भिवंडी: आजोबा की नजर चूकने से लापता हुए साढ़े तीन साल के मासूम को भोईवाड़ा पुलिस ने महज दो घंटे में इलाके की छानबीन कर सकुशल ढूंढ निकाला और उसकी मां के हवाले कर दिया। पुलिस के मुताबिक, भोईवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र में गोल्डन होटल के पास अल फैज हॉस्पिटल बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर रहने वाला साढ़े तीन वर्षीय मोहम्मद हसन शाहबाज सिद्दिकी स्कूल जाने के लिए घर से नीचे आया था। कुछ देर बाद जब वह बिल्डिंग के नीचे दिखाई नहीं दिया, तो उसके दादा अब्दुल हजीज शेख ने आसपास उसकी तलाश की। मासूम के नहीं मिलने पर उन्होंने भोईवाड़ा पुलिस थाने पहुंचकर उसके लापता होने की सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए भोईवाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विक्रम मोहिते ने खुद पुलिस अधिकारियों, गुप्त पथक, अंमलदार, सभी बीट मार्शल और मोबाइल वैन को मासूम की तलाश में लगाया। जिस बिल्डिंग में बच्चा रहता था, उसके नीचे स्थित अस्पताल के सीसीटीवी बंद होने के कारण पुलिस के लिए बच्चे का सुराग लगाना मुश्किल था। इसके बावजूद पुलिस ने पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान पता चला कि मासूम अपने दादा की नजर चूककर घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर चला गया था। पुलिस ने महज दो घंटे के अंदर मासूम को सकुशल ढूंढ निकाला और उसे उसकी मां के हवाले कर दिया। बच्चे के सुरक्षित मिलने पर परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिवार के सदस्यों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े और उन्होंने तत्काल कार्रवाई कर बच्चे को सुरक्षित वापस लाने के लिए भोईवाड़ा पुलिस का आभार व्यक्त किया।

उदयपुर सिटी-असरवा वंदे भारत अब सूरत तक जाएगी, रेलवे बोर्ड की सैद्धांतिक मंजूरी

तरुणमित्र

सूरत । गुजरात और राजस्थान के बीच रेल संपर्क को मजबूत करने की दिशा में रेलवे बोर्ड ने अहम निर्णय लिया है। उदयपुर सिटी-असरवा के बीच चल रही वंदे भारत एक्सप्रेस को सूरत तक विस्तारित करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। इससे दक्षिण गुजरात के यात्रियों को उदयपुर और राजस्थान के अन्य प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों तक सीधी रेल सुविधा मिल सकेगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। सूरत से ट्रेन सुबह 6:10 बजे रवाना होकर दोपहर 1:40 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन उदयपुर सिटी से दोपहर 3:35 बजे रवाना होकर रात 11 बजे सूरत पहुंचेगी। विस्तारित मार्ग में भरूच, वडोदरा, आणंद, मणिनगर, असरवा, हिम्मतनगर, शामलाजी रोड, डूंगरपुर और जावर प्रमुख ठहराव होंगे।

इस ट्रेन के सूरत तक विस्तार से दक्षिण गुजरात के व्यापारियों, पर्यटकों और राजस्थान जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने की उम्मीद है। खासकर उदयपुर और श्रीनाथद्वारा जाने वाले यात्रियों के लिए यह सीधी रेल सेवा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, विस्तारित सेवा किस तारीख से शुरू होगी, इसकी अंतिम आधिकारिक घोषणा पश्चिम रेलवे द्वारा की जानी बाकी है। रेलवे द्वारा परिचालन की तारीख और अंतिम समय-सारिणी जारी किए जाने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। केंद्रीय जल शक्तिमंत्री सी आर पाटिल ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को धन्यवाद देते हुए जल्द ही यह आधुनिक ट्रेन सेवा में प्रारंभ होगी। इसे सूरत सहित दक्षिण गुजरात की महत्वपूर्ण सौगात है।

सौरभ भारद्वाज के विरुद्ध मानहानि केस में परवेश वर्मा को सोशल मीडिया साक्ष्य सुरक्षित रखने का निर्देश

तरुणमित्र

नई दिल्ली । दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मंत्री परवेश वर्मा को निर्देश दिया है कि वो आम आदमी पार्टी के दिल्ली के संयोजक सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि से संबंधित सोशल मीडिया और डिजिटल साक्ष्य के साथ कोई भी छेड़छाड़ नहीं करने का अंतरिम आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी। मंगलवार को परवेश वर्मा की ओर से दाखिल शिकायत पर संज्ञान लेने के मामले पर सौरभ भारद्वाज की ओर से दलीलें रखी गईं। सौरभ भारद्वाज की ओर से पेश वकील रजत भारद्वाज ने अर्जी दाखिल कर कहा कि इस मामले से जुड़े सोशल मीडिया के डाटा और डिजिटल साक्ष्य का संरक्षण जरूरी है। इस पर कोर्ट ने परवेश वर्मा को जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। तब सौरभ भारद्वाज की ओर से कहा गया कि जवाब दाखिल करने तक शिकायतकर्ता की ओर डिजिटल साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है, इसलिए इस पर अंतरिम आदेश दिया जाए। इसका परवेश वर्मा की ओर से पेश वकील प्रवीण कुमार ने विरोध करते हुए कहा कि अगर आज भी आदेश चाहिए था तो याचिका की प्रति अग्रिम रुप से दी जानी चाहिए थी। उसके बाद कोर्ट ने कहा कि सभी डिजिटल साक्ष्य शिकायतकर्ता के कब्जे में है इसलिए उनके संरक्षण का अंतरिम आदेश जारी किया जाता है। कोर्ट ने मेटा और एक्स को भी सही डिजिटल साक्ष्य संरक्षित रखने का आदेश दिया। इसके पहले कोर्ट ने 8 अगस्त को सौरभ भारद्वाज को नोटिस जारी किया था। परवेश वर्मा ने 4 जुलाई को अपना बयान दर्ज कराया था। परवेश वर्मा ने अपने बयान में कहा था कि सौरभ भारद्वाज ने उनके और उनके परिवार की छवि को खराब करने के लिए झूठे आरोप लगाए। सौरभ भारद्वाज ने झूठा आरोप लगाया था कि परवेश वर्मा ने बतौर मंत्री अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अपने कथित सहयोगी को लगभग पांच सौ करोड़ रुपये के एक निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया। परवेश वर्मा ने आपराधिक मानहानि याचिका में कहा है कि सौरभ भारद्वाज ने 15 एवं 16 मई को उन्हें बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया पोस्ट किया। याचिका में कहा गया है कि सौरभ भारद्वाज ने झूठा आरोप लगाया था कि परवेश वर्मा ने बतौर मंत्री अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अपने कथित सहयोगी को लगभग पांच सौ करोड़ रुपये के एक निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया।

गुजरात में 2 अक्टूबर से शुरू होगा 'रिफॉर्म उत्सव', नागरिकों के सुझावों पर रहेगा फोकस

तरुणमित्र

अहमदाबाद । गुजरात सरकार प्रशासनिक सुधारों को गति देने के लिए 2 अक्टूबर से 25 दिसंबर तक राज्यव्यापी 'रिफॉर्म उत्सव' आयोजित करेगी। गांधी जयंती से शुरू होकर यह अभियान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक चलेगा। सरकार के अनुसार, अभियान का उद्देश्य केवल नागरिकों की शिकायतों का निवारण करना नहीं, बल्कि जनता से प्राप्त सुझावों को चिन्हित कर उन्हें व्यवस्थित तरीके से प्रशासनिक सुधारों में बदलना और समयबद्ध रूप से लागू करना है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा हाल में गुजरात प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया गया था। इसी दिशा में 'रिफॉर्म उत्सव' के माध्यम से नागरिकों की आवाज को ठोस कार्रवाई, सुधार और बेहतर प्रशासनिक परिणामों से जोड़ने की योजना है। अभियान की योजना, क्रियान्वयन और निगरानी के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति गठित की गई है। वहीं, इसे जिला स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रत्येक जिले में भी समितियां बनाई गई हैं। जिला स्तरीय समिति की अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। 'रिफॉर्म उत्सव' के लिए विशेष पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर नागरिकों से प्राप्त सुझावों की संख्या, उनमें से क्रियान्वयन के लिए स्वीकार किए गए सुझावों और उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध रहेगी। इससे सुझावों पर हुई कार्रवाई की लगातार निगरानी की जा सकेगी। अभियान का मुख्य चरण 2 अक्टूबर को प्रत्येक पंचायत में 'जन मंथन सभा' के आयोजन के साथ शुरू होगा। इन सभाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे और उन्हें प्रशासनिक सुधार की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

दिल्ली सरकार ने बस ऑपरेटरों को नियमों का सख्ती से पालन करने के दिए निर्देश

तरुणमित्र

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बस चलाने वाले सभी ऑपरेटरों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। परिवहन विभाग से जारी निर्देशों के तहत यात्रियों की सुरक्षा के लिए निर्धारित सुरक्षा मानक और संचालन संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसमें दिल्ली से चलने वाली दूसरे राज्यों की बसें भी शामिल हैं। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है और नियमों का उल्लंघन करने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और सुरक्षा के जरूरी नियमों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। परिवहन मंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए परिवहन विभाग ने सभी बस ऑपरेटरों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि बसों में लगे व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) और पैनिक बटन हर समय चालू हालत और काम करने की स्थिति में रहें। पैनिक बटन यात्रियों की पहुंच में आसानी से होने चाहिए और हमेशा ठीक से काम करने की स्थिति में भी होने चाहिए। सभी बसों में काम करने की हालत में अग्निशमन यंत्र और प्राथमिक उपचार किट का अनिवार्य रूप से होना जरूरी है। बस ऑपरेटरों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि रात के समय या जब बसें खड़ी हों, तो उन्हें केवल अधिकृत, सुरक्षित और अच्छी रोशनी वाली जगहों पर ही पार्क किया जाए। इस संबंध में कोर्ट के निर्धारित नियमों और निर्देशों के अनुसार बसों की खिड़कियों पर पर्दे या अनधिकृत फिल्में नहीं लगाई जा सकती है। बसों के विंडशील्ड, पिछली खिड़कियों और साइड की खिड़कियों के लिए तय पारदर्शिता के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। इन निर्देशों में चालकों और बस स्टाफ की ज़िम्मेदारियों को भी साफ तौर पर बताया गया है। चालकों और दूसरे स्टाफ को यात्रियों के साथ अच्छा और विनम्र व्यवहार करना होगा। शराब या किसी भी नशे की हालत में गाड़ी चलाना सख्ती से मना है।

जन्माष्टमी पर उत्तर रेलवे नई दिल्ली-सूबेदारगंज और दिल्ली-हरिद्वार के बीच चलाएगा दो अतिरिक्त विशेष ट्रेनें

तरुणमित्र

नई दिल्ली । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और आगामी लंबे सप्ताहांत के दौरान यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दो और विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। नई दिल्ली-सूबेदारगंज के बीच सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस और पुरानी दिल्ली-हरिद्वार के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। दोनों विशेष ट्रेनें तीन-तीन फेरे लगाएंगी।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने मंगलवार को बताया कि त्योहार और छुट्टियों के दौरान यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने तथा यात्रियों को सुगम एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए इन अतिरिक्त सेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 02416/02415 नई दिल्ली-सूबेदारगंज-नई दिल्ली सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस 3, 4 और 5 सितंबर को नई दिल्ली से और 4, 5 तथा 6 सितंबर को सूबेदारगंज से चलेगी। इसमें वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

गाड़ी संख्या 02416 नई दिल्ली से रात 11 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 9:45 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी। रास्ते में यह रात 11:45 बजे गाजियाबाद, देर रात 1:05 बजे अलीगढ़, 2:18 बजे टूंडला, सुबह 4 बजे इटावा, 6:35 बजे गोविंदपुरी और सुबह 8:20 बजे फतेहपुर पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 02415 सूबेदारगंज से दोपहर 12:10 बजे रवाना होकर रात 11:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन फतेहपुर में दोपहर 1:23 बजे, गोविंदपुरी में 2:55 बजे, इटावा में शाम 5:03 बजे, टूंडला में 6:55 बजे, अलीगढ़ में रात 8:30 बजे और गाजियाबाद में रात 10:45 बजे ठहरेगी।

उत्तराखंड की तीर्थनगरी हरिद्वार जाने वाले यात्रियों के लिए गाड़ी संख्या 04413/04414 पुरानी दिल्ली-हरिद्वार-पुरानी दिल्ली अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन 3, 4 और 5 सितंबर को पुरानी दिल्ली से तथा 4, 5 और 6 सितंबर को हरिद्वार से संचालित होगी।

गाड़ी संख्या 04413 पुरानी दिल्ली से रात 11 बजे रवाना होकर अगले दिन तड़के 4:55 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। रास्ते में यह रात 11:40 बजे गाजियाबाद, देर रात 12:25 बजे मेरठ सिटी, रात 1:05 बजे मुजफ्फरनगर और तड़के 3:40 बजे रुड़की पहुंचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 04414 हरिद्वार से शाम 5 बजे रवाना होकर रात 10 बजे पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन रुड़की में शाम 6 बजे, मुजफ्फरनगर में 7:03 बजे, मेरठ सिटी में 7:55 बजे और गाजियाबाद में रात 9:08 बजे ठहरेगी।

राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ी

तरुणमित्र

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसएस) 2026-27 के लिए आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 कर दी है। पात्र छात्र राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल) के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को हर साल 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, ताकि वे कक्षा आठ के बाद पढ़ाई न छोड़ें और कक्षा 12 तक अपनी शिक्षा पूरी कर सकें। हर साल कक्षा 9 के छात्रों के लिए एक लाख नई छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। छात्रवृत्ति के लिए परिवार की वार्षिक आय 3.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। कक्षा 7 में कम से कम 55 प्रतिशत अंक जरूरी हैं, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जजातीय छात्रों को 5 प्रतिशत की छूट दी गई है।

योजना का लाभ राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकायों के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को मिलता है। 31 अगस्त 2026 तक 79,398 नए और 1,87,208 नवीनीकरण आवेदन जमा किए जा चुके हैं। मंत्रालय ने छात्रों से निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदन पूरा करने और पहले से जमा आवेदनों का संबंधित अधिकारियों से सत्यापन सुनिश्चित करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा का जनपद आगमन 8 सितंबर को

तरुणमित्र कुशीनगर। राज्यमंत्री सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग, उप्र सरकार हंसराज विश्वकर्मा का जनपद कुशीनगर आगमन 8 सितंबर दिन मंगलवार को होगा। वह कुशीनगर विधानसभा में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे और औद्योगिक इकाइयों और भवन का निरीक्षण करेंगे। उक्त जानकारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से भाजपा नेता डॉ छेदी शर्मा ने देते हुए बताया कि राज्यमंत्री श्री विश्वकर्मा का रामपुर पंद्रह मिल, सुकरौली, हाटा, हेतिमपुर, बुद्ध स्थली और विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवती विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष छोटेलाल वर्मा, चंदन विश्वकर्मा, जितेंद्र विश्वकर्मा, राम मनोहर विश्वकर्मा आदि के नेतृत्व में भव्य स्वागत होगा। श्री विश्वकर्मा 12 बजे होटल पथिक निवास पहुंचेंगे और कुछ देर विश्राम के पश्चात एक बजे दिन में विश्वकर्मा मंदिर पहुंचेंगे जहां पदाधिकारियों और सदस्यों से परिचय के बाद 1.15 बजे निर्माणाधीन उद्योग भवन कसया करेंगे। तीन बजे सिसवा महंथ में जितेंद्र विश्वकर्मा के आवास पर भोजन और कुछ देर विश्राम करेंगे। उसके पश्चात सिसवा महंथ में ही मिनी उद्योग क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे। इसके।पश्चात अन्य जगहों पर उनका स्वागत किया जायेगा।

कुशीनगर ने ठाना है, जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाना है

तरुणमित्र कुशीनगर।शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार आज हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, कुशीनगर द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण संस्थान, रविन्द्रनगर में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रीक्ट मिशन कोआर्डिनेटर नलिन सिंह ने की। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, आयुष्मान गोल्डन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए पात्रता एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में अवगत कराया गया। जेण्डर स्पेशलिस्ट श्रीमती प्रीती सिंह द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वन स्टॉप सेंटर 181, महिला हेल्पलाइन 1090, 112, 108 एवं 102 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके उपयोग एवं आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया गया। इसी क्रम में श्रीमती वंदना कुशवाहा द्वारा बाल विवाह एवं दहेज प्रथा पर चर्चा करते हुए इनके सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री अमन मिश्रा, असिस्टेंट अकाउंटेंट द्वारा विभागीय योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए तथा पात्र लाभार्थियों से स्वयं योजनाओं का लाभ लेने एवं पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाने हेतु अपील की गई।इस अवसर पर संस्था से विभाकर मिश्रा, सितारा बानो, पवन कुमार, तमन्ना प्रवीन सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री नलिन सिंह द्वारा उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलाई गई। ''कुशीनगर ने ठाना है, जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाना है।''

बागपत की जिलाधिकारी ने निर्वाचन वेयरहाउस का लिया जायजा

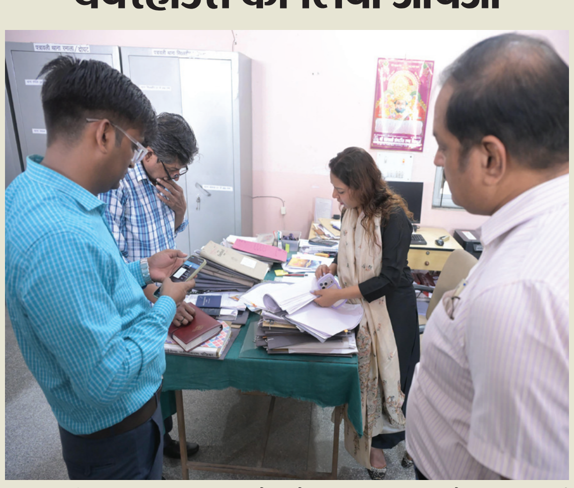

तरुणमित्र बागपत। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत में जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने मंगलवार को निर्वाचन वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान ईवीएम की प्राथमिक स्तर की जांच (एफसीएल) से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने ईवीएम और अन्य निर्वाचन सामग्री का रख-रखाव पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप करने को कहा है। उन्होंने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके।निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति और सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया।अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूर्ण कर ली जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। जिला प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने एफएलसी प्रक्रिया को बेहद महत्वपूर्ण माना है। इसलिए हर चरण को गंभीरता से लिया जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूर्ण किए जाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्याय देवेंद्र कुमार पांडे, संबंधित निर्वाचन अधिकारी, कर्मचारी तथा भाजपा जिला मंत्री सुंदर धामा उपस्थित रहे।

वाराणसीः डंफर की टक्कर से छात्रा की मौत,आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

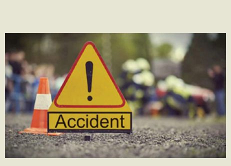

तरुणमित्र वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के चौबेपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार बालू लदे डंफर ने स्कूल जा रही 18 वर्षीय छात्रा को रौंद दिया। हादसे में छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद भागने का प्रयास कर रहे डंफर चालक को ग्रामीणों ने घेरकर पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया।मृतका की पहचान बर्थरा कला (टड़िया) गांव निवासी रोशनी (18) पुत्री राजेश कुमार के रूप में हुई है। रोशनी जाल्हूपुर स्थित श्री कच्चा बाबा इंटर कॉलेज में कक्षा नौ की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार, रोशनी रोज की तरह मंगलवार सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार बालू लदे डंफर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।घटना से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिसके बाद यातायात सुचारु कराया जा सका। चौबेपुर थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डंफर चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

एससी-एसटी आयोग के सदस्य ने सर्किट हाउस में की जनसुनवाई

तरुणमित्र

बिजनौर। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के सदस्य मिठाई लाल ने मंगलवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई की।इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि जिन वर्ग विशेष के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं उनका लाभ उन तक पहुंचना चाहिए। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, नगर पालिका की योजनाओं, राजस्व व पुलिस विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने एससी-एसटी एक्ट के प्रकरणों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने तहसीलदार सदर को निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के लिए गठित निगरानी समिति की प्रत्येक माह नियमित रूप से बैठक कराई जाए, इसमें माननीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत चयनित प्रत्येक ग्राम को 20 लाख रुपये विकास कार्यों के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि 470 ग्राम चिन्हित है,जिनमें से 181 में कार्य पूर्ण हो गया है, शेष प्रक्रियाधीन है। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन अंतर्गत 60103 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में 2702 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में पात्र लाभार्थियों को 30 हजार रुपये की एक मुश्त धनराशि दी जाती है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष में 1276 सामूहिक विवाह का लक्ष्य दिया गया जिसके सापेक्ष 2578 के लिए टेंडर प्रक्रियाधीन है। बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना अंतर्गत वर्तमान में 32 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकार नगर अभय कुमार पांडे, तहसीलदार सदर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बिजनौर, सेनेटरी इंस्पेक्टर सहित अन्य अधिकारी व व्यक्ति मौजूद रहे।

निःशुल्क शिविर में हुई 100 रोगियों के नेत्रों की जांच

तरुणमित्र

कसया, कुशीनगर। गायत्री शक्ति पीठ द्वारा कसया विकास खंड के ग्राम बटेसरा में मंगलवार को आयोजित निःशुल्क शिविर में चिकित्सकों ने 100 लोगों की नेत्र जांचकर सलाह और दवा, आई ड्रॉप वितरित की। मंगलवार को आयोजित नेत्र जांच शिविर में ज्योति आई हॉस्पिटल मस्तीचक, सारण, बिहार के चिकित्सक डॉ अवनीश कुमार, डॉ रमेश कुमार पाठक ने आए हुए मरीजों के नेत्र की जांच की तथा मोतियाबिंद के रोगियों को चिन्हित किया। चिकित्सकों ने मरीजों से कहा कि आंख अनमोल है। आंखों की सही देख भाल जरूरी है। ज्यादा दिक्कत होने पर डाक्टर की सलाह लें। चिन्हित मोतियाबिंद के रोगियों के आंख का आपरेशन ज्योति आई हॉस्पिटल द्वारा अपने खर्चे पर किया जाएगा। मरीज 3 सितंबर को अस्पताल की बस से जायेंगे और दवा इलाज के बाद पांच सितंबर को लौटेंगे। आयोजक ग्राम प्रधान मोहनलाल गुप्ता ने सभी चिकित्सकों, स्टाफ का माल्यार्पण किया और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया तथा कहा कि आगे भी इस तरह के कल्याणकारी शिविर आयोजित होते रहेंगे। इस दौरान कुंज बिहारी निषाद, मुमताज अंसारी, दिनेश यादव, हरिलाल विंद, नागेश्वर यादव सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

भदोही में झाड़ियों में छिपे हैं किलोमीटर का संकेतक

राहगीरों को दूरी का अंदाजा लगाने में हो रही है परेशानी

तरुणमित्र

> ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि यातायात पुलिस की कार्रवाई अक्सर केवल बाइक चालकों के चालान काटने तक सीमित रहती है।

भदोही। जिले में अभोली ब्लॉक क्षेत्र में सड़कों के किनारे उगी झाड़ियां के कारण किलोमीटर संकेतक छिप गए हैं इससे ज्ञानपुर दुर्गागंज मार्ग पर राहगीरों और वाहन चालकों को दूरी का अंदाजा लगाने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश के मौसम में सड़क किनारे घास-फूस और झाड़ियां तेजी से बढ़ गई है, लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी द्वारा समय पर उनकी कटाई और सफाई न होने के कारण कई स्थानों पर संकेतक दूर से दिखाई नहीं देते हैं झाड़ियां की शाखाएं संकेतकों के सामने तक फैल गई है। ग्रामीणों ने बताया कि ज्ञानपुर दुर्गागंज मार्ग एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है जिस पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों और पैदल राहगीरों की आवाजाही होती है ऐसे में सड़क किनारे लगे संकेत का स्पष्ट दिखाई देना आवश्यक है, संकेतों के छिपे होने से विशेष कर बाहरी क्षेत्रों में आने वाले वाहन चालकों को अधिक दिक्कत हो रही है। लोगों ने यातायात व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं ग्रामीणों का आरोप है कि यातायात पुलिस यातायात नियमों के प्रति जागरूकता और सड़क किनारे की समस्याओं को दूर करने का पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। उनका कहना है कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ सुरक्षित आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

जनसंपर्क अभियान में पहुंचे युवा भाजपा नेता रामेश्वर कुशवाहा, योजनाओं की दी जानकारी

तरुणमित्र

तमकुहीराज,कुशीनगर। युवा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता इंजीनियर रामेश्वर कुशवाहा ने मंगलवार को क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं आमजन से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान इंजीनियर रामेश्वर कुशवाहा ने सपही टड़वा, सीताराम चौराहा, बरवा बहुरिया टोला, खुदरा अहीरौली, बसंतपुर, पगरा पड़री एवं उजारनाथ सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से उनकी समस्याओं और क्षेत्र की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी साझा की। अभियान के दौरान उजारनाथ चौराहे पर भाजपा नेता कन्हैया शर्मा की दुकान पर प्रेसवार्ता भी आयोजित की गई। प्रेसवार्ता में रामेश्वर कुशवाहा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा गरीब, किसान, महिला, युवा एवं जरूरतमंद वर्ग के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क का उद्देश्य जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझना और सरकार की योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय रूप से क्षेत्र में कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

उद्यान विभाग की तकनीकी मदद से किसान ने टमाटर की खेती से बढ़ाई आमदनी

- ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग और स्टेकिंग तकनीक अपनाकर 1 हेक्टेयर में प्राप्त किया 275–350 क्विंटल तक उत्पादन

> कैलाशपति ने बताते हैं कि उद्यान विभाग से प्राप्त तकनीकी सलाह और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से उन्हें खेती में बेहतर परिणाम प्राप्त हुए। उनका कहना है कि ड्रिप सिंचाई से पानी का बेहतर प्रबंधन हुआ, मल्चिंग से खेत की नमी बनाए रखने में मदद मिली और स्टेकिंग तकनीक से पौधों की उचित देखभाल एवं फसल प्रबंधन आसान हुआ। किसान की इस सफलता को देखकर गांव के अन्य कृषक भी आधुनिक तकनीकों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। स्थानीय किसानों में संकर टमाटर की वैज्ञानिक एवं तकनीकी खेती को लेकर रुचि बढ़ी है।

तरुणमित्र

भदोही। परंपरागत खेती के साथ यदि आधुनिक कृषि तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री और विशेषज्ञों के तकनीकी मार्गदर्शन को अपनाया जाए तो खेती को लाभ का बेहतर माध्यम बनाया जा सकता है। जनपद के कृषक कैलाशपति दूबे लालता प्रसाद, निवासी ग्राम भिडिउरा, विकासखंड जौनपुर, ने उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में संकर टमाटर की खेती कर इसका सफल उदाहरण प्रस्तुत किया है। कैलाशपति ने 1.0 हेक्टेयर क्षेत्रफल में संकर टमाटर की खेती प्रारंभ की। उद्यान विभाग के योजना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मौर्य से समय-समय पर प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन के आधार पर उन्होंने बेहतर गुणवत्ता की पौध तैयार कर खेत में रोपण किया। फसल की बेहतर वृद्धि एवं उत्पादन के लिए उन्होंने मल्चिंग, ड्रिप सिंचाई और स्टेकिंग तकनीक को अपनाया। फसल की पूरी अवधि के दौरान उद्यान विभाग की सलाह के अनुसार समय-समय पर आवश्यक उर्वरकों का प्रयोग किया गया तथा कीट एवं रोगों से फसल की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय किए गए। किसान द्वारा नियमित रूप से फसल की देखभाल और आधुनिक तकनीकों के समुचित उपयोग का परिणाम उत्पादन के रूप में सामने आया। उनके अनुसार, 1 हेक्टेयर क्षेत्रफल से लगभग 275 से 350 क्विंटल तक संकर टमाटर का उत्पादन प्राप्त हुआ। खेती में लगभग 1.50 लाख रुपये की लागत आई, जबकि फसल से लगभग 3.50 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई। इससे किसान की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली और खेती के प्रति उनका विश्वास और उत्साह बढ़ा।

एडिशनल सीएमओ ने सीएचसी सुरियावा का निरीक्षण, दी चेतावनी

- कमियां मिलने पर होगी कड़ी कार्रवाई

तरुणमित्र

भदोही। जिले में एडिशनल मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एडिशनल सीएमओ) डॉ आशीष दुबे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी सुरियावा का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। निरीक्षण में अस्पताल में कुछ कमियां पाई गई, इन कमियां को लेकर एडिशनल सीएमओ ने संबंधित चिकित्सकों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी की मरीज के उपचार और स्वास्थ्य सेवा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, उन्होंने सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को समयबद्ध पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। एडिशनल सीएमओ आशीष दुबे ने कहा कि शासन के मंशा के अनुरूप मरीजों को बेहतर उपचार और सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल के व्यवस्थाओं को सुधार लाने के लिए और सभी कामियां को शीघ्र करने पर जोर दिया, ताकि आमजन को कोई समस्या ना हो।।

अमेठी में 10.36 करोड़ से संवर रहा मलिक मोहम्मद जायसी स्मारक, 80 प्रतिशत काम पूरा

तरुणमित्र

अमेठी। सूफी संत एवं महान कवि मलिक मोहम्मद जायसी की साहित्यिक विरासत को नई पहचान देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अमेठी स्थित मलिक मोहम्मद जायसी स्मारक एवं पार्क को सूफी-कबीर सर्किट के तहत आधुनिक पर्यटन एवं साहित्यिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से स्मारक के विकास के लिए 10.36 करोड़ रुपये की व्यापक पर्यटन विकास परियोजना पर कार्य कराया जा रहा है। परियोजना के लिए अब तक 9.15 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं और करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा होने की जानकारी दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक परियोजना का काम अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना का उद्देश्य केवल स्मारक का सौंदर्यीकरण करना नहीं, बल्कि जायसी के जीवन और साहित्यिक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी है।अमेठी में जन्मे मलिक मोहम्मद जायसी उत्तर प्रदेश की साहित्यिक एवं सूफी परंपरा के प्रमुख कवियों में शामिल हैं। परियोजना के तहत मौजूदा शोध संस्थान को आधुनिक लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह विद्यार्थियों, शोधार्थियों और साहित्य प्रेमियों के लिए जायसी के जीवन एवं उनकी साहित्यिक कृतियों को समझने का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। परिसर में करीब 120 लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम भी तैयार किया जा रहा है। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेमिनार और लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए जा सकेंगे। आगंतुकों की सुविधा और मनोरंजन के लिए परिसर में दो सामुदायिक पार्क, ओपन जिम, वॉकिंग एवं मेडिटेशन जोन, एक्यूप्रेशर शैली का कंकड़ मार्ग, पार्किंग, बड़ा प्रवेश द्वार और बच्चों के लिए प्ले एरिया विकसित किए जा रहे हैं।परियोजना के तहत मलिक मोहम्मद जायसी पार्क को अमृत उद्यान की तर्ज पर आकर्षक और व्यवस्थित स्वरूप दिया जा रहा है। पार्क को लैंडस्केप एवं सममित डिजाइन के साथ विकसित किया जा रहा है। स्मारक लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है। इसकी दीवारों पर मलिक मोहम्मद जायसी के जीवन, साहित्यिक यात्रा और उनकी कालजयी रचनाओं को दर्शाने वाले कलात्मक भित्तिचित्र तैयार किए जा रहे हैं। इससे पर्यटकों को स्मारक के साथ-साथ जायसी के साहित्यिक योगदान को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उन महान संतों और कवियों की विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्होंने देश की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध किया। उन्होंने कहा कि मलिक मोहम्मद जायसी परियोजना महान सूफी कवि की अमर साहित्यिक विरासत को संरक्षित करने के साथ सूफी-कबीर सर्किट को मजबूती देगी और युवा पीढ़ी को समृद्ध साहित्यिक परंपराओं से जोड़ेगी। मंत्री ने बताया कि मलिक मोहम्मद जायसी की 16वीं शताब्दी की कालजयी रचना 'पद्मावत' भारतीय साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों में शामिल है। इसके बावजूद लंबे समय तक उनकी विरासत की अपेक्षित देखभाल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि मलिक मोहम्मद जायसी शोध संस्थान, जो कभी उपेक्षा के कारण अस्तबल के रूप में इस्तेमाल होने की स्थिति तक पहुंच गया था, अब सरकार के प्रयासों से एक आकर्षक पर्यटन एवं साहित्यिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।यह परियोजना अमेठी की साहित्यिक विरासत को नई पहचान देने के साथ साहित्य, संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक सौहार्द को एक साथ जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अत्याधिक बरसात से कबुलपुर गांव में जाने का रास्ता हुआ बन्द,विद्यालय में पानी घुसा

तरुणमित्र जफराबाद। क्षेत्र के कबूलपुर गांव में अत्याधिक बारिश के कारण आने जाने का रास्ता बंद हो गया है।लोग काफी घूमकर घर पहुंच रहे हैं।गांव के विद्यालय तथा आंगनवाड़ी केंद्र में भी पानी जमा हो गया है।जिसके चलते अब पठन पाठन प्रभावित होगा। गांव के पास में तीन बड़े तालाब हैं। जिसमें दो की तो निकासी हो चुकी है फिर भी पानी गांव की सड़कों व विद्यालय में घुस चुका हैं।इससे लोगों में काफी आक्रोश है । जानकारी के अनुसार अनिल कुमार गुप्ता के घर के समीप तालाब है ।जिसकी जल निकासी आज तक नहीं बनाई गई आज कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण पानी से तालाब भर गया है।पानी सड़कों को अपने आगोश में ले लिया है। लोगों को अपनी आवश्यकता की वस्तुओं को खरीदने के लिए मार्ग से सुगम यातायात नहीं हो पा रहा है। वह रास्ता पूर्ण रूप से जल मग्न हो चुका है ।ग्रामीण पगडंडियों के सहारे अपनी आवश्यकता की वस्तुओं को खरीदने के लिए बाजार पहुंच रहे हैं।इस संदर्भ में ग्राम प्रधान मुजम्मिल ने बताया कि ब्लॉक पर सूचना दे दी गयी है।कोई न कोई रास्ता निकाला जाएगा

भाजपा की बैठक में मंडल कार्यसमिति सत्यापन और प्रवास योजना पर मंथन

तरुणमित्र मीरजापुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला कार्यालय बरौधा कचार के सभागार में मंगलवार को मंडल कार्यसमिति सत्यापन एवं प्रवास योजना को लेकर बैठक हुई। इसमें आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के साथ मंडल स्तर पर कार्यसमिति के सत्यापन और सभी मंडलों में प्रवास योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रह जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने कहा कि संगठन की मजबूती की नींव बूथ स्तर पर है। इसलिए कार्यसमिति का सत्यापन समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना जरूरी है। उन्होंने पदाधिकारियों से अपने-अपने निर्धारित प्रवास क्षेत्रों में पहुंचकर कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया।बैठक में मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों और मंडल कार्यक्रम संयोजकों को संगठन की आगामी गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पदाधिकारियों ने प्रवास योजना को प्रभावी बनाने तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कोषाध्यक्ष एवं अभियान सह संयोजक चंद्रांशु गोयल ने किया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल, बालेन्दुमणि त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री पिछड़ा मोर्चा स्वामीनाथ सिंह सहित जिला पदाधिकारी एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : पदम

तरुणमित्र मुरादाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) महानगर द्वारा महाराजा अग्रसेन इण्टर कॉलेज मुरादाबाद में मंगलवार को युवा विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पदम ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम आपका कर्तव्य है कि आप अपने माता-पिता के प्रति ऋण को चुकाएं और दूसरा कर्तव्य है कि आप अपनी मातृभूमि का भी ऋण चुकाएं। आपको तय करना होगा कि भारत को किस प्रकार का बनाना है। भारत पहले विश्व गुरु था आप जैसे युवाओं को भारत को फिर से विश्व गुरु बनाना है, इसमें आपकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप्र राज्य बाल अधिकार आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. विशेष कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुरादाबाद विभाग के विभाग प्रचारक ब्रजमोहन, महानगर कार्यवाह विपिन, धवल दीक्षित , गौरव अग्रवाल, गोपाल हरि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ला ने की और संचालन मेजर राजीव ढल द्वारा किया गया। इस मौके पर संजय कुमार, अनुराग शुक्ला, आशुतोष गुप्ता, दीपेंद्र कुमार, सुरेश कुमार, ओंकार सिंह, सलामत अली, आदित्य कुमार, राजपाल सिंह, आशीष कुमार, सुखलाल का विशेष योगदान रहा।

सपा विधायक के खिलाफ हिंदू युवा वाहिनी कार्यकर्ताओं ने दी कोतवाली में तहरीर

तरुणमित्र बस्ती। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर समाजवादी पार्टी से बस्ती सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव द्वारा अपने फेसबुक पर लगाए जाने से हिंदू वादी संगठनों में रोष है। इसको लेकर हिन्दू युवा वाहिनी के जिला महामंत्री विनय सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर जिस प्रकार से गोरक्ष पीठाधीश्वर महाराज का वीडियो बनाकर वायरल किया जा रहा है, उसको लेकर लिखित तहरीर कोतवाली में देने के साथ पुलिस कप्तान से मिलकर कार्रवाई की मांग की है। अगर कार्रवाई नहीं होती है तो हम आंदोलन को बाध्य होंगे। इसको लेकर बातचीत करने पर सदर कोतवाल बृजा नन्द सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच कर विधि कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैन की चपेट में आने से मेडिकल संचालक की मौत, हड़कंप

तरुणमित्र

जौनपुर। खेतासराय रेलवे क्रॉसिंग के समीप कासिमपुर के पास सोमवार की देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब मालगाड़ी की चपेट में आने से एक मेडिकल संचालक की दर्दनाक मौत हो गई मृतक की पहचान पकरौल गांव निवासी अनुराग यादव पुत्र रमाशंकर यादव के रूप में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुराग यादव मेडिकल की दुकान चलाते थे सोमवार की रात शाहगंज से जौनपुर की ओर जा रही मालगाड़ी की चपेट में आ गए जिससे मौके पर ही मौत हो गई परिजनों ने बताया कि घटना से कुछ समय पहले अनुराग ने अपने रिश्तेदारों को फोन कर कहा था कि वह अब इस दुनिया में नहीं रहना चाहते इसके बाद रिश्तेदार तलाश में जुट गए। कासिमपुर के पास रेलवे क्रॉसिंग के समीप उनकी बाइक मिली।आसपास तलाश करने पर रेलवे ट्रैक पर उनका शव बरामद हुआ सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की छानबीन कर रही है मृतक के पिता रमाशंकर यादव ने बताया कि वह रोज की तरह बेटे के लौटने का इंतजार कर रहे थे इसी दौरान रिश्तेदार का फोन आया और घटना की जानकारी मिली हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया अनुराग अपने पीछे पत्नी मनीता और दो बच्चों को छोड़ गए पत्नी मनीता और मां उषा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

समाजसेवी के निधन पर शोकसभा आयोजित

तरुणमित्र

शाहगंज (जौनपुर)। नगर के पुराना चौक स्थित जायसवाल गोपाल मंदिर में देर शाम एक शोकसभा का आयोजन किया गया। यह शोकसभा नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी अजीत कुमार आर्य के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए किया गया। अजीत कुमार आर्य जायसवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष, जेसीज के संस्थापक सचिव और श्रीरामलीला के पूर्व संरक्षक रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे कांग्रेस पार्टी द्वारा नगर के अध्यक्ष पद पर भी कार्य कर चुके थे। इस शोकसभा का संचालन ईशान राम जायसवाल ने किया। इस अवसर पर जायसवाल समाज के संरक्षक प्रेम नारायण जायसवाल, अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, युवा जायसवाल समाज के संरक्षक आलोक जायसवाल, रविकांत जायसवाल, मनोज जायसवाल, उमेश जायसवाल, कैलाशनाथ जायसवाल, कालीचरण जायसवाल, युवा जायसवाल समाज के अध्यक्ष धीरज जयसवाल, मीडिया प्रभारी चंदन कुमार जायसवाल, अनूप जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रीतम जायसवाल, सलाहकार ईशान राम जायसवाल, महामंत्री शुभम जायसवाल, पवन जायसवाल , अर्पित जायसवाल, अमित जायसवाल ,समाजसेवी अजय अग्रहरि ,बसंती देवी आईटीआई के प्रबंधक :दिवाकर मिश्रा ,सौरभ सेठ सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

NEET-IIT की मासिक परीक्षा में परखी विद्यार्थियों की तैयारी

तरुणमित्र

शाहगंज , जैनपुर । श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज, कलान में सोमवार को विद्यार्थियों की NEET एवं IIT की मासिक परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की नियमित तैयारी का मूल्यांकन करने के साथ उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार करना रहा। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यालय के उपप्रधानाचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह ने विभिन्न परीक्षा कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा विद्यार्थियों की तैयारी और परीक्षा संचालन की स्थिति देखी। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

चुनावी तैयारियों में जुटे वरिष्ठ समाजवादी नेता, महंगाई-बेरोजगारी पर सरकार को घेरा

तरुणमित्र

▪ जनसंपर्क के दौरान डॉ. सूर्यभान यादव ने गिनाईं अखिलेश सरकार की उपलब्धियां, बोले—जनता के मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरेगी सपा

शाहगंज, जौनपुर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी के वरिष्ठ समाजवादी नेता डॉ. सूर्यभान यादव ने शाहगंज नगर में जनसंपर्क कर कई प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात की। इसी क्रम में उन्होंने श्री वेदांता हॉस्पिटल पहुंचकर डॉ. ज्ञान चंद्र चित्रवंशी से शिष्टाचार भेंट की।मीडिया से बातचीत में डॉ. सूर्यभान यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार लोगों से संवाद करेगी और उनकी समस्याओं को समझकर उन्हें प्रमुखता से उठाएगी। उन्होंने प्रदेश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। विशेष रूप से चीनी समेत रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के बढ़ते दाम का उल्लेख करते हुए कहा कि महंगाई ने आम आदमी का घरेलू बजट बिगाड़ दिया है। वहीं रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने से युवा वर्ग भी परेशान है। डॉ. सूर्यभान यादव ने कहा कि जनता आज महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से जूझ रही है। सरकार को जनता की बुनियादी समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में जनता इन मुद्दों का जवाब देगी। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर अखिलेश यादव के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराएंगे। जनसंपर्क के दौरान डॉ. हिमांशु चित्रवंशी, सुरेंद्र तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

उप्र के हमीरपुर में लगातार हो रही बारिश से सैकड़ों मकान गिरे, सर्वे के लिए लगाई टीमें : डीएम

तरुणमित्र

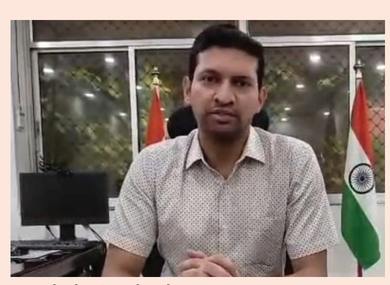

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश से सैकड़ों कच्चे मकान ढह गए। खरीफ की तिल, उड़द और मूंगफली की फसलें बर्बाद हो गई। नदी-नाले उफनाने में कई गांवों को जोड़ने वाला रपटा भी धंस गया। एक रपटा तेज बहाव में बह गया है। बारिश का कहर सर्वाधिक राठ तहसील में पड़ा है, जहां प्रशासन के अफसरों के आफिस और आवास के बाहर भारी जलभराव है। प्रशासन ने इस समस्या से निपटने के लिए अब बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। जिलाधिकारी (डीएम) अभिषेक गोयल ने मंगलवार को दोपहर पत्रकारों को बताया कि पिछले कई दिनों से लगातार बारिश का दौर चलने से सैकड़ों मकानों को क्षति पहुंची है। नहरों के आसपास बोई गई खरीफ की तिल, उड़द और अन्य खरीफ की फसलें पानी से प्रभावित हुई है। तहसील स्तर पर राजस्व कर्मियों की टीमें सर्वे के लिए लगाई गई है। सर्वे के बाद प्रभावित इलाकों में पीड़ितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। दैवीय आपदा से अतिरक्त फंड की डिमांड शासन से की गई है। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश से समस्याएं आई है, जिन्हें लेकर अधिकारियों को लगया गया है। कुछ गांवों में पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण कराकर आने जाने रास्ते दुरुस्त कराए जा रहे हैं। अभी फिलहाल हमीरपुर जिले की यमुना और बेतवा समेत अन्य नदियों में बाढ़ की स्थिति नही है। यहां दोनों नदियों का जलस्तर कम हो रहा है। कहीं से भी पानी डिस्चार्ज किए जाने का कोई अलर्ट नहीं है। नदियों में नावों के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।अधिकारियों व पुलिस को दिन में दो बार मौके पर जाकर निरीक्षण करने के लिए कहा गया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि अर्जन सहायक परियोजना की नहरों के कार्य दो महीने में पूर्ण कराने के लिए निर्देश दिए गए है। कोशिश की जाएगी कि रबी के सीजन में इस परियोजना की नहर से किसानों को पानी मिल जाए। बारिश से राठ तहसील में जगह-जगह जलभराव है। इस समस्या के स्थायी इंतजाम कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि शहर में रोडवेज बस स्टैंड का नया वर्कशाप भवन बेतवा नदी पार कुछेछा में बन रहा है। एक दो महीने में यहां का बस स्टैण्ड नए वर्कशाप में शिफ्ट कराने का प्रयास किया जाएगा। नए वर्कषशाप में बस स्टैण्ड शिफ्ट होन से हमीरपुर में जाम का समस्या से निजात मिलेगी। कानपुर-सागर नेशनल हाइवे में बारिश से हुए गड्ढों की मरम्मत के लिए हाइवे अथारिटी को लिखा गया है।

दो विद्युत पोल गिरे,सैकड़ों घरों की विद्युत आपूर्ति ठप

तरुणमित्र

जफराबाद।क्षेत्र के जमैथा गांव में सोमवार की देर रात को दो विद्युत खम्भे गिर गए।खम्भों की चपेट में आकर दो पेड़ भी गिर गए।संयोगवश कोई बड़ी घटना नही हुई। उक्त गांव के पोखरा पर बस्ती में जाने वाले सड़क पर देर रात को अत्याधिक हुई बारिश के कारण दो खम्भे गिर गए।एक खम्भा तो एक व्यक्ति के मकान के पास टूटकर गिरा।रात के कारण आवाजाही नही थी अन्यथा बड़ी घटना भी हो सकती थी।फिलहाल सैकड़ों घरों की विद्युत आपूर्ति ठप है।गांव के लोगों ने बिजली विभाग को सूचना दे दिया है।बिजली विभाग द्वारा विद्युत आपूर्ति काट दी गई है।अब विद्युत पोल के लिए जेई से सम्पर्क कर रहे हैं।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव में संयुक्त सचिव लाइब्रेरी पद के लिए मनीष द्विवेदी ने किया नामांकन, सैकड़ों अधिवक्ता हुए शामिल

प्रयागराज, । हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद चुनाव का रण जैसे जैसे करीब आ रहा है, चुनावी रंग गहराता जा रहा है। नामांकन के चौथे दिन मंगलवार को संयुक्त सचिव लाइब्रेरी पद के प्रत्याशी मनीष द्विवेदी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। न्यायविद हनुमान मंदिर में शीश नवाकर अधिवक्ता मनीष द्विवेदी ने अधिवक्ता साथियों के हुजूम के साथ नामांकन स्थल पहुंचकर अपनी दावेदारी पेश की। समर्थकों के जोश के बीच उन्होंने चुनावी मैदान में पूरे दमखम के साथ हुंकार भरी। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं के बीच सरगर्मी तेज हो गई है। 17 सितंबर गुरुवार को प्रस्तावित चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी रही, जो समाप्त हो गई। नामांकन से पहले अधिवक्ता मनीष द्विवेदी ने हाईकोर्ट स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर बजरंगबली की पूजा अर्चना की। उन्होंने मंदिर के पुरोहित पंडित आदित्य त्रिपाठी से आशीर्वाद लिया और इसके बाद अपने अधिवक्ता साथियों एवं समर्थकों के साथ नामांकन स्थल की ओर रवाना हुए। समर्थकों के उत्साह और नारों के बीच मनीष द्विवेदी ने संयुक्त सचिव लाइब्रेरी पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान हाईकोर्ट परिसर में चुनावी माहौल और अधिक गरमाता नजर आया। अधिवक्ता मनीष द्विवेदी ने कहा कि उनका उद्देश्य अधिवक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देना और लाइब्रेरी से जुड़ी सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में काम करना है। उन्होंने अधिवक्ता साथियों के सहयोग और विश्वास को अपनी असली ताकत बताया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर अब विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ने लगी है। नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की मौजूदगी ने चुनावी मुकाबले की बढ़ती सरगर्मी का संकेत दिया। इस दौरान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा, अपर सॉलिसिटर जनरल भारत सरकार शिव कुमार पाल, अधिवक्ता परिषद के पूर्व प्रदेश महामंत्री शीतला प्रसाद गौड़, अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता रामानंद पांडेय, पूर्व कोषाध्यक्ष आशुतोष तिवारी, संयुक्त सचिव प्रेस रामेश्वर दत्त पाण्डेय आरडी, अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम भूपेंद्र कुमार त्रिपाठी, राजीव द्विवेदी, श्याम धर मिश्रा, मनीष देव पांडेय, अमरेश मालवीय, तरुण शुक्ला, दीपक दुबे, सर्वेश दुबे, अभिषेक मनु मिश्रा, राहुल ओझा, पुष्कर मिश्रा, राजीव तिवारी, ओंकार जायसवाल, ज्ञान प्रकाश अस्थाना, सुशील सिंह, जय प्रकाश तिवारी, रजनीश द्विवेदी, राजेश शुक्ला, कमल देव पांडेय, गौरीशंकर दुबे, सतीश धुरिया, कृपेश मिश्रा, विजय पुरी, राहुल पाण्डे, सुनील गौड़, सर्वेश सिंह, राज शर्मा, शिव बाबू मौर्या, रजनीश मिश्रा, मुनेंद्र गौड़, आंचल ओझा, पीयूष तिवारी समेत उनके समर्थन में बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

जीआरपी ने खोज निकाले 54 लाख कीमत के 360 फोन बरामद

तरुणमित्र

झांसी। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर मोबाइल फोन गुम होने के बाद उसे वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके यात्रियों के लिए झांसी जीआरपी राहत लेकर आई है। जीआरपी ने पिछले तीन महीनों में विशेष अभियान चलाकर अलग-अलग स्थानों से 360 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 54 लाख रुपये है।मंगलवार को जीआरपी अधिकारियों ने बरामद मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर यात्रियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कई यात्रियों ने जीआरपी की कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस का आभार जताया। झांसी जीआरपी के अधीन आने वाले आठ थानों की पुलिस टीमों ने मोबाइल गुम होने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अभियान शुरू किया। टीमों ने सर्विलांस और तकनीकी संसाधनों के साथ मोबाइल के आईएमईआई नंबर की मदद से गुम फोन को ट्रेस किया। अलग-अलग स्थानों से बरामदगी के बाद मोबाइल के वास्तविक मालिकों की पहचान की गई। अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन में सफर के दौरान नींद आने पर सीट या चार्जिंग प्वाइंट पर मोबाइल छूट जाना तथा भीड़भाड़ के दौरान मोबाइल गुम या चोरी होना आम शिकायतें हैं। बरामद मोबाइलों की पहचान शिकायतकर्ताओं से मिली जानकारी और पहचान संबंधी दस्तावेजों के आधार पर की गई।एसपी विपुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आठ थानों की पुलिस टीमों ने मोबाइल बरामदगी के लिए लगातार कार्रवाई की। शिकायतकर्ताओं से मोबाइल की जानकारी और पहचान संबंधी दस्तावेज लेकर बरामद फोन का मिलान कराया गया। सत्यापन के बाद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिए गए।

मुंबई महानगरपालिका में तबादलों के लिए राजनीतिक सिफारिशों का इस्तेमाल?

- 225 अधिकारी-कर्मचारियों की सूची में नेताओं के नाम।
- एकनाथ शिंदे का नाम सबसे अधिक..

तरुणमित्र /हंसराज कनौजिया

मुंबई : मुंबई महानगरपालिका में अधिकारी और कर्मचारियों के तबादलों को लेकर राजनीतिक सिफारिशों का मामला सामने आया है।सूचना का अधिकार (RTI) के तहत उपलब्ध कराई गई एक सूची में 225 अधिकारी-कर्मचारियों के नामों के सामने मंत्री, विधायक, सांसद और अन्य जनप्रतिनिधियों के नाम दर्ज हैं। सूची में सहायक अभियंता (AE), उप अभियंता (SE), कार्यकारी अभियंता (EE) और कनिष्ठ अभियंता (JE) जैसे पदों पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों का समावेश है।यह सूची सूचना का अधिकार के तहत महानगरपालिका के नगर अभियंता कार्यालय से प्राप्त हुई है। सूची में दर्ज नामों का प्रारंभिक विश्लेषण करने पर कई राजनीतिक नेताओं के नाम एक से अधिक बार सामने आए हैं। हालांकि, केवल किसी नेता का नाम सूची में दर्ज होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि संबंधित तबादला वास्तव में उसी नेता के दबाव या हस्तक्षेप से हुआ।

एकनाथ शिंदे का नाम सबसे अधिक : उपलब्ध सूची के प्रारंभिक विश्लेषण के अनुसार, एकनाथ शिंदे का नाम 10 बार दर्ज है, जो सबसे अधिक है। इसके बाद रामदास आठवले का नाम 9 बार सामने आया है। गिरीश महाजन और कालिदास कोळंबकर के नाम 7-7 बार दर्ज हैं।

इसके अलावा मंगेश कुडाळकर, अण्णा बनसोडे और तुकाराम काते के नाम 6-6 बार, जबकि मुरजी पटेल और दिलीप लांडे के नाम 5-5 बार दर्ज हैं। नरहरी झिरवळ, सुमित वानखेडे, राहुल शेवाळे, प्रकाश सुर्वे, इंद्रनील नाईक, संतोष बांगर, राम कदम, किशन कथोरे और बच्चू कडू के नाम 4-4 बार सामने आए हैं। वहीं चंद्रशेखर बावनकुळे, हसन मुश्रीफ, भरतशेठ गोगावले, उदय सामंत, परिणय फुके, रविंद्र वायकर, प्रसाद लाड, सुनील प्रभू, महेश सावंत और प्रवीण दरेकर के नाम 3-3 बार दर्ज हैं।

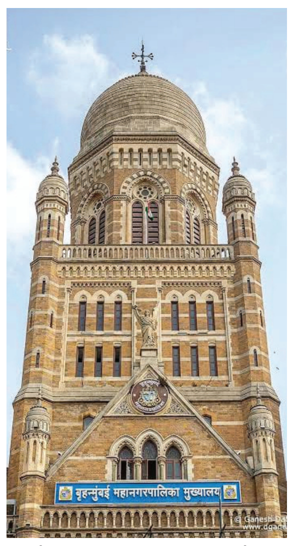

प्रतापराव जाधव, पंकजा मुंडे, मंगलप्रभात लोढा, रावसाहेब दानवे, संजय घाडी, राहुल नार्वेकर, जयकुमार गोरे और सना मलिक के नाम 2-2 बार, जबकि रविंद्र चव्हाण, चंद्रकांत पाटील और संजय बनसोडे के नाम एक-एक बार दर्ज होने की बात सामने आई है।

राजनीतिक सिफारिशों पर सवाल : आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा कि महानगरपालिका में तबादले प्रशासनिक आवश्यकता, वरिष्ठता और पारदर्शी नियमों के आधार पर होने चाहिए। ऐसे में 225 अधिकारी-कर्मचारियों के नामों के सामने राजनीतिक पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के नाम वाली सूची सामने आना गंभीर सवाल खड़े करता है।

गलगली के अनुसार, यदि अधिकारियों या कर्मचारियों के तबादलों के लिए राजनीतिक दबाव अथवा सिफारिशों का इस्तेमाल किया गया है, तो महानगरपालिका प्रशासन को इसकी जांच करनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि महानगरपालिका आयुक्त मौजूदा नियमों के अनुसार राजनीतिक दबाव डालने वाले अधिकारी वर्ग के खिलाफ आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई करें।

सूची में कई नेताओं के नाम : सूची में अलग-अलग अधिकारी-कर्मचारियों के नाम के सामने राजनीतिक नेताओं के नाम दर्ज हैं। इनमें एकनाथ शिंदे, रामदास आठवले, गिरीश महाजन, कालिदास कोळंबकर, मंगेश कुडाळकर, अण्णा बनसोडे, तुकाराम काते, मुरजी पटेल, दिलीप लांडे, नरहरी झिरवळ, राहुल शेवाळे, प्रकाश सुर्वे, उदय सामंत, रविंद्र वायकर, प्रसाद लाड, सुनील प्रभू, पंकजा मुंडे, मंगलप्रभात लोढा, रावसाहेब दानवे और अन्य जनप्रतिनिधियों के नाम शामिल हैं। सूची में कई अधिकारियों के सामने एक से अधिक नेताओं के नाम भी दर्ज हैं। उदाहरण के तौर पर कुछ अधिकारियों के नाम के सामने दो या तीन राजनीतिक व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं।

प्रशासनिक पारदर्शिता पर उठे सवाल : महानगरपालिका में इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी और कर्मचारी महत्वपूर्ण नागरिक परियोजनाओं, सड़क, पुल, भवन, जलनिकासी और अन्य बुनियादी ढांचा संबंधी कार्यों से जुड़े होते हैं। ऐसे में तबादलों की प्रक्रिया में यदि राजनीतिक सिफारिशों की भूमिका है, तो इससे प्रशासनिक पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

फिलहाल सामने आई सूची राजनीतिक सिफारिशों के उल्लेख का दस्तावेज है; यह अपने आप में यह निर्णायक प्रमाण नहीं है कि सूची में दर्ज प्रत्येक सिफारिश के आधार पर तबादला किया ही गया था। इसलिए पूरे मामले में महानगरपालिका प्रशासन की ओर से सूची की सत्यता, सिफारिशों की प्रकृति और उनके आधार पर लिए गए निर्णयों की जांच महत्वपूर्ण होगी।

दिवा प्रभाग समिति में अधिकारी 'गायब', बायोमेट्रिक हाजिरी की मांग : पूर्व नगरसेवक हीरा पाटील

नागरिकों को लगाने पड़ रहे कार्यालय के चक्कर

तरुणमित्र सारा पुरी

दीवा। दिवा प्रभाग समिति कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों की कथित अनियमित उपस्थिति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। विभिन्न विभागों के अधिकारी समय पर कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने के कारण आम नागरिकों को अपने काम के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस समस्या पर तत्काल लगाम लगाने के लिए दिवा प्रभाग समिति कार्यालय में बायोमेट्रिक हाजिरी प्रणाली शुरू करने की मांग पूर्व नगरसेवक हिरा सिताराम पाटील ने की है। इस संबंध में पाटील ने 1 सितंबर को दिवा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त को लिखित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने पर नागरिकों को अलग-अलग कारण बताए जाते हैं। कभी कहा जाता है कि नगर अभियंता ने बुलाया है, तो कभी अतिरिक्त आयुक्त या आयुक्त के पास बैठक के लिए जाने की बात कही जाती है। इसके चलते नागरिकों के काम लंबित रहते हैं और उन्हें दोबारा कार्यालय आना पड़ता है।

'अधिकारी कहां हैं'— नागरिकों को नहीं मिलती जानकारी : पाटील ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए निर्धारित समय पर उपस्थित रहना आवश्यक है। कार्यालयीन कार्य के लिए बाहर जाने पर मूवमेंट रजिस्टर में इसकी जानकारी दर्ज करना भी जरूरी है। लेकिन इन नियमों का प्रभावी पालन नहीं होने से कार्यालयीन व्यवस्था और प्रशासन की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इन आउट का पूरा रिकॉर्ड होगा दर्ज : पाटील के मुताबिक, बायोमेट्रिक हाजिरी शुरू होने से प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी के कार्यालय में आने और जाने का सटीक इन आउट रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। इससे देर से आने, समय से पहले कार्यालय छोड़ने और अनधिकृत अनुपस्थिति पर नियंत्रण लगाया जा सकेगा। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करना भी आसान होगा। उन्होंने कहा कि "नियम केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी लागू होने चाहिए। अधिकारी-कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति से ही नागरिकों के काम समय पर पूरे होंगे।" पूर्व नगरसेवक हिरा पाटील ने मांग की है कि दिवा प्रभाग समिति में बायोमेट्रिक हाजिरी तत्काल लागू की जाए, उपस्थिति का पारदर्शी रिकॉर्ड रखा जाए और बिना अनुमति गैरहाजिर रहने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सिविल अस्पताल की 'टेली-कंसल्टेशन' बन रही मरीजों के स्वास्थ्य की डिजिटल संजीवनी

- डेढ़ साल में 4,500 मरीजों को मिली ऑनलाइन चिकित्सा सलाह

तरुणमित्र, ब्यूरो

ठाणे। बीमारी के दर्द के साथ अस्पताल तक पहुंचने की भागदौड़ भी कई लोगों के लिए बड़ी चुनौती होती है। ऐसे समय में तकनीक का साथ और चिकित्सा सेवा का मानवीय स्पर्श मरीजों के लिए राहत बन रहा है। ठाणे सिविल अस्पताल की टेली-कंसल्टेशन सेवा के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन चिकित्सा सलाह उपलब्ध कराई जा रही है। अप्रैल 2025 से अब तक करीब 4,500 मरीजों ने इस सेवा का लाभ उठाया है। इस सेवा के तहत बुखार, उल्टी, जोड़ों का दर्द, ऑस्टियोआर्थराइटिस, सर्दी,

सिरदर्द, चोट, एलर्जी, आंखों में जलन, मितली, एसिडिटी, दस्त, कब्ज, पेट दर्द और कमजोरी जैसी विभिन्न सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं पर ऑनलाइन चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया गया। जिला सर्जन डॉ. कैलास पवार और अतिरिक्त जिला सर्जन डॉ. धीरज महांगडे के मार्गदर्शन में संचालित यह सेवा वरिष्ठ नागरिकों, दूरदराज से आने वाले तथा यात्रा करने में कठिनाई महसूस करने वाले मरीजों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रही है। 'इलाज से कोई भी वंचित न रहे' की भावना के साथ डिजिटल माध्यम से चिकित्सा सेवा मरीजों के घर तक पहुंचाने की सिविल अस्पताल की यह पहल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक जनोन्मुखी कदम बन रही है। टेली-कंसल्टेशन से समय, यात्रा का खर्च और अस्पताल में इंतजार की परेशानी कम करने में मदद मिल रही है। प्राथमिक स्वरूप की स्वास्थ्य समस्याओं पर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन मिलने के कारण आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को आगे के उपचार के लिए भी उचित दिशा मिलती है। यही वजह है कि सिविल अस्पताल की यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवा आम नागरिकों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है। जिला शल्य चिकित्सक डॉ कैलाश पवार ने बताया "तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा मरीजों के दरवाजे तक पहुंचाना ही टेली-कंसल्टेशन का मुख्य उद्देश्य है। 4,500 मरीजों का प्रतिसाद इस सेवा के प्रति जनता के विश्वास की पावती है।"

लूपिन फाऊंडेशन ने जिला परिषद को किया ४थॉ मोबाइल मेडिकल वैन भेंट

जिले के दुर्गम इलाकों में लाखों लोगों को मिलेगा फायदा

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। जिले के अति दुर्गम क्षेत्र डहाणू और पालघर तालुका इलाके के लिए मेर्सस लूपिन लिमिटेड की सीएसआर शाखा 'लूपिन ह्यूमन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन' द्वारा महाराष्ट्र सरकार की स्वास्थ्य विभाग के सहयोग में भेंट की गयी ४थीं मोबाइल मेडिकल वैन के जरिए तकरीबन ६लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी लाभ पंहुचने वाली है। पालघर जिला परिषद के प्रांगण में मंगलवार,०१ सितंबर

को मोबाइल मेडिकल वैन का लोकार्पण जिला परिषद के सीईओ मनोज रानडे,लुपिन फाऊंडेशन सीएसआर हेड तुषार संखे, जिला आरोग्य अधिकारी डॉ संतोष चौधरी और मेर्सस लुपिन लिमिटेड तारापुर के जनरल मैनेजर राजेंद्र फिरके के शुभ हाथों संपन्न हुई। एक जानकारी के मुताबिक पिछले ३ वैन के जरिए पालघर,डहाणू, विक्रमगढ़,तलासरी, जव्हार और वाडा तालुकाओं में स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जा रही है। अब नये मोबाइल मेडिकल वैन से जहां अब तक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नही हो पा रही थी आसानी से प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, बिमारियों की जल्दी पहचान, मेडिकल सलाह और जरुरी इलाज संभव होगा।

क्या होगा सुविधा? मोबाइल मेडिकल वैन में दिल की बिमारियों,क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और दुसरी नॉं- कम्युनिकेबल बिमारियों की जल्दी पहचान और मैनेजमेंट पर फोकस रहेंगी। इस अवसर पर डॉ अजय ठाकरे, तलासरी तालुका आरोग्य अधिकारी डॉ श्रीकांत कुलकर्णी, नचिकेत सुले,आनंद दलवी,अक्षय कुलकर्णी, अभिषेक कुमार,नाजीम पठाण, कृष्णा बजारे और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनता के स्वास्थ्य पर चर्चा शिवसेना गटनेता को लगी टाइमपास

नवी मुंबई मनपा में जोरदार हंगामा; 1 घंटे के लिए महासभा स्थगित

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। नवी मुंबई महानगरपालिका की महासभा में नागरिकों के स्वास्थ्य और अस्पताल सुधार से जुड़े बेहद गंभीर विषय पर उस समय भारी बवाल खड़ा हो गया, जब शिवसेना गटनेता मनोज हलदणकर ने सदन में चल रही स्वास्थ्य नीति की चर्चा को सीधे टाइमपास करार दे दिया. सदन नेता सागर नाईक द्वारा नागरिकों के लिए सुपर स्पेशलिटी और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित अशासकीय प्रस्ताव चर्चा के लिए लाया गया था. चर्चा के दौरान शिवसेना गटनेता ने

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गुणगान शुरू किया, जिस पर महापौर सुजाता पाटील ने तीखा सवाल दागते हुए पूछा कि जब शिंदे नवी मुंबई के भी पालकमंत्री हैं, तो जो काम ठाणे में हुआ वह नवी मुंबई में क्यों नहीं किया गया. इस बहस के बीच मनोज हळदणकर ने स्वास्थ्य संबंधी इस पूरी चर्चा को 'टाइमपास' बता दिया. जनहित के इतने संवेदनशील मुद्दे को टाइमपास कहे जाने पर सत्ताधारी भाजपा नगरसेवक भड़क उठे और उन्होंने गटनेता को आड़े हाथ लेते हुए जोरदार विरोध दर्ज कराया. सत्तापक्ष ने कड़े शब्दों में पूछा कि क्या जनता का स्वास्थ्य और उनकी जिंदगी इनके लिए टाइमपास है. माहौल को बिगड़ता देख महापौर सुजाता पाटील ने भी शिवसेना गटनेता को कड़ी फटकार लगाई और दो टूक कहा कि अगर नागरिकों के स्वास्थ्य पर चर्चा टाइमपास लगती है तो ऐसे जनप्रतिनिधियों को सदन में आना ही नहीं चाहिए. सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ता आक्रोश, तीखी नोकझोंक और हंगामे के चलते स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि महापौर को महासभा की कार्यवाही को 1 घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 3 सितंबर को सेवानिवृत्ति सम्मान निधि का वितरण समारोह का आयोजन

तरुणमित्र, ब्यूरो

ठाणे। वर्षों से यात्रियों की सुरक्षित यात्रा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेकर सड़कों पर सेवा देने वाले यात्री परिवहन चालकों के योगदान को अब सम्मान मिलेगा। गडकरी रंगायतन में गुरुवार, 3 सितंबर को रात 8.30 बजे 65 वर्ष पूरे कर चुके यात्री परिवहन चालकों को सम्मान निधि वितरित की जाएगी। धर्मवीर आनंद दिघे साहेब महाराष्ट्र यात्री परिवहन चालक कल्याणकारी मंडल की 'सेवानिवृत्ति सम्मान योजना' के तहत यह समारोह आयोजित किया गया है। महाराष्ट्र की यात्री परिवहन व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले चालकों की लंबी सेवा को देखते हुए उनके सम्मान के लिए महाराष्ट्र शासन के परिवहन विभाग के सहयोग से यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। वर्षों तक धूप-बारिश और दिन-रात की परवाह किए बिना यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले चालकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का यह प्रयास है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार की प्रमुख उपस्थिति रहेगी। प्रमुख अतिथियों के रूप में वन मंत्री गणेश नाईक, परिवहन मंत्री तथा कल्याणकारी मंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक और राज्यमंत्री माधुरीताई मिसाळ उपस्थित रहेंगी। साथ ही महाराष्ट्र राज्य साहित्य एवं संस्कृति मंडल के उपाध्यक्ष डॉ. प्रा. प्रदीप ढवळ भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर लोकसभा सदस्य डॉ. श्रीकांत शिंदे, नरेश गणपत म्हस्के और सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे (बाल्या मामा) सहित विधान परिषद एवं विधानसभा सदस्य, परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। 65 वर्ष की आयु पूरी कर चुके यात्री परिवहन चालकों की दीर्घकालीन सेवा का गौरव करते हुए उन्हें सम्मान निधि प्रदान की जाएगी। चालकों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से 'सेवानिवृत्ति सम्मान योजना' महत्वपूर्ण मानी जा रही है। परिवहन मंत्री तथा कल्याणकारी मंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम यात्री परिवहन क्षेत्र में जीवन के कई वर्ष सेवा देने वाले चालकों के लिए सम्मान का विशेष अवसर होगा।

इस सम्मान समारोह में नागरिकों, यात्री परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों और चालकों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील मंडल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमांगिनी पाटील ने की है।

लापता 54 वर्षीय महिला का लिफ्ट डक्ट में मिला शव, मोबाइल लोकेशन से सुराग : पुलिस ने दर्ज किया ADR

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : भिवंडी शहर के धोबी तालाव इलाके में सोमवार शाम से लापता 54 वर्षीय महिला का शव मंगलवार को एक इमारत के लिफ्ट डक्ट में मिला। मृतक महिला की पहचान शाहीन मोहम्मद सुलतान शेख (54), निवासी हाजी सुलेमान अपार्टमेंट, धोबी तालाव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शाहीन शेख सोमवार शाम अपने घर के सामने स्थित सड़क पार कर राबिया अपार्टमेंट में रहने वाली अपनी बहन के घर गई थीं। रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने घर लौटने के लिए निकलीं, लेकिन घर नहीं पहुंचीं। परिवार ने रात में उनकी तलाश की और मंगलवार सुबह भोईवाडा पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस

ने महिला के मोबाइल नेटवर्क की तकनीकी जांच शुरू की। मोबाइल लोकेशन राबिया अपार्टमेंट परिसर में ही दिखाई देने के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विक्रम मोहिते के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक दीपक जाधव और उनकी टीम ने परिसर में तलाश शुरू की। तलाशी के दौरान महिला का शव इमारत के लिफ्ट डक्ट में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी उपजिला अस्पताल भेज दिया है। मामले में आकस्मिक मौत (ADR) दर्ज कर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

डहाणू: कल बहुजन एकता संगठना का पुलिस स्टेशन पर रहेंगा मोर्चा

विलास रघु पिलैना मामले में नही मिल रहा न्याय।

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

डहाणू(पालघर)। बहुजन एकता संगठना पालघर जिला ईकाई की ओर से डहाणू तालुका के ऐना गांव निवासी विलास रघु पिलैना के साथ कथित तौर पर हुई धोखाधड़ी एवं अन्याय को लेकर अब तक ठोस कार्रवाई नही होने के फलस्वरूप आंदोलन का ऐलान के बाद कल ०३ सितंबर, गुरुवार को डहाणू पुलिस स्टेशन के बाहर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किये जाने का समाचार मिल रहे है। संगठना की ओर से गुरुवार को शांतिपूर्ण आंदोलन को लेकर पहले ही जिलाधिकारी एवं पुलिस

अधिक्षक पालघर, डिवाईएसपी डहाणू और तहसीलदार को आंदोलन के उद्देश्य से परिचित कराते हुए इस संबंध में प्रतिलिपि प्रेषित की जा चुकी है। संगठन द्वारा मीडिया में जारी जिलाध्यक्ष अनिल दत्ताहार की ओर से प्रतिलिपि में बताया गया है कि विलास रघु पिलैना के साथ हुई नाइंसाफी को लेकर संबंधित अधिकारियों से बार-बार दरख्वास्त करने के बाद प्रभावी कार्रवाई और अपेक्षित सहयोग नही मिलने से आदिवासी परिवार का पीड़ीत असहाय हो गया है। जिसके बदौलत कमजोर को न्याय दिलाने के लिए बहुजन एकता संगठना ने शांतिपूर्ण आंदोलन का रुख अख्तियार किया है।

शांतिपूर्ण आंदोलन में रहेंगे शामिल: बहुजन एकता संगठना का शांतिपूर्ण आंदोलन राष्ट्रीय अध्यक्ष सायनाथ रावते, प्रदेश अध्यक्ष कपिल सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है। जिसमें जिला एवं तालुका इकाई के सभी पदाधिकारी, अन्य प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता जैसे अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष हाफिज शेख, उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के तालुकाध्यक्ष पराग यादव बड़ी संख्या में पुलिस प्रशासन के समक्ष निष्पक्ष कार्रवाई का दरख्वास्त रखने के लिए उपस्थित रहेंगे।

सस्ते हवाई टिकट का झांसा देकर स्पेन जाने वाले छात्रों से ठगी

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। नवी मुंबई के ओल्ड पनवेल में उच्च शिक्षा के लिए स्पेन जा रहे छात्रों को सस्ते दाम में हवाई टिकट उपलब्ध कराने के नाम पर 96 हजार 220 रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है. पीड़ित और उनके परिजन जब ऑनलाइन फ्लाइट टिकट तलाश रहे थे, उसी दौरान खुद को प्रवीण तिवारी बताने वाले एक अज्ञात शातिर ने व्हाट्सएप के जरिए उनसे संपर्क साधा और कम कीमत पर टिकट बुक करने का लालच दिया. आरोपी की बातों में आकर पीड़ित ने आवश्यक जानकारी साझा की और अपने बैंक खाते से 96 हजार 220 रुपये ट्रांसफर कर

दिए. इसके बाद आरोपी ने ईमेल पर हवाई यात्रा के टिकट भेजे, जो जांच करने पर पूरी तरह फर्जी पाए गए. ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने तुरंत शिकायत दर्ज कराई. पनवेल शहर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देसूरी में मानवता की मिसाल: नन्हे-मुन्नों के सिर पर सजी खुशियों की छतरी, भामाशाह जैन ने बांटे रेनकोट

कर्मपालसिंह सवाली

देसूरी (पाली) देसूरी कस्बे में सोमवार को उस समय मानवता और भामाशाही की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली, जब मूसलाधार बरसात के बीच आंगनवाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों के सिर पर खुशियों की छतरी के रूप में रेनकोट सज गए। भामाशाह हंसमुख मोतीलाल जैन परिवार द्वारा देसूरी आंगनवाड़ी केंद्र-1 पर आयोजित एक सादे लेकिन प्रेरणादायक कार्यक्रम में सभी बच्चों को उच्च क्वालिटी के रंग-बिरंगे रेनकोट वितरित किए गए। ताकि बरसात के मौसम में भी उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य पर कोई असर न पड़े। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रसिद्ध भामाशाह रमेश सुथार और पूनमचंद सुथार की ओर से सभी बच्चों और उपस्थित महिलाओं को मिष्ठान वितरित कर मुंह मीठा कराया गया।

भाजपा की प्रेरणा से हुआ सेवा कार्य : यह पूरा सेवा कार्य भाजपा मंडल बूथ अध्यक्ष घनश्याम छीपा और युवा नेता अरविंद सिसोदिया की प्रेरणा और प्रयासों से संपन्न हुआ। घनश्याम छीपा ने बताया कि हंसमुख जैन परिवार हमेशा से ही क्षेत्र में शिक्षा और सेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है।

कार्यक्रम में जैसे ही बच्चों को रेनकोट पहनाए गए, आंगनवाड़ी परिसर बच्चों की किलकारियों और खुशियों से गूंज उठा। नन्हे-मुन्ने बच्चों में खुशियों का ऐसा नजारा था जो देखते ही बन रहा था।

क्या बोले भामाशाह हंसमुख जैन? इस अवसर पर भामाशाह हंसमुख मोतीलाल जैन ने कहा कि - "बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर देने के लिए हम सभी को एक परिवार की तरह मिलकर पहल करनी होगी। मैं नन्हे-मुन्ने बच्चों में ही अपनी खुशियां ढूंढता हूं। अगर एक बच्चा भी स्वस्थ और शिक्षित होगा तो हमारा पूरा गांव और क्षेत्र मजबूत होगा।"

उन्होंने आगे कहा, "हमारा मानना है कि हमें जमीन और धरातल से जुड़कर काम करना चाहिए। इन बच्चों का प्रेम और स्नेह हासिल करके हमें इनका साथी बनना है, ताकि यही नन्हे-मुन्ने बड़े होकर अपने गांव देसूरी का नाम पूरी दुनिया में रोशन करें। हम समय-समय पर आंगनवाड़ी और सरकारी विद्यालयों में कॉपी-किताब, बैग और अन्य शिक्षा सामग्री वितरित करते रहेंगे।"

कंधे से कंधा मिलाकर करें मानव सेवा : जैन ने देसूरी के सभी सक्षम साथियों से आह्वान किया कि वे भी मानवता की सेवा में कंधे से कंधा मिलाकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि गाँव का गौरव तभी बढ़ेगा जब हर बच्चा शिक्षित और स्वस्थ होगा। भाजपा नेता अरविंद सिसोदिया ने कहा कि भामाशाह परिवार द्वारा किया गया यह कार्य अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा है।

परंपरागत स्वागत : कार्यक्रम के अंत में भामाशाह परिवार की ओर से सभी अतिथियों का राजस्थानी मारवाड़ी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर और माला पहनाकर भव्य स्वागत-सत्कार किया गया। इस मौके पर भाजपा मंडल बूथ अध्यक्ष घनश्याम छीपा, अरविंद सिसोदिया, कांतिलाल मालवीय, भामाशाह हंसमुख मोतीलाल जैन, इंदिरा दवे, रेखा प्रजापत, मंजू कीर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं मौजूद रहीं।

युद्ध नशों के विरुद्ध : श्री मुक्तसर साहिब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 100 ग्राम हेरोइन सहित 02 नशा तस्कर काबू

अमित मेहता ब्यूरो चीफ पंजाब

श्री मुक्तसर साहिब। पंजाब सरकार और डी.जी.पी. पंजाब द्वारा चलाई जा रही "युद्ध नशों के विरुद्ध" मुहिम के तहत श्री मुक्तसर साहिब पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है।एस.एस.पी. श्री मुक्तसर साहिब श्री अभिमन्यु राणा, आई.पी.एस. के दिशा-निर्देशों पर जिले में नशा तस्करी को रोकने के लिए विशेष मुहिम चलाई जा रही है। इसी मुहिम के तहत एस.पी. (डी) श्री अशोक मीना, आई.पी.एस. के नेतृत्व में इंस्पेक्टर गुरविंदर सिंह, इंचार्ज सी.आई.ए. और पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 02 नशा तस्करों को 100 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित काबू किया है। सी.आई.ए. पुलिस टीम द्वारा गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चैकिंग के दौरान टोल प्लाजा, नजदीक गांव वड़िंग में मौजूद होने पर दो नौजवान संदिग्ध हालत में खड़े दिखाई दिए। पुलिस टीम ने शक के आधार पर उन्हें रोक कर नाम-पता पूछा।पूछताछ के दौरान पहले व्यक्ति ने अपना नाम विशाल सिंह उर्फ शाली पुत्र कुलविंदर सिंह, वासी अम्बेडकर नगर, नजदीक कम्मेआना गेट, फरीदकोट और दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम गगनदीप सिंह उर्फ गगन पुत्र कुलवंत सिंह, वासी अम्बेडकर नगर, नजदीक कम्मेआना गेट, फरीदकोट बताया। पुलिस टीम द्वारा दोनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर उनसे हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। बरामद नशीले पदार्थ का वजन करने पर 100 ग्राम हेरोइन पाई गई। इस संबंध में मुकदमा नंबर 144 दिनांक 31.08.2026, धारा 21(बी), 61 और 85 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत थाना बरीवाला में दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार दोषीः . विशाल सिंह उर्फ शाली पुत्र कुलविंदर सिंह, वासी अम्बेडकर नगर, नजदीक कम्मेआना गेट, फरीदकोट। 2. गगनदीप सिंह उर्फ गगन पुत्र कुलवंत सिंह, वासी अम्बेडकर नगर, नजदीक कम्मेआना गेट, फरीदकोट।

बरामदगीःहुई 100 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) पुलिस द्वारा दोनों दोषियों को माननीय अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। दोषियों से गहराई से पूछताछ की जा रही है, ताकि नशा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों और इस नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी हासिल की जा सके। इस मौके पर एस.एस.पी. श्री मुक्तसर साहिब श्री अभिमन्यु राणा, आई.पी.एस. ने कहा कि जिला श्री मुक्तसर साहिब में नशों के विरुद्ध मुहिम को और तेज किया जाएगा और नशा तस्करों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि नशा तस्करी संबंधी कोई भी जानकारी तुरंत पुलिस के साथ साझा करें, ताकि समाज को नशा-मुक्त बनाने के प्रयासों को और मजबूती मिल सके

सीबीईओ लालाराम प्रजापत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्काउटिंग एक ऐसी गतिविधि है जिसमें सभी संस्था प्रधान ग्रुप लीडर यूनिट लीडर्स स्काउट गाइड्स मिलकर चरित्र का आत्मबोध निर्माण

दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो

देसूरी, पाली। सभी के सहयोग से स्काउट गतिविधियों को देंगे गति राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ सादड़ी द्वारा आयोजित संघ के पदाधिकारीयो की बैठक मंगलवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी देसूरी के प्रांगण में आयोजित हुई। सीबीईओ लालाराम प्रजापत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्काउटिंग एक ऐसी गतिविधि है जिसमें सभी संस्था प्रधान ग्रुप लीडर यूनिट लीडर्स स्काउट गाइड्स मिलकर चरित्र का आत्मबोध निर्माण, आत्मविश्वास, कौशल नेतृत्व, प्रकृति के पास रहकर अनुभव सीखना खुले में बाहरी जीवन जीना बिना थके अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ना और एक जिम्मेदार और उत्तरदाई नागरिक के रूप में अपने आप को तैयार करना ही प्रमुख उद्देश्य है।

इस अवसर पर प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्थानीय संघ सादड़ी छगनलाल भाटी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केसूली एवं प्रकाश मालवीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिंदरली उम्मेंदराम पालीवाल कार्यकारिणी सभाध्यक्ष राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुड़ा जाटान,ऑडिटर भूराराम चौधरी सचिव पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी सहायक सचिव हेमंत कुमार गर्ग संयुक्त सचिव निर्मलापुरी गोस्वामी ट्रेनिंग काउंसलर एवं कोषाध्यक्ष चेनाराम सोलंकी काउंसलर राजेंद्र कुमार केसूली लक्ष्मण राम गिराली नारायण लाल गुड़ा जाटान कार्यकारिणी सभा अध्यक्ष उम्मेंद राम पालीवाल काउंसलर महेंद्रसिंह गहलोत रमेश कुमार सोलंकी ढ़लाराम राठौड विक्रम मीणा एवं स्थानीय संघ सादड़ी के सभी पदाधिकारीयों ने आज मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी देसूरी लालाराम प्रजापत का बहुमान किया कार्यक्रम का संचालन करते हुए रमेश कुमार सोलंकी ने कहा कि स्थानीय संघ सादड़ी के सभी कार्यकर्ता अपनी पुरजोर मेहनत कर स्थानीय संघ को सतत गतिशील बनाए हुए हैं कमिश्नर श्री प्रकाश मालवीय ने कहा कि कोटा मनी जमा करना एक विकट समस्या है जिसे कार्यालय के सहयोग से ही दूर किया जा सकता है इसलिए प्रशासन जब तक धरातल पर एकजुट होकर काम नहीं करेगा तब तक स्काउट गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित नहीं किया जा सकता कोषाध्यक्ष सोलंकी द्वारा आभार प्रकट करते हुए नवनियुक्त अधिकारी महोदय से निवेदन किया कि जिस समय भी आप इंस्पेक्शन के लिए शिक्षण संस्थानों में पधारे हैं तब निश्चित तौर पर आप स्काउटिंग की गतिविधियों का मूल्यांकन अनिवार्य रूप से करें और धरातल पर स्काउट गाइड को सक्रिय करने में प्रशासन द्वारा सहयोग किया जाएगा तो निश्चित तौर पर स्काउटिंग एक मुख्य संगठन के रूप में उभरकर सभी स्काउट एवं गाइड समाज में जागरूकता चाहे वह मतदान के प्रति हो चाहे वह शिक्षा के प्रति हो चाहे प्लास्टिक उन्मूलन के प्रति हो चाहे एक दूसरे के सहयोग की हो चाहे भयंकर ग्रीष्म काल में मुख प्राणियों की सेवा हो परिंडा बंधन का कार्यक्रम हो या विद्यालयों में आयोजित होने वाले विभिन्न प्रकार के समारोह हो जैसे स्वाधीनता दिवस गणतंत्र दिवस प्रार्थना सभा किसी भी प्रकार की सेमिनार में सर्वप्रथम अपना सहयोग प्रदान करते हैं और उसे निस्वार्थ भाव से गतिविधि को सफलतापूर्वक पूरा करने में अपना सतत सहयोग प्रदान करते हैं अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यकारिणी सभा अध्यक्ष ने सबका आभार एवं अभिनंदन करते हुए बैठक के समापन करने की घोषणा की।

ऐसीबीईओ माली ने देसूरी विद्यालय का किया शाला संबलन

तरुणमित्र

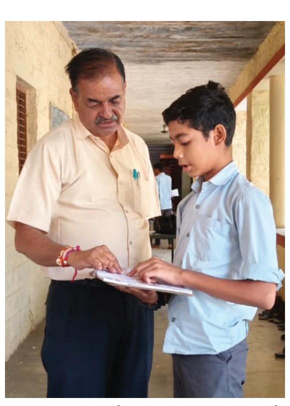

देसूरी । अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी प्रथम देसूरी विजय सिंह माली ने स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय व राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय देसूरी का शाला संबलन कर निर्देश दिए। पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी जगदीश ने बताया कि माली ने बालिका विद्यालय मिशन मानस की गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सराहा। माली ने सुंदर हस्तलेखन के लिए प्रेरित किया।माली ने तत्पश्चात कार्यवाहक संस्था प्रधान निर्मला पुरी गोस्वामी से प्रवेशोत्सव ,मिशन मानस,हरियालो राजस्थान ,एमडीएम,दूध वितरण , लाडो योजना,आधार जनाधार प्रमाणीकरण ,रीडिंग कैंपेन व पुस्तकालय के प्रभावी संचालन की जानकारी ली।माली ने कक्षाओं का निरीक्षण कर शिक्षण स्तर को जांचा व विद्यार्थियों से संवाद कर कार्यपुस्तिकाओं व गृहकार्य की जांच की।इस अवसर पर डा राजश्री शर्मा ,श्रवणकुमार,किरण , ममता व्यास ,दुर्गा चौधरी,कुलदीप भीमावत,कौशल्या पुरी,पूजा पहाड़ियां,नंद किशोर ,भरत राईका,शैलेंद्र सिंह मीना सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। तत्पश्चात माली ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देसूरी का शाला संबलन किया। माली ने लाडो योजना आवेदन व रीडिंग प्रमोशन कैंपेन की जानकारी ली व आवश्यक निर्देश दिए। माली ने विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर को जांचा व कार्य पुस्तिकाओं व उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए।माली ने एम डी एम ,दूध वितरण,पुस्तकालय पुस्तक वितरण व मूवमेंट रजिस्टर का भी अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए।माली ने पुस्तकालयाध्यक्ष नरेंद्र कुमार मीना से पुस्तकालय की गतिविधियों की जानकारी ली व सराहा ।इस अवसर पर विनोद पुरी ,सुरेश कुमार मोबारशा ,कृष्ण कुमार यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि शिक्षा विभागीय अधिकारी विद्यालयों में पहुंच कर शाला संबलन एप के माध्यम से विद्यालय के शैक्षिक सहशैक्षणिक प्रगति को परखते हैं।

निकाय चुनाव को देखते हुए अवैध शराब कारोबार और तस्करी पर विशेष निगाह

राज्य में कई स्थानों पर एक साथ की कार्रवाई

दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो

जयपुर, 1 सितंबर। प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने बताया कि ऐसे अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। बीकानेर शहर एवं नोखा में आबकारी निरोधक दल ने कार्रवाई करते हुए 3 अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए 2 अभियोग दर्ज किए। श्रीगंगानगर के ग्रामीण क्षेत्र में दबिश कार्रवाई में 100 लीटर वॉश नष्ट किया। पाली जिले के सोजत में अवैध मदिरा पर महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को मौके पर गिरफ्तार किया गया। टोंक के मालपुरा वृत्त में दबिश की कार्रवाई में 1200 लीटर वॉश नष्ट किया गया।

राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला-बोल, खड़गे के अपमान पर बीजेपी पर फूटा गुस्सा

तरुणमित्र
अमित मेहता ब्यूरो चीफ हरियाणा

आज मुख्यालय, चंडीगढ़ में एच पी सी सी हरियाणा कांग्रेस ने भाजपा की तानाशाही के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया, जिसकी तस्वीर आप देख रहे हैं।हाथों में "एफ आई आर वापिस लो" के पोस्टर लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार को ललकारा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भाजपा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और सच की आवाज से डर गई है, इसलिए झूठी एफ आई आर का सहारा ले रही है।

कांग्रेस की 2 मुख्य मांगः नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज राजनीति से प्रेरित एफ आई आर को तुरंत रद्द किया जाए। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम स्थल का 'शुद्धिकरण' करने जैसे शर्मनाक और दलित-विरोधी कृत्य करने वालों पर ऐसी एस टी / एक्ट के तहत तुरंत एफ आई आर दर्ज हो। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने कहा - "भाजपा की हालत अब 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' जैसी हो गई है।" जनता में पकड़ खो चुकी भाजपा अब कांग्रेस को एफ आई आर से डराना चाहती है। खड़गे के अपमान से साबित हो गया है कि भाजपा की मानसिकता दलित-विरोधी है और वो जानबूझकर ऐसे लोगों को बचा रही है। एच पी सी सी ने चेतावनी दी है कि अगर एफ आई आर वापस नहीं ली गई तो हर जिले में भाजपा के खिलाफ उग्र प्रदर्शन होगा।

श्री मुक्तसर साहिब पुलिस द्वारा घर पर पेट्रोल बम फेंक कर और पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने के मामले में 04 दोषी ट्रेस, 02 गिरफ्तार

अमित मेहता ब्यूरो चीफ पंजाब

श्री मुक्तसर साहिब, 2026ः पंजाब सरकार और डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, पंजाब के दिशा-निर्देशों के अनुसार श्री अभिमन्यु राणा, आई.पी.एस., सीनियर कप्तान पुलिस, श्री मुक्तसर साहिब के नेतृत्व में जिले में अपराधियों और समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी अभियान के तहत श्री अशोक मीना, आई.पी.एस., एस.पी. (डी.) और श्री बचन सिंह डी.एस.पी. श्री मुक्तसर साहिब की निगरानी में इंस्पेक्टर रविंदर कौर, मुख्य अफसर थाना सिटी श्री मुक्तसर साहिब और पुलिस टीमों द्वारा घर में पेट्रोल बम फेंकने और पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने के मामले को सुलझाते हुए 04 दोषियों को ट्रेस किया गया है, जिनमें से 02 मुलजिमों को गिरफ्तार करके वारदात के समय इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।मामले संबंधी जानकारी मुदई पवन कुमार पुत्र तारा चंद वासी गोनेवाना रोड, श्री मुक्तसर साहिब के बयान के अनुसार दिनांक 04-08-2026 को रात करीब 10:30 बजे कुछ व्यक्तियों द्वारा उसके घर के गेट और छत पर पेट्रोल बम फेंक कर और पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी गई। वारदात के बाद मुदई और उसके परिवार द्वारा शोर मचाने पर मुलजिम मौके से फरार हो गए।इस संबंध में थाना सिटी श्री मुक्तसर साहिब में मुकदमा नंबर 271 दिनांक 29-08-2026, धारा 326(G), 112, 191 BNS के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।तफ्तीश के दौरान पुलिस टीमों द्वारा टेक्निकल इनपुट्स और खुफिया सूत्रों की मदद से वारदात में शामिल 04 दोषियों को ट्रेस किया गया, जिनमें से 02 दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गिरफ्तार मुलजिम : साजन उर्फ लंडी पुत्र देव राज उर्फ देव, वासी गोनेवाना रोड, गली नंबर 3, श्री मुक्तसर साहिब, उम्र करीब 19 साल। 2. सुखविंदर सिंह उर्फ बिल्ला पुत्र जंगीर सिंह, वासी गोनेवाना रोड, श्री मुक्तसर साहिब, उम्र करीब 51 साल। पुलिस टीमों द्वारा दोनों मुलजिमों को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। मुलजिमों के पास से वारदात के समय इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल नंबर PB30J3634, मार्का पल्सर, रंग काला भी बरामद की गई है

वारदात का कारण : प्रारंभिक पूछताछ के दौरान सामने आया है कि मुलजिमों और शिकायतकर्ता पक्ष के बीच पहले से लड़ाई-झगड़ा/रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते गुस्से में आकर वारदात को अंजाम दिया गया।

पिछला आपराधिक रिकॉर्ड : गिरफ्तार मुलजिम सुखविंदर सिंह उर्फ बिल्ला के खिलाफ पहले भी NDPS एक्ट के तहत 02 मुकदमे दर्ज हैं।

अगली तफ्तीश : गिरफ्तार मुलजिमों को माननीय अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा। रिमांड के दौरान मुलजिमों से वारदात में शामिल अन्य व्यक्तियों और बाकी ट्रेस किए गए दोषियों के संबंध में पूछताछ की जाएगी। पूछताछ के दौरान और भी अहम खुलासे होने की संभावना है।

अखंड सौभाग्य की कामना : आस्था के साथ मनाई तीज

तरुणमित्र, रवीना प्रजापति

घाणेराव। 'तीज' का पर्व पूर्ण निष्ठा के साथ मनाया गया। अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए सुहागिन महिलाओं ने यह कठिन व्रत रखा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, तीज का यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है। महिलाओं का मानना है कि इस दिन पूरे विधि-विधान और निष्ठा के साथ व्रत रखने से दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहती है और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। दिनभर चले इस उत्सव के बाद शाम को महिलाओं ने कथा सुनी और विधिपूर्वक पूजन संपन्न किया। बाजारों में मिठाइयों और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर भारी भीड़ देखने को मिली।शाम को कथा सुनने के बाद महिलाओं ने चंद्रमा को अर्घ्य देकर अपने व्रत का पारण किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

सड़क सुरक्षा शिक्षा पर सेमिनार आयोजित

तरुणमित्र

उदयपुर, 1 सितंबर। सड़क सुरक्षा के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाने एवं उन्हें समाज में सड़क सुरक्षा दूत के रूप में तैयार करने के उद्देश्य से मंगलवार को उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) कॉलेज में उदयपुर यातायात पुलिस एवं आधार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा शिक्षा विषय पर विशेष सेमिनार आयोजित किया गया।

सेमिनार में मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) के विद्यार्थियों को "प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" (ट्रैनिंग ऑफ ट्रैनर्स) के तहत सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को इस प्रकार तैयार करना है कि वे अपनी शिक्षा पूर्ण करने के बाद जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, सेवा संकल्प से जुड़ें अथवा किसी एनजीओ या सामाजिक संस्था के साथ कार्य करें, वहां आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर सकें। इस अवसर पर यातायात पुलिस उपाधीक्षक भंवर चौधरी ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से प्रेरित करते हुए कहा कि "आप आने वाले समय के योद्धा हैं, जो सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला सकते हैं।" उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि युवा वर्ग आगे आकर सड़क सुरक्षा के लिए कार्य करेगा तो सड़क दुर्घटनाओं की दर में प्रभावी रूप से कमी लाई जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आधार फाउंडेशन के नारायण चौधरी ने बताया कि विद्यार्थियों को केवल सड़क सुरक्षा के सामान्य नियमों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें समय-समय पर कम्यूनिटी ट्रैफिक पुलिस, क्रैश टेस्ट इन्वेस्टिगेशन सामुदायिक यातायात पुलिस द्वारा दुर्घटना प्रशिक्षण और जांच, सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण, दुर्घटनाओं की रोकथाम, दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को समय पर सहायता पहुंचाने तथा प्राथमिक सहायता एवं बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से एक ऐसी युवा टीम तैयार की जाएगी जो सड़क दुर्घटनाओं के कारणों और उनके प्रभावों का अध्ययन कर सके। इसके साथ ही दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति की स्थिति अत्यधिक गंभीर होने के प्रमुख कारणों तथा कहां और किस स्तर पर सुधार की आवश्यकता है, इस विषय पर रिपोर्ट तैयार करने की दिशा में भी विद्यार्थियों को कार्य कराया जाएगा।

कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि कॉलेज आधार फाउंडेशन एवं यातायात पुलिस के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में आगे भी सक्रिय रूप से कार्य करेगा। कॉलेज के विद्यार्थी यातायात व्यवस्था में सुधार, जनजागरूकता एवं सड़क सुरक्षा अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में यातायात पुलिस उपाधीक्षक भंवर जी चौधरी द्वारा सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का पालन करने, दूसरों को जागरूक करने तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

नगर निकाय चुनाव-2026 : मतदान से मतगणना तक तैयारियां तय

14 सितंबर को सुबह 9 बजे से होगी मतगणना, 8 सितंबर से अंतिम प्रशिक्षण

तरुणमित्र
ब्यूरो चीफ ऋचा पानेरी

उदयपुर, 1 सितंबर। नगर निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर गौरव अग्रवाल ने मतदान से लेकर मतगणना तक की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। जिले में नगर निगम उदयपुर सहित भींडर, कानोड़, वल्लभनगर, मावली एवं फतहनगर-सनवाड़ नगरपालिकाओं में चुनाव होंगे।

चुनाव प्रक्रिया के तहत मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण 8 सितंबर से शुरू होगा। भींडर, वल्लभनगर एवं फतहनगर-सनवाड़ के मतदान दलों का प्रशिक्षण 8 सितंबर को सुबह 8 बजे सुखाड़िया रंगमंच में होगा। कानोड़ व मावली के दलों तथा नगर निगम उदयपुर के मतदान दलों का प्रशिक्षण 10 सितंबर को निर्धारित किया गया है। नगर निगम के दलों को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

8 सितंबर को रवाना होंगे प्रथम चरण के मतदान दल : प्रथम चरण के तहत 9 सितंबर को होने वाले मतदान के लिए भींडर, वल्लभनगर एवं फतहनगर-सनवाड़ के मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण के बाद निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना होंगे। मतदान सामग्री एवं ईवीएम के वितरण और जमा कराने के लिए संबंधित स्थानों पर विशेष व्यवस्था की गई है। नगर निगम उदयपुर के लिए राजस्थान कृषि महाविद्यालय को सामग्री वितरण एवं संग्रहण केंद्र बनाया गया है।

प्रमुख तिथियां

- 8 सितंबर — भींडर, वल्लभनगर व फतहनगर-सनवाड़ के मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण
- 9 सितंबर — प्रथम चरण में मतदान
- 10 सितंबर — कानोड़, मावली व नगर निगम उदयपुर के मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण
- 11 सितंबर — कानोड़, मावली व नगर निगम उदयपुर में मतदान
- 12 सितंबर — मतगणना स्टाफ का प्रशिक्षण
- 14 सितंबर — सुबह 9 बजे से मतगणना

14 सितंबर को होगी मतगणना : सभी नगर निकायों के चुनाव की मतगणना 14 सितंबर 2026 को सुबह 9 बजे से संबंधित नगर पालिका मुख्यालयों पर शुरू होगी। नगर निगम उदयपुर की मतगणना राजस्थान कृषि महाविद्यालय में होगी। यहां वार्डवार समूह बनाकर अलग-अलग मतगणना कक्ष निर्धारित किए गए हैं। वार्ड 1 से 16 की गणना कक्ष संख्या 1, वार्ड 17 से 32 की कक्ष संख्या 4, वार्ड 33 से 48 की कक्ष संख्या 7, वार्ड 49 से 64 की कक्ष संख्या 8 तथा वार्ड 65 से 80 की मतगणना कक्ष संख्या 11 में होगी।

मतगणना के दौरान सांख्यिकी संबंधी सूचनाएं तैयार करने, अंतिम परिणाम निर्धारित प्रपत्रों में तैयार करने और वेबसाइट पर अपलोड करने की भी व्यवस्था की गई है। ईवीएम के डीएमएम कार्ड सहित निर्वाचन सामग्री को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा, भोजन और परिवहन की भी व्यवस्था : निर्वाचन कार्य में लगे कार्मिकों के लिए चिकित्सा, भोजन और परिवहन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मतदान कार्मिकों के ठहराव तथा मतदान के बाद उनके तहसील मुख्यालय तक पहुंचने के लिए आवश्यकतानुसार वाहनों की व्यवस्था की जाएगी।

विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, विद्यालयों में सुरक्षित भवन, स्वच्छ शौचालय और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें- मुख्य सचिव

स्कूल आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए 12,335.90 करोड़ रुपये की कार्ययोजना प्रस्तावित

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर, 1 सितम्बर। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ द्वारा डी.बी. सिविल रिट पिटीशन संख्या 11613/2025 में 11 अगस्त, 2026 को दिए गए निर्देशों की अनुपालना की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में सुरक्षित आधारभूत संरचना, शौचालय, स्वच्छता एवं पेयजल सुविधाओं से संबंधित बिंदुओं पर विभागवार प्रगति और अनुपालना की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी जर्जर अथवा असुरक्षित विद्यालय भवन और कक्षा-कक्ष का उपयोग नहीं किया जाए। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों में सुरक्षित भवन और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालय भवनों की सुरक्षा, मरम्मत एवं पुनर्निर्माण से संबंधित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने को भी कहा। श्री श्रीनिवास ने विद्यालयों में पेयजल की उपलब्धता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कोई भी विद्यालय पेयजल सुविधा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में नल कनेक्शन अथवा समुचित वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में पर्याप्त एवं स्वच्छ शौचालय, उनकी नियमित सफाई एवं रखरखाव और उचित जल निकासी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही चिकित्सा, तकनीकी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों सहित निजी एवं मेडिकल कॉलेजों में भी पर्याप्त एवं स्वच्छ शौचालय, पेयजल तथा स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने विद्यालयों,उच्च शिक्षा विभाग के कॉलेज,तकनीकी कॉलेजो की सुरक्षा की सतत निगरानी के लिए संयुक्त निदेशकों को नियमित निरीक्षण कर शाला दर्पण पोर्टल पर स्थिति अद्यतन करने के निर्देश दिए। संभाग स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है, जो विद्यालय सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा जर्जर भवनों एवं कक्षा-कक्षों की स्थिति की नियमित समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। ग्राम पंचायतों के माध्यम से राजकीय विद्यालयों में नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को न्यायालय के निर्देशों की तथ्यात्मक एवं बिंदुवार अनुपालना सुनिश्चित करने तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों को अद्यतन आंकड़ों के आधार पर समेकित प्रगति रिपोर्ट तैयार रखने तथा शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने को कहा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा श्री राजेश यादव ने बताया कि प्रदेश के 65 हजार 308 राजकीय विद्यालयों का तकनीकी सर्वेक्षण करवाया गया है। सर्वेक्षण में 3 हजार 768 जर्जर विद्यालय भवन तथा 83 हजार 783 जर्जर कक्षा-कक्ष चिन्हित किए गए। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जर्जर भवनों के उपयोग पर रोक लगाई गई है तथा प्रभावित विद्यालयों के संचालन के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। श्री यादव ने बताया कि स्कूल आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक 12 हजार 335.90 करोड़ रुपये की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है। इसके तहत 3 हजार 587 नए विद्यालय भवनों के निर्माण पर 2 हजार 487.75 करोड़ रुपये, 22 हजार 589 विद्यालयों की वृहद मरम्मत पर 1 हजार 129.45 करोड़ रुपये, 83 हजार 783 जर्जर कक्षा-कक्षों के स्थान पर नए कक्षा-कक्षों के निर्माण पर 8 हजार 378.30 करोड़ रुपये तथा 13 हजार 616 जर्जर शौचालयों के पुनर्निर्माण पर 340.40 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। इस वर्ष स्कूल आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण पर 3 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजकीय विद्यालय भवनों की स्वतंत्र तकनीकी सुरक्षा जांच के लिए आईआईटी जोधपुर और एमएनआईटी जयपुर के सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञों की समिति गठित की गई है। आईआईटी जोधपुर की रिपोर्ट एवं अनुशंसाएं प्राप्त हो चुकी हैं, जबकि एमएनआईटी जयपुर की रिपोर्ट अपेक्षित है।

विद्यालय भवनों के निर्माण, पुनर्निर्माण एवं मरम्मत में राष्ट्रीय भवन संहिता, एनसीपीसीआर स्कूल सुरक्षा दिशा-निर्देश, बीआईएस मानकों तथा अन्य निर्धारित तकनीकी मानकों की पालना सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री ए. राठौड़ सहित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निकाय चुनाव - 2026 : नामांकन के लिए मेले सा माहौल, अंतिम दिन 831 पर्चे दाखिल

- **6 नगर निकायों में अब तक कुल 845 प्रत्याशियों ने भरे 931 नामांकन**
- **नामांकनों की संवीक्षा मंगलवार को, नाम वापसी 3 सितम्बर तक**

तरुणमित्र, उदयपुर ब्यूरो

उदयपुर, 31 अगस्त। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार को पूर्ण हुई। अंतिम तिथि पर नगर निगम उदयपुर सहित जिले के सभी नगर निकायों में मेले सा माहौल रहा। चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों और समर्थकों ने उत्साह के साथ नाम निर्देशन पत्र संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को प्रस्तुत किए। जिले के 6 नगर निकायों में अंतिम दिन सोमवार को कुल 753 प्रत्याशियों ने 831 नामांकन पत्र दाखिल किए। वहीं 27 अगस्त से 31 अगस्त तक जिले में भी कुल 845 प्रत्याशियों ने 931 पर्चे दाखिल किए। इनमें अकेले नगर निगम उदयपुर में 333 प्रत्याशियों ने कुल 379 नामांकन दाखिल किए हैं, जबकि जिले की शेष 5 निकायों में 512 प्रत्याशियों ने 552 पर्चे भरे हैं। नामांकन पत्रों की संवीक्षा मंगलवार को होगी। वहीं नाम वापसी की अंतिम तिथि 3 सितम्बर अपराह्न 3 बजे तक रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार गत 27 अगस्त को अधिसूचना जारी होने के साथ सभी नगर निकायों में शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के तहत सोमवार को नामांकन जमा कराने का अंतिम दिन रहा। उदयपुर नगर निगम में सोमवार को 304 उम्मीदवारों ने 344 पर्चे दाखिल किए। इसके साथ ही नगर निगम में 80 वार्डों के लिए कुल 333 उम्मीदवारों की ओर से 379 पर्चे भरे गए हैं। भीण्डर में 80 उम्मीदवारों ने 87 नामांकन पत्र जमा कराए। यहां कुल 25 वार्डों के लिए 88 उम्मीदवारों ने 95 पर्चे दाखिल किए हैं। वल्लभनगर नगरपालिका में सोमवार को 78 उम्मीदवारों ने 86 पर्चे दाखिल किए। इस प्रकार कुल 20 वार्डों के लिए 117 प्रत्याशियों ने 126 पर्चे दाखिल किए हैं। मावली में सोमवार को 91 उम्मीदवारों के 97 नाम निर्देशन पत्र जमा हुए। इस प्रकार कुल 20 वार्डों के लिए 102 उम्मीदवारों ने 108 पर्चे जमा कराएं हैं। फतहनगर सनवाड़ में सोमवार को 123 उम्मीदवारों ने 140 नाम निर्देशन पत्र जमा कराए। यहां कुल 25 वार्डों के लिए 128 प्रत्याशियों की ओर से 146 नामांकन पत्र जमा कराए गए हैं। नगरपालिका कानोड़ में 20 वार्डों के लिए 77 प्रत्याशियों ने 77 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए हैं।

पेड न्यूज निगरानी के लिए मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी का गठन

ऋचा पानेरी

उदयपुर, 1 सितम्बर। नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) गौरव अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, चुनाव के दौरान पेड न्यूज पर पैनी नजर रखने और उसकी प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए जिला स्तर पर चार सदस्यीय मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी (एमएमसी) का गठन किया गया है। नवगठित जिला स्तरीय कमेटी में अध्यक्ष जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) होंगे। वहीं उपनिदेशक जनसंपर्क को सदस्य सचिव बनाया गया है। विशेषाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, उदयपुर तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर-शहर को कमेटी में सदस्य नियुक्त किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी नगरीय निकाय और पंचायत आम चुनाव-2026 को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावमुक्त बनाना है, ताकि चुनावों में पेड न्यूज के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

यह है पेड न्यूज की परिभाषा

भारतीय प्रेस परिषद और भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, किसी भी मीडिया (प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक) में नकद या वस्तु के रूप में भुगतान के बदले प्रकाशित या प्रसारित होने वाली कोई भी खबर या विश्लेषण पेड न्यूज कहलाता है। इसके तहत किसी उम्मीदवार या दल के पक्ष में इस तरह से प्रचार किया जाता है, जिससे वह विज्ञापन न लगकर एक सामान्य समाचार या आलेख जैसा प्रतीत हो। इससे आम पाठक या दर्शक भ्रमित हो जाते हैं। यह निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करता है क्योंकि मतदाता को उम्मीदवार की सही तस्वीर नहीं मिल पाती। उम्मीदवार अक्सर इस छिपे हुए विज्ञापन के खर्च को अपने आधिकारिक चुनावी व्ययमें नहीं दर्शाते, जो कि चुनावी नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

हिन्दी पूजन से आरम्भ हुआ हिन्दी महोत्सव 2026, ज़िद्दी बालाजी के दरबार में हुआ हिन्दी का पूजन

तरुणमित्र

इंदौर। हिन्दी के प्रचार-प्रसार और विस्तार के लिए मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा विगत सात वर्षों से सितम्बर माह को हिन्दी माह के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी महोत्सव 2026 का शुभारंभ शहर के जिद्दी बालाजी हनुमान मंदिर पर हिन्दीयोद्धाओं द्वारा माँ हिन्दी का पूजन कर किया गया। इस अवसर पर मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल', वरिष्ठ पत्रकार जयसिंह रघुवंशी सहित कई लोग मौजूद रहे। संस्थान द्वारा सितम्बर माह में प्रत्येक दिन देश के अलग-अलग स्थानों पर हिन्दी भाषा प्रचार संबंधित आयोजन कर हिन्दी भाषा के प्रति जनजागृति किया जाएगा। ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन दोनों ही तरीक़ों से विभिन्न आयोजन, प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। इस महोत्सव में देश के प्रत्येक राज्यों को संस्थान द्वारा जोड़ा जा रहा है।

नंदगांव पहुंचे गुजरात के कैबिनेट मंत्री अर्जुन मोरडिया व राज्यसभा सांसद बाबुभाई देसाई, जगद्गुरु शंकराचार्य से लिया आशीर्वाद

चातुर्मास महोत्सव में गोपूजन व गोपरिक्रमा, दोनों अतिथियों ने की नंदगांव की सराहना

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

रेवदर। नंदगांव में इन दिनों गोऋषि स्वामी श्री दत्तशरणानंदजी महाराज के पावन सानिध्य एवं प्रेरणा से श्री सुरभि हरिहर चातुर्मास आराधना महोत्सव आयोजित हो रहा है। महोत्सव में देशभर से राजनीति से जुड़े जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों, ब्यूरोक्रेट्स तथा साधु-संतों का निरंतर समागम हो रहा है। इसी क्रम में गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग के कैबिनेट मंत्री अर्जुन मोरडिया तथा राज्यसभा सांसद एवं द्वारका पीठ ट्रस्ट के अध्यक्ष बाबुभाई देसाई नंदगांव पहुंचे। नंदगांव पहुंचने पर चातुर्मास महोत्सव समिति ने दोनों अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। दोनों अतिथियों ने महोत्सव में विराजमान जगद्गुरु शंकराचार्यजी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात उन्होंने गोमाता का विधिवत पूजन किया तथा गोपरिक्रमा कर श्रद्धा व्यक्त की।

नंदगांव धर्म, संस्कृति और गोसेवा का प्रेरक केंद्र—अर्जुन मोरडिया : गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग के कैबिनेट मंत्री अर्जुन मोरडिया ने कहा कि नंदगांव पहुंचकर उन्हें अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति हुई है। यहां धर्म, संस्कृति, प्रकृति और गोसेवा का जो सुंदर संगम देखने को मिल रहा है, वह अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि गोमाता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण आधार हैं। गोसेवा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, संवेदनाओं और जीवन मूल्यों से जुड़ी हुई है। नंदगांव में जिस समर्पण और सेवा भावना के साथ गोसंरक्षण एवं धार्मिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं, वह समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कारों और सनातन परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

सेवा, संस्कार और सनातन चेतना का केंद्र है नंदगांव—बाबुजी देसाई : राज्यसभा सांसद एवं द्वारका पीठ ट्रस्ट के अध्यक्ष बाबुभाई देसाई ने अपने संबोधन में कहा कि नंदगांव केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि सेवा, संस्कार और सनातन चेतना का जीवंत केंद्र है। यहां का आध्यात्मिक वातावरण और गोमाता के प्रति समर्पण भाव अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि गोमाता भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि परंपरा और सनातन संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई हैं। गोसंरक्षण और गोसेवा को केवल धार्मिक दृष्टि से नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी के रूप में भी देखना चाहिए। बाबुभाई देसाई ने नंदगांव में संचालित गोसेवा कार्यों तथा चातुर्मास महोत्सव की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि जिस भाव और समर्पण के साथ यहां धर्म एवं गोसेवा के कार्य हो रहे हैं वह समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्र सनातन संस्कृति की चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथसिंह राजपुरोहित, सीईओ आलोक सिंहल, वरिष्ठ ट्रस्टी देवाराम जागरवाल, भरतसिंह बसंत, ब्रह्मदत्त राजपुरोहित, रामचन्द्र नेहरा, दिनेश बालेरा, जयेश भाई सहित महोत्सव से जुड़े पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। मंच संचालन किशोरजी शास्त्री, डीसा ने किया एवं स्वागत उद्बोधन रविकुमार निजी सहायक ने किया।

कांग्रेस के एक प्रत्याशी का नामांकन खारिज, वार्ड 146 में भाजपा उम्मीदवार ने नहीं भरा फॉर्म

तरुणमित्र

जयपुर । नगर निगम चुनाव 2026 में नामांकन पत्रों की जांच के बाद कई वार्डों की चुनावी तस्वीर बदल गई है। नगर निगम के वार्ड 111 में कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी ज्वाला प्रसाद का नामांकन खारिज हो गया। वहीं वार्ड 146 में भाजपा प्रत्याशी का नामांकन दाखिल नहीं होने से कांग्रेस के सामने बीजेपी का कोई अधिकृत उम्मीदवार मैदान में नहीं है। दूसरी ओर टिकट वितरण को लेकर भाजपा में नाराजगी भी खुलकर सामने आ गई है। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 98 के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर प्रत्याशी सुभाष सिंघी को टिकट देने का विरोध किया। वार्ड 111 से कांग्रेस प्रत्याशी ज्वाला प्रसाद के नामांकन की स्क्रूटनी में सामने आया कि उनके खिलाफ आपराधिक मामला विचाराधीन है। इसमें 5 साल से अधिक की सजा का प्रावधान है। कोर्ट इस मामले में संज्ञान ले चुका है। वहीं ज्वाला प्रसाद के खिलाफ 29 अगस्त 2024 को आरोप भी तय किए जा चुके हैं। इसी आधार पर रिटर्निंग अधिकारी ने उनका नामांकन निरस्त कर दिया। भाजपा की जारी सूची में वार्ड नंबर 146 से अफसाना को पार्टी प्रत्याशी बनाया गया था, लेकिन उन्होंने नामांकन दाखिल नहीं किया। ऐसे में इस वार्ड में भाजपा का कोई अधिकृत प्रत्याशी चुनाव मैदान में नहीं है। वहीं कांग्रेस ने वार्ड नंबर 146 से अफरोज को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा प्रत्याशी के नामांकन नहीं भरने के बाद यहां चुनावी मुकाबले के समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। अब यह देखना होगा कि भाजपा इस वार्ड में किसी अन्य उम्मीदवार को समर्थन देती है या फिर पार्टी की रणनीति क्या रहती है।

2500 से भी अधिक स्वच्छता योद्धाओं ने संभाली स्वच्छता की कमान, एक ही दिन में 1406 टन कचरे का निस्तारण कर शहर को बनाया स्वच्छ

तरुणमित्र

जयपुर । मानसून के बाद जयपुर शहर को स्वच्छ, सुन्दर एवं स्वस्थ बनाने के संकल्प के साथ नगर निगम जयपुर का विषेष महास्वच्छता अभियान पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा की पहल पर आयोजित किए जा रहे स्वच्छ जयपुर-स्वस्थ जयपुर की थीम पर विशेष स्वच्छता अभियान के तीसरे चरण के तहत मंगलवार को मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर के हर वार्ड, गली, मोहल्ले में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ सुबह 7 बजे अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल द्वारा स्वच्छता वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त स्वास्थ्य ओम थानवी, उपायुक्त मुरलीपुरा जोन श्रद्धा सिंह, उपायुक्त विद्याधर नगर जोन भगवान सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ओम कसेरा ने बताया कि मानसून के बाद शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने तथा स्वच्छ जयपुर-स्वस्थ जयपुर की परिकल्पना को साकार करने के उद्देष्य से 7 सितम्बर तक 6 चरणों में विभिन्न जोनों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में आधुनिक मशीनरी और संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। जिससे कम समय में प्रभावी सफाई सुनिष्चित हो सके। आयुक्त ने इस अवसर पर आमजन से अपील की कि शहर को स्वच्छ रखने में आमजन अपना योगदान दें। जागरूक नागरिक का कत्तव्य निभाये, खुले में कचरा ना फैंके। घर पर आने वाले हूपर में ही कचरा डाले।

मंगलवार को मुरलीपुरा एवं विद्याधर नगर जोन क्षेत्र में स्वच्छता योद्धाओं और मशीनरी की संयुक्त टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों से जमा कचरा, गंदगी, मलबे को हटाया जगह-जगह बने ओपन कचरा डिपो को जेसीबी एवं डम्पर की सहायता से हटाया गया। जलभराव एवं जलनिकासी के स्थानों पर सुपर शुकर सहित संसाधनों का भी उपयोग किया गया। इस अभियान में महिला स्वच्छता योद्धाओं ने भी भागीदारी निभाई करीब 150 से भी अधिक महिला स्वच्छता योद्धाओं ने उत्साह के साथ शहर को स्वच्छ करने के लिये कमान संभाली। विद्याधर नगर जोन में इस अभियान के तहत लगभग 680 टन कचरा तथा मुरलीपुरा जोन क्षेत्र में लगभग 726 टन से भी अधिक कचरा हटाकर शहर को निखारने का कार्य किया। इसके साथ ही 25 अगस्त को प्रथम चरण में मानसरोवर एवं सांगानेर से लगभग 1440 टन कचरा एवं 27 अगस्त द्वितीय चरण के अन्तर्गत किशनपोल एवं हवामहल जोन क्षेत्र से लगभग 1676 टन कचरा नगर निगम की टीमों द्वारा साफ किया गया। इसके साथ ही मौसमी बीमारियों से बचाव के लिये फोगिंग मशीनों से कीटनाशक छिड़काव भी किया गया। इस अभियान के तहत 2500 से भी अधिक स्वच्छता योद्धाओं द्वारा शहर को स्वच्छ करने के साथ-साथ करीब 5 दर्जन से भी अधिक संसाधनों को मैदान में उतारा गया जिसमें 16 जेसीबी, 22 डम्पर, 21 ट्रेक्टर, ट्राली, 4 लिटर पीकर मशीन, 4 फोगिंग मशीन, 4 लेवलर, 11 हूपर, 1 रोड़ स्वीपर को बेडे में शामिल कर शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने के लिये पूरी ताकत झोकी। इसके साथ ही नगर निगम की होर्डिग टीमों द्वारा भी आचार संहिता की प्रभावी पालना सुनिष्चित करने हेतु 6500 बड़े होर्डिग, बैनर, 10 हजार पोस्टर, बैनर तथा 50 गेट्री हटाई जा चुकी है। अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल ने बताया कि आगामी अभियान 3 सितम्बर को झोटवाड़ा व वैषाली नगर जोन, 5 सितम्बर को सिविल लाईन एवं आदर्श नगर जोन एवं 7 सितम्बर को जगतपुरा, झालाना व मालवीय नगर जोन में प्रातः 7.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा।

बागियों ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की मुश्किलें: बीस से ज्यादा वार्डों में आमने-सामने

तरुणमित्र

जयपुर । नगर निगम चुनाव-2026 में टिकट वितरण के बाद भाजपा और कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दोनों दलों के 20 से ज्यादा वार्डों में टिकट से नाराज दावेदार बागी होकर निर्दलीय मैदान में उतर गए हैं। ऐसे में कई वार्डों में अधिकृत प्रत्याशियों के सामने अपनी ही पार्टी के बागियों की चुनौती खड़ी हो गई है। नाम वापसी की अंतिम तारीख से पहले दोनों दलों के वरिष्ठ नेता डैमेज कंट्रोल में जुटे हैं और नाराज नेताओं को मनाने की कोशिश की जा रही है। भाजपा के वार्ड-6 में संगीता बंदारा ने बागी होकर नामांकन दाखिल किया है। पार्टी ने यहां मंजू अग्रवाल को प्रत्याशी बनाया है। वार्ड-15 में पंकज गोयल और तरुण गठोड़ भाजपा प्रत्याशी विक्रम सिंह रुदल के लिए चुनौती बने हैं।

भाजपा के लिए वार्ड-16 की स्थिति सबसे चुनौतीपूर्ण है। यहां निवर्तमान पार्षद दिनेश कांवट और भाजपा मंडल उपाध्यक्ष महिपाल सिंह ने बागी होकर चुनावी मैदान संभाल लिया है। वार्ड-29 में विक्रम सिंह भाजपा प्रत्याशी महादेव बागड़ा के सामने चुनौती बने हुए हैं। कांग्रेस में भी कई वार्डों में बागियों ने अधिकृत प्रत्याशियों की चिंता बढ़ा दी है। वार्ड-50 में विक्रम वाल्मीकि, वार्ड-78 में राजेश कुमावत और वार्ड-84 में हरीश बैरवा बागी होकर चुनाव मैदान में हैं। वार्ड-103 में अजहरुद्दीन कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद हनीफ को चुनौती दे रहे हैं, जबकि वार्ड-109 में इकराम और रईस खान की मौजूदगी से कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद अयूब के सामने वोट बंटने का खतरा है। वार्ड-77 में भाजपा के बागी रमेश सैनी, वार्ड-81 में स्वाति प्रणामी और वार्ड-86 में आशा ने पार्टी प्रत्याशियों के सामने चुनौती खड़ी की है। वार्ड-88 में अल्पना अग्रवाल और वार्ड-90 में पवन यादव भाजपा से बागी होकर मैदान में हैं। वार्ड-101 में मनोज मुद्गल की बगावत से भाजपा के साथ कांग्रेस के चुनावी समीकरण पर भी असर पड़ने की संभावना है। वार्ड-104 में भाजपा के अरुण गठोड़ और कांग्रेस के सुनील ने बगावत कर मुकाबले को रोचक बना दिया है। वार्ड-110 में कांग्रेस के अकबर पठान, वार्ड-113 में भाजपा के मुस्ताक अहमद और वार्ड-114 में कांग्रेस के फारुख मैदान में हैं। वार्ड-136 में कांग्रेस के निवर्तमान डिप्टी मेयर असलम फारुखी की पत्नी के बागी उम्मीदवार के रूप में उतरने से पार्टी की परेशानी बढ़ी है। वार्ड-146 में शबनम खान तथा वार्ड-147 में वईस और जुनैद कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने चुनौती बने हुए हैं।

राजस्थान की 'केस रिव्यू प्रणाली' को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने बताया 'नेशनल बेस्ट प्रैक्टिस'

तरुणमित्र

जयपुर । राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने मंगलवार को शासन सचिवालय में राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के साथ बैठक की। बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण, अत्याचार के मामलों में त्वरित न्याय तथा कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने आयोग अध्यक्ष को बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार एससी और एसटी वर्ग के हितों के संरक्षण तथा उन्हें समय पर न्याय दिलाने के लिए संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। पुलिस और प्रशासन की ओर से मामलों की नियमित समीक्षा करने के परिणामस्वरूप प्रदेश में एससी-एसटी अत्याचार से जुड़े प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। बैठक में राजस्थान की 'केस रिव्यू प्रणाली' विशेष चर्चा का विषय रही। आयोग अध्यक्ष किशोर मकवाना ने पुलिस एवं प्रशासन की इस व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे 'नेशनल बेस्ट प्रैक्टिस' बताया। इस व्यवस्था के तहत बंद किए गए अथवा अंतिम रिपोर्ट वाले मामलों में से 20 प्रतिशत तक मामलों की उच्च स्तर पर दोबारा जांच और गहन समीक्षा की जाती है। समीक्षा के दौरान यदि जांच में किसी प्रकार की त्रुटि अथवा लापरवाही सामने आती है तो मामले को फिर से खोला जाता है। साथ ही संबंधित अधिकारी के खिलाफ सतर्कता जांच की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाती है। आयोग ने राजस्थान की इस व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह मॉडल बताते हुए इसे अन्य राज्यों में भी अपनाने पर जोर दिया। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बैठक में बताया कि प्रभावी निगरानी के कारण प्रदेश में एससी एवं एसटी अत्याचार के मामलों में कमी आई है। साथ ही 60 दिन के भीतर चालान पेश करने की दर में भी सुधार हुआ है। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए संवेदनशील घटनाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। विशेष रूप से बिंदोली और घोड़ी चढ़ने जैसी संवेदनशील घटनाओं की पुलिस स्तर पर सतत मैपिंग की जा रही है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल और सख्त कार्रवाई की जा सके। पीड़ित परिवारों को प्राथमिकी और चालान के स्तर पर ही समयबद्ध आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा प्रवासी पीड़ितों को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा दिलाने की व्यवस्था पर भी बैठक में चर्चा हुई। विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के पात्र लाभार्थियों को विभागीय योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराया जा रहा है।

साइबर ठगी से बचाव का संदेश देगा 'साइबर सुरक्षित राजस्थान' अभियान

तरुणमित्र

जयपुर । राजस्थान पुलिस सितंबर माह को 'साइबर सुरक्षित राजस्थान' जन-जागरूकता माह के रूप में मनाएगी। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर महीनेभर चलने वाले अभियान में आमजन को ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी सहित साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए जाएंगे।

अतिरिक्त डीजीपी साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह के अनुसार अभियान के लिए राज्य स्तर पर एसपी-1 (R4C) को नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रत्येक जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी जिला नोडल अधिकारी होंगे। पुलिस थानों के साइबर अपराध से जुड़े अधिकारी पेंशन विभाग के सहयोग से पेंशनर्स और वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट, निवेश ठगी और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताएंगे। जिला कलेक्टर और शिक्षा विभाग के समन्वय से स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में व्याख्यान, कार्यशाला, प्रश्नोत्तरी, सेमिनार और प्रतियोगिताएं होंगी। विद्यार्थियों की ओर से मानव श्रृंखला बनाकर भी साइबर सुरक्षा का संदेश दिया जाएगा। बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे व मेट्रो स्टेशन, धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, ऑडियो-वीडियो संदेश और जागरूकता स्टॉल लगाए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर तक अभियान पहुंचाया जाएगा। युवाओं को जोड़ने के लिए साइबर स्वयंसेवकों, एनएसएस और एनसीसी कैडेट्स की भागीदारी रहेगी। आरएसी इकाइयों और खेल विभाग के सहयोग से दौड़ व साइकिल रैली भी आयोजित की जाएंगी। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स तथा खेल और सिनेमा जगत की हस्तियों के माध्यम से वीडियो अपील जारी की जाएंगी। एफएम, टीवी, सिनेमा हॉल, केबल टीवी और डिजिटल डिस्प्ले के जरिए हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं में साइबर सुरक्षा संदेश प्रसारित किए जाएंगे।

रक्षाबंधन के सूत्र से बंधे; जगदीश चौहान ने बेटियों की रक्षा करने का लिया संकल्प

डाबरी के लाल जगदीश चौहान ने परिवार के साथ सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी के सानिध्य में रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया।

दैनिक तरुणमित्र ब्यूरो

डाबड़ी मध्य प्रदेश। डाबरी के लाल जगदीश चौहान ने परिवार के साथ सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी के सानिध्य में रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। मेरे लिए यह रिश्ता केवल राजनीति का नहीं, बल्कि भाई, मामा और परिवार के सदस्य जैसा स्नेह और अपनत्व का है। जब मेरे बेटे शिवाय की जिंदगी पर संकट आया था और उस कठिन समय में कोई साथ नहीं था, तब सांसद जी देवदूत बनकर हमारे साथ खड़े हुए और शिवाय की जिंदगी बचाने में मदद की। उस दिन से आज तक उनका स्नेह, आशीर्वाद और अपनापन लगातार हमारे परिवार पर बना हुआ है।

जगदीश चौहान कहते हैं— "मेरे लिए सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी किसी भगवान से कम नहीं हैं।" आज पूरे क्षेत्र में सांसद के इसी व्यवहार और अपनेपन की चर्चा होती है। इतने बड़े पद पर होने के बावजूद वे अपने क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में परिवार की तरह खड़े रहते हैं। न नेता की तरह, बल्कि भाई, मामा और बेटे की तरह लोगों के काम आते हैं। मैं भाजपा का एक कर्मठ कार्यकर्ता हूँ। मेरे पास कोई पद नहीं है, लेकिन जनसेवा के लिए मेरा जुनून और अपने क्षेत्र के लोगों के प्रति मेरा समर्पण ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। ऐसा सांसद मिलना सच में सौभाग्य की बात है।

जब यदुवंश क्षत्रिय था तो श्रीकृष्ण के वंशज ओबीसी कैसे? - यादव और यदुवंशी में फर्क

लेखकः सूबेदार मेजर रमेश सिंह शेखावत (सेना शिक्षा कोर) ब्यूरो चीफ, गुजरात, संस्थापक, आपजी आर्मी अकादमी, भायली, वडोदरा
मो- 8511148777 विशेषः तरुणमित्र दैनिक के लिए

बहुत से लोगों के मन में एक सीधा सवाल है, जो आज पूछा जाना चाहिए। जब अखिलेश यादव और सभी यादव भाई कहते हैं कि हम यदुवंशी हैं, हम श्रीकृष्ण के वंशज हैं, तो फिर एक सवाल उठता है - यदुवंश तो क्षत्रिय था, तो उसके वंशज ओबीसी में कैसे आ गए? उन्हें आरक्षण का लाभ कैसे मिल रहा है?

1. यदुवंश का इतिहास क्या कहता है? शास्त्रों में साफ लिखा है - यदु महाराज चंद्रवंशी क्षत्रिय थे। राजा ययाति के पुत्र थे। इसी चंद्रवंश से कौरव-पांडव भी थे। भगवान श्रीकृष्ण क्षत्रिय थे। उनका विवाह संबंध भी क्षत्रिय राजपूतों में ही हुआ - रुक्मिणी विदर्भ की राजकुमारी, सत्यभामा, जाम्बवती सभी क्षत्रिय कुल की थीं। द्वारका के वृष्णि वंश का संबंध चंद्रवंशी राजपूतों से ही था। तो जो असली यदुवंशी क्षत्रिय वंश है, वह तो राजपूतों की चंद्रवंशी शाखा में गिना जाता है - जैसे जादौन, भाटी, जाडेजा राजपूत आज भी खुद को श्रीकृष्ण का वंशज मानते हैं।

2. फिर आज के यादव कौन हैं? इतिहासकारों में इस पर स्पष्ट मत है। आज उत्तर प्रदेश, बिहार में जो यादव समाज है, उसकी दो धाराएं बताई जाती हैं। एक है - नंदवंश, ग्वाला, अहीर परंपरा। बाबा नंद जी गोकुल के ग्वालों के मुखिया थे, राजा नहीं थे। उन्होंने श्रीकृष्ण का पालन-पोषण किया था, वे उनके पालक पिता थे, जन्मदाता नहीं। वसुदेव जी क्षत्रिय थे, नंद जी ग्वाला थे। इसीलिए पुराने समय में इन्हें ग्वाला, अहीर, गोप कहा जाता था। अंग्रेजों के समय में और बाद में राजनीतिक लाभ के लिए इन सभी ग्वाला-अहीर जातियों को एक शब्द "यादव" में संगठित किया गया और फिर कहा गया कि हम भी यदुवंशी हैं। इसलिए सवाल वाजिब है - यदि आप खुद को द्वारका वाले क्षत्रिय यदुवंशी श्रीकृष्ण का वंशज कहते हो, तो आप क्षत्रिय हुए। फिर ओबीसी में आरक्षण कैसे? और यदि आप नंदवंश, ग्वाला परंपरा से हो - जो कि पशुपालन करने वाले गोप समाज से है, तो आप नंदवंशी हुए, यदुवंशी नहीं। फिर श्रीकृष्ण के वंशज होने का दावा कैसे?

3. असली बात क्या है? असली बात यह है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म यदुवंशी क्षत्रिय कुल में हुआ था, पर उनका लालन-पालन नंदवंश के ग्वालों में हुआ था। दोनों अलग-अलग हैं। आज जो यादव भाई खुद को यदुवंशी कहते हैं, उनमें बड़ा वर्ग वास्तव में नंदवंशी ग्वाला परंपरा से आता है। इसी कारण संविधान में उन्हें पिछड़ा वर्ग मानकर ओबीसी में रखा गया है। तो यदि ओबीसी का लाभ लेना है तो फिर यह स्वीकार करना चाहिए कि हम नंदवंशी ग्वाला समाज से हैं, जिन्होंने श्रीकृष्ण की सेवा की। और यदि यदुवंशी क्षत्रिय होने का दावा करना है तो फिर क्षत्रिय की तरह ओबीसी आरक्षण छोड़कर सामान्य वर्ग में आने की हिम्मत भी दिखानी चाहिए। दोनों बातें एक साथ नहीं चल सकतीं - एक तरफ क्षत्रिय यदुवंशी होने का गौरव लेना और दूसरी तरफ पिछड़ा बनकर आरक्षण भी लेना। इसीलिए मेरे विचार से आरक्षण की समीक्षा जरूरी है - जो असली ग्वाला, अहीर, गरीब पशुपालक है, उसे लाभ मिले। पर जो खुद को द्वारका के राजा, क्षत्रिय यदुवंश का वंशज कहता है, उसे फिर आरक्षण की जरूरत क्या है?

जय श्रीकृष्ण। जय हिंद।

पत्र लेखन दिवस पर विशेष कार्यक्रम - एक पत्र, विरासत के नाम - ॐ ज्ञान गंगा मिशन भारत वसुधैव कुटुम्बकम् का संकल्प

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा कंवर राठौड़ ने बताया कि पत्र लेखन केवल शब्द नहीं, भावनाओं का असली सेतु है। यह दिवस हमें हमारी विरासत को जीवित रखने की याद दिलाता है।

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

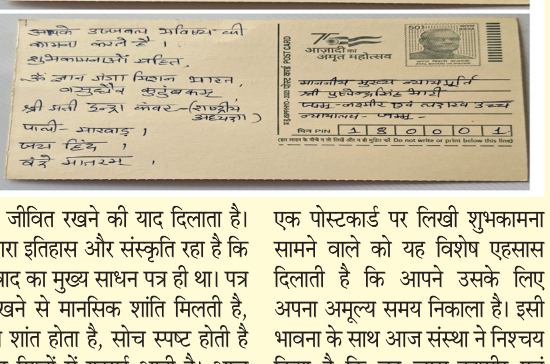

जयपुर, पाली। विश्व पत्र लेखन दिवस के अवसर पर ॐ ज्ञान गंगा मिशन भारत - वसुधैव कुटुम्बकम् ने पत्र लेखन की गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया है। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा कंवर राठौड़ ने बताया कि पत्र लेखन केवल शब्द नहीं, भावनाओं का असली सेतु है। यह दिवस हमें हमारी विरासत को जीवित रखने की याद दिलाता है। हमारा इतिहास और संस्कृति रहा है कि संवाद का मुख्य साधन पत्र ही था। पत्र लिखने से मानसिक शांति मिलती है, मन शांत होता है, सोच स्पष्ट होती है और रिश्तों में गहराई आती है। आज जब सब कुछ डिजिटल हो गया है, तब एक पोस्टकार्ड पर लिखी शुभकामना सामने वाले को यह विशेष एहसास दिलाती है कि आपने उसके लिए अपना अमूल्य समय निकाला है। इसी भावना के साथ आज संस्था ने निश्चय किया है कि वह जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के नवनियुक्त माननीय न्यायमूर्ति श्री पुष्पेन्द्र सिंह भाटी जी को इस कामना के साथ पत्र लिखकर शुभकामना संदेश भेजेगा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लंबित मामलों को न्यायमूर्ति श्री पुष्पेन्द्र सिंह भाटी जी के द्वारा शीघ्र न्याय मिले। संस्था ने सभी देशवासियों से अपील की है कि विश्व पत्र लेखन दिवस पर कम से कम एक पत्र अवश्य लिखें - अपने मित्र, रिश्तेदार या किसी को भी धन्यवाद के रूप में। एक पत्र लिखकर आप भारत की संवाद-विरासत को जीवित रखने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा बदलाव, मिस्बाह-उल-हक ने चयन समिति से दिया इस्तीफा

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट में इंग्लैंड दौरे के बीच टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव किया गया है, जिसके बाद पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति से इस्तीफा देने की पेशकश की है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार मिस्बाह ने लाहौर स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में बल्लेबाजी सलाहकार के पद से भी हटने का फैसला लिया है। उनका यह कदम इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के बीच पीसीबी के टीम और कोचिंग स्टाफ में फेरबदल किये जाने के एक दिन बाद आया है। पाकिस्तान तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से पीछे है। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में उसे 194 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट

बोर्ड (पीसीबी) ने तीसरे टेस्ट से पहले टेस्ट टीम से सात खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया। इनमें मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक, सलमान आगा, अली उस्मान, आमेर जमाल, अवैस जफर और खुर्रम शहजाद शामिल हैं। इसके अलावा मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया गया।

टेस्ट टीम में पांच नए चेहरे : पीसीबी ने पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों अराफात मिन्हास, मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बैग, मोहम्मद इमरान रंधावा और रजाउल्लाह को टेस्ट टीम में शामिल किया है। इनके अलावा साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल भी टीम से जुड़ेंगे। सफेद गेंद की टीम के मुख्य कोच माइक हेसन और गेंदबाजी कोच एश्ले नॉफ्के को टेस्ट टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया है। तीसरा टेस्ट 9 सितंबर से एजबेस्टन में खेला जाना है।

पीसीबी में कई भूमिकाएं निभा चुके हैं मिस्बाह : 2017 में पाकिस्तान के सबसे सफल टेस्ट कप्तानों में शामिल मिस्बाह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी में कई भूमिकाएं निभाईं। 2019 में उन्हें मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता की दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अक्टूबर 2020 में उन्होंने मुख्य चयनकर्ता का पद छोड़ दिया था, जबकि अगले साल मुख्य कोच की जिम्मेदारी से भी इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वह पीसीबी से अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रहे। 2024 में उन्हें पुरुषों की चैंपियंस कप प्रतियोगिता के पांच मेंटर्स में शामिल किया गया था। उन्होंने घरेलू महिला टीमों को भी मेंटर किया। पिछले महीने मुल्तान में आयोजित 50 ओवर की नेशनल चैंपियंस कप में मिस्बाह ने पाकिस्तान गोल्ड टीम को कोचिंग दी थी, जिसने शाहीन अफरीदी की कप्तानी में खिताब जीता।

क्वीन पार्क ओवल में ब्रावो, पोलार्ड और नरेन के नाम पर स्टैंड, टी20 के तीन दिग्गजों को मिला सम्मान

एजेंसी, पोर्ट ऑफ स्पेन

त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तीन महान आधुनिक क्रिकेटरों ड्वेन ब्रावो, कीरोन पोलार्ड और सुनील नरेन को उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए खास सम्मान दिया गया है। ऐतिहासिक क्वीन पार्क ओवल में उनके सम्मान में एक स्टैंड का नाम बदलकर 'ब्रावो, पोलार्ड एंड नरेन स्टैंड' कर दिया गया है। क्वीन पार्क क्रिकेट क्लब (क्यूपीसीसी) ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 64वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोमवार को इस नए नाम वाले स्टैंड का अनावरण किया। इससे पहले यह स्टैंड 'ट्रिनी पॉस स्टैंड' के नाम से

जाना जाता था। यह सम्मान तीनों खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में योगदान के साथ-साथ टी20 क्रिकेट के वैश्विक विकास में उनकी भूमिका को समर्पित है। तीनों खिलाड़ी त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट की पहचान और दुनिया भर में कैरेबियाई टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के प्रमुख चेहरों में रहे हैं। क्वीन पार्क ओवल में अब इन तीनों के नाम के साथ त्रिनिदाद एवं टोबैगो के कई दिग्गजों की विरासत भी जुड़ गई है। स्टेडियम में ब्रायन लारा पवेलियन, डेरिक मरे प्लेयर्स गैलरी, जेफ्री स्टॉलमेयर स्टैंड, लियरी कॉन्स्टेंटाइन स्टैंड, गेरी गोमेज मीडिया सेंटर और सिरिल एल. ड्यूप्रे स्टैंड भी हैं। कीरोन पोलार्ड टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह 700 से अधिक टी20 मैच खेल चुके हैं और उनके नाम 14,000 से अधिक रन तथा 330 से ज्यादा विकेट हैं।

कभी शूटिंग के बारे में नहीं जानती थीं मनीषा, अब एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने का है सपना

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय ट्रैप शूटर मनीषा कीर के लिए शूटिंग कभी उनके जीवन की योजना का हिस्सा नहीं थी। भोपाल के पास एक गांव के साधारण परिवार में पली-बढ़ी मनीषा को एक समय तक यह भी पता नहीं था कि शूटिंग नाम का कोई खेल होता है। उनकी बड़ी बहन सोना ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया और यहीं से शुरू हुआ सफर उन्हें राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले गया। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए मनीषा ने नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के हवाले से

कहा, "मुझे तो पता ही नहीं था कि शूटिंग क्या होती है। मैं सिर्फ क्रिकेट, वॉलीबॉल और फुटबॉल जानती थी। मुझे शूटिंग के बारे में कुछ पता नहीं था और मैंने इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था।" मनीषा की बड़ी बहन सोना खुद भी खिलाड़ी थीं और उन्होंने ही मनीषा को शूटिंग की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, खेल से जुड़ना उनके लिए आसान नहीं था। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार से आने के कारण उन्हें अपने खेल के लिए कई तरह के समझौते करने पड़े। उन्होंने कहा, "मेरा परिवार मुझे उस तरह से सहयोग करने में सक्षम नहीं था। वे मुझे वह सब कुछ नहीं दे सकते थे जो मैं चाहती थी। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था।" शूटिंग महंगा खेल है और प्रतियोगिताओं के लिए यात्रा के दौरान मनीषा को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। महज 18 साल की उम्र में उन्हें अपने खर्चों को लेकर कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़ते थे।

शार्प शूटिंग एकेडमी के निशानेबाज पृथ्वी सिंह तोमर ने बढ़ाया मुरादाबाद का मान

एजेंसी, मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में शार्प शूटिंग एकेडमी के होनहार शूटर पृथ्वी सिंह तोमर ने उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित नॉर्थ जोन चैंपियनशिप में 355 का स्कोर बनाकर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। इस बड़ी उपलब्धि के बाद पृथ्वी के घर पर खुशी का माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा

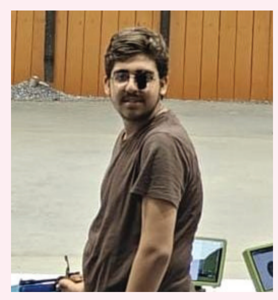

हुआ है। मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर इस ऐतिहासिक पल का जश्न मनाया जा रहा है। पृथ्वी की इस सफलता पर उनकी शार्प शूटिंग एकेडमी मुरादाबाद की कोच अनामिका चौधरी ने भी बहुत खुशी जताई है। उन्होंने मंगलवार को बताया कि पृथ्वी की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति उनके समर्पण ने आज यह मुकाम हासिल कराया है। उन्हें पूरा भरोसा है कि पृथ्वी नेशनल चौंपियनशिप में भी मेडल जीतकर मुरादाबाद और एकेडमी का नाम रोशन करेगा।

लियोनल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

फुटबॉल जगत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल लियोनल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए राष्ट्रीय टीम से विदाई की घोषणा की। 39 वर्षीय मेसी ने करीब दो दशक तक अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व किया और टीम को कई ऐतिहासिक उपलब्धियां दिलाईं। मेसी ने अपने संदेश में कहा कि यह फैसला उनके लिए बेहद दर्दनाक है, लेकिन अब उन्हें लगता है कि सही समय आ गया

है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अर्जेंटीना की जर्सी के लिए हमेशा अपना सब कुछ दिया और देश को फुटबॉल के जरिए खुशी और गर्व देने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि टीम में कई युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी आ रहे हैं, जो अब राष्ट्रीय टीम के लिए जगह पाने के हकदार हैं। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 207 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 125 गोल किए। उनके नेतृत्व में अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका और 2022 में कतर विश्व कप का खिताब जीता। 2026 के विश्व कप में भी उन्होंने अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। मेसी का संन्यास अर्जेंटीना फुटबॉल के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत माना जा रहा है। अब वह राष्ट्रीय टीम को मैदान के बाहर से एक प्रशंसक के रूप में समर्थन देंगे।

बिजनेस

सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की बात करें तो आज ये चमकीली धातु 1,350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।चांदी के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी शुरुआती कारोबार में 2,54,900

रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एविएशन टर्बाइन फ्यूल के दाम 5.46 फीसदी बढ़े, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के अनुरूप विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में 5.46 फीसदी का इजाफा किया है। नई दरें मंगलवार से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के मुताबिक एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में इजाफा के बाद अब घरेलू एयरलाइंस के लिए विमान ईंधन का दाम 6,280 रुपये बढ़कर 1,21,280 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है, जो पहले 1,15,000 रुपये प्रति किलोलीटर था। एटीएफ की कीमत में यह बढ़ोतरी 1 अगस्त को 5 रुपये प्रति किलोलीटर की वृद्धि के बाद दोबारा हुई है। इन दो बढ़ोतरी से एयरलाइंस पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा, जिनके लिए एटीएफ ऑपरेटिंग लागत का 40 फीसदी तक होता है। एविएशन सेक्टर के जानकारों का कहना है कि एटीएफ में लगातार दो बार बढ़ोतरी से विमानन कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ेगा। विमान ईंधन के दाम में हर महीने की पहली तारीख को संशोधन किया जाता है।

अगस्त में यूपीआई से लेनदेन 29.82 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर के करीब

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये अगस्त में 29.82 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। इसी साल मई और जुलाई में यह रिकॉर्ड 29.9 लाख करोड़ रुपये रहा था। अगस्त में यूपीआई के जरिए लेन-देन की संख्या रिकॉर्ड 2,451 करोड़ पर पहुंच गई, जो जुलाई महीने के 2,366 करोड़ से काफी अधिक है। इस साल जून में लेनदेन की संख्या 2,272 करोड़ और मई माह में 2,320 करोड़ रही थी। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अगस्त में लेनदेन का मूल्य 29.82 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी महीने के 24.85 लाख करोड़ रुपये से 20 फीसदी अधिक है। आंकड़ों के अनुसार इसी अवधि में यूपीआई लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 22 फीसदी बढ़कर अगस्त में 2,451 करोड़ हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,963 करोड़ थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

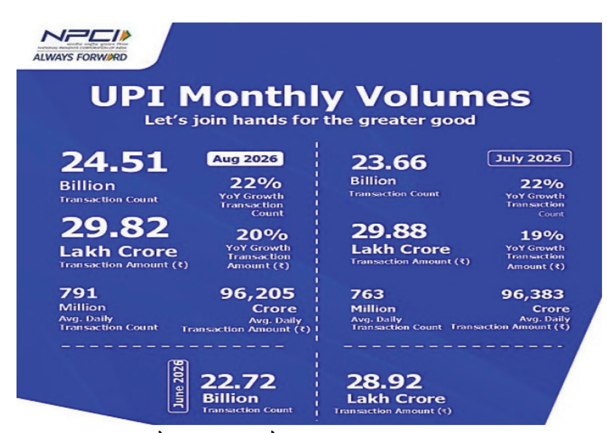

(आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की संयुक्त पहल एनपीसीआई भारत में खुदरा भुगतान एवं निपटान प्रणालियों के संचालन के लिए एक शीर्ष संगठन है। ये संयुक्त रूप से यूपीआई का संचालन करता है, जिसका इस्तेमाल लोगों के बीच या खरीदारी के दौरान व्यापारियों के पास वास्तविक समय में भुगतान के लिए किया जाता है। यूपीआई अब 11 देशों में स्वीकार किया जाता है और उज्बेकिस्तान इसमें शामिल होने वाला सबसे नया देश है। अन्य देशों में सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका, कंबोडिया और यूनान शामिल हैं, जहां यूपीआई स्वीकार किया जाता है। देश में यूपीआई की शुरुआत 25 अगस्त, 2016 को हुई थी और तब से इसने भारत के डिजिटल भुगतान परिदृश्य को बदल दिया है। इसका लेनदेन मूल्य वित्त वर्ष 2016-17 के 0.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये हो गया, एक दशक में इसमें 4 हजार गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

मधुर निट क्राफ्ट्स ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

कंबल, फैब्रिक, विंटर गारमेंट्स और अन्य टेक्सटाइल उत्पाद तैयार करने वाली कंपनी मधुर निट क्राफ्ट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में पहले फ्लैट लिस्टिंग और बाद में लोअर सर्किट से अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 100 रुपये के स्तर पर ही हुई। फ्लैट लिस्टिंग से निराश निवेशकों को तब और झटका लगा, जब इसकी बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिक्री के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 95 रुपये के लोअर सर्किट पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ

निवेशकों प्रति शेयर 5 रुपये यानी 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मधुर निट क्राफ्ट्स 53.27 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 100 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 44 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 53,26,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं है। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी सोलर पैनल का इंस्टॉलेशन कराने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मधुर निट क्राफ्ट्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

पारले बिस्किट्स ने जॉर्ज कोवूर को सीईओ बनाया

एजेंसी, नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी बिस्किट और कन्फेक्शनरी बनाने वाली कंपनी पारले बिस्किट्स ने जॉर्ज कोवूर को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। पारले-जी, मोनाको, हाइड एंड सीक और मेलोडी जैसे उत्पाद बनाने वाली पारले बिस्कुट ने मंगलवार को जॉर्ज कोवूर को सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की।जॉर्ज कोवूर को पेप्सिको के साथ काम करने का तीन दशक से अधिक का अनुभव है। साथ ही उन्होंने उपभोक्ता कारोबार तथा विभिन्न बाजारों में काम किया है। कंपनी ने कहा कि उनकी नियुक्ति एक सितंबर, 2026 से प्रभावी हो गयी है। पारले ने कहा कि कंपनी अपनी टॉप लीडरशिप टीम को मजबूत कर रही है क्योंकि वह विकास के अगले चरण की ओर बढ़ना चाहती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अजय चौहान ने कहा, ''हम जॉर्ज कोवूर का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पारले की मजबूत नींव को आगे बढ़ाने, अपनी क्षमताओं को मजबूत करने तथा सतत वृद्धि के नए अवसर खोलने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी विकास के अगले चरण में उनके नेतृत्व और योगदान की उम्मीद कर रही है।

एबीएच हेल्थकेयर की स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

अनिल भागी हॉस्पिटल के नाम से हेल्थकेयर सर्विस देने वाली कंपनी एबीएच हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में पहले कमजोर लिस्टिंग और बाद में लोअर सर्किट से अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.94 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 99 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग से निराश निवेशकों को तब और झटका लगा, जब इसकी बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिक्री के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 94.05 रुपये के लोअर सर्किट पर

पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर 7.95 रुपये यानी 7.79 प्रतिशत का नुकसान हो गया। कंपनी का 34.98 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 8.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.29 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 34,29,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं है। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए अधिग्रहण करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ के खर्च की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।